धनबाद
मंगलवार 05.11.2024
मूल्य- ₹ 1.50
वर्ष-30 अंक-252 पृष्ठ- 12
कार्तिक शुक्ल पक्ष-4
संवत 2081

झारखण्ड से प्रकाशित सर्वाधिक लोकप्रिय दैनिक

बिहार ऑबजर्वर

रंगदारी और आतंक से मुक्ति के लिए झरिया की जनता इस बार बदलाव के मूड में

भाजपा प्रत्याशी रागिनी सिंह के 5 वर्षों की सेवा का आर्शीवाद देगी झरिया विधानसभा की जनता 0 धनबाद के कांग्रेस प्रत्याशी दूबे बाबा सिर्फ चुनाव में नजर आते हैं, 5 साल गायब रहने के बाद

धनबाद (कासं) : झारखण्ड विधानसभा चुनाव का मतदान २० नवम्बर को धनबाद जिले के विभिन्न विधानसभा क्षेत्रों में होगा।

धनबाद विधानसभा क्षेत्र में चर्चा जोरों पर है कि इस बार फिर राज सिन्हा भाजपा प्रत्याशी क्लीन स्वीप करेंगे, क्योंकि कांग्रेस के प्रत्याशी अजय दूबे २०१९ के चुनाव हारने के बाद फिर राहुल परिक्रमा कर टिकट तो प्राप्त कर लिया लेकिन जनता और मतदाताओं के बीच यही चर्चा जोरों पर है कि अजय दूबे सिर्फ चुनाव में नजर आते हैं बाकी ५ वर्षो तक जनता के समस्याओं और सामाजिक कार्यो में नजर नहीं आते। यही नहीं कांग्रेस के कार्यक्रम में भी नहीं देखे जाते। ऐसे नेता जो कि सिर्फ चुनाव में नजर आये जनता का कितना भला करेगा।

पिछले बार चुनाव में १ लाख ३० हजार वोट राज सिन्हा को मिला था और अजय दूबे को ९२ हजार वोट कांग्रेस के चुनाव चिन्ह पर मिला था। जहां हार के बाद धनबाद के मतदाताओं को अजय दूबे ने बाय-बाय कर दिया वहीं धनबाद जिले का सबसे चर्चित हॉट विधानसभा सीट झरिया विधानसभा चुनाव में २०१९ में नीरज सिंह के संवेदना लहर में जीतने वाली विधायक नीरज पूर्णिमा सिंह को भाजपा के टिकट पर टक्कर देने वाली रागिनी सिंह ने १२ हजार वोट से चुनाव हारने के बाद भी अपने ससुर मजदूरों के मसीहा कहे जाने वाले सुर्यदेव सिंह की कर्मभूमि झरिया विधानसभा क्षेत्र के जनता को बेसहारा नहीं छोड़ा।

झरिया विधानसभा क्षेत्र की हर जनता की दुखसुख में विधायक पूर्णिमा सिंह से पहले रागिनी सिंह पहुंचकर उनके जख्मों पर मलहम लगाने का काम करती रही।

झरिया में पानी बंद होने पर रागिनी सिंह खुद अपने खर्चे से जामाडोबा जलमीनार के पम्प और पाईप को बनवाया। गरीबों के इलाज में भी आर्थिक सहयोग देते रही। कोरोना काल में भी झरिया के झुग्गी-झोपड़ियों में रहने वाले लोगों के बीच जाकर अनाज बांटने और कोई भूखा नहीं रहे इसके लिए अपने भाजपा के सैकड़ों कार्यकर्ताओं को लगा रखा था।

कोरोना काल के संकट में सहारा बने रागिनी सिंह जन-जन के बीच एक देवी के अवतार के रूप में चर्चित हुई। लगातार उनके विरोधी जीतने भी हमले करवाए वह डरी नहीं और मां दुर्गा और छठ मईया सुर्य भगवान की परम उपासक ईश्वर और अल्लाह के भरोसे लगातार संघर्ष करती रही।

झरिया के चर्चित आतंकी देवर से लोगों की रक्षा करने के लिए हर समय खड़ी रही। ऐना आउटसोर्सिंग में विस्फोट के दौरान मारे गये मजदूरों को रागिनी सिंह ने मुआवजा दिलाने का काम किया। सरकारी फंड नहीं रहने के बाद भी जनता के बीच जाकर उनकी समस्याओं का समाधान करने में अग्रणी रही।

पिछले चुनाव में सिंह मेंशन के स्तंभ कहे जाने वाले मजदूर नेता के.डी.पाण्डेय और महेश त्यागी सहित कई नेता कांग्रेस प्रत्याशी नीरज पूर्णिमा सिंह के पक्ष में जाकर प्रचार किया था और उनके जीत में अहम भूमिका निभाई थी। शकुनी और मंथरा के ''कुटनीति और फुट डालो राज करो'' के कारण सिंह मेंशन परिवार में भारी अंदरूनी विवाद था। जिसका फायदा रघुकुल को मिला और रघुकुल के साथ हर्ष सिंह, एकलव्य सिंह, छोटे सिंह के साथ स्वगीर्य नीरज सिंह के जन-जन में किए गए जनसंपर्क और काम के साथ-साथ उनकी मौत की सिम्पैथी झरिया विधानसभा के मतदाताओं में था और वह जीत का कारण बना था कांग्रेस प्रत्याशी के लिए लेकिन इस बार समय चक्र ने करवट बदला है।

सिंह मेंशन के युवराज मनीष सिंह उर्फ सिद्धार्थ गौतम उनकी पत्नी मीनी सिंह, रागिनी सिंह की सास पूर्व विधायक कुंती सिंह भी इस बार २०२४ के विधानसभा चुनाव में झरिया की जनता के बीच जाकर झरिया की बहू जो कि ५ वर्षो में बेटी बनकर झरिया के लाखों जनता की सेवा की है। उसे जीताने की अपील कर रही है और कह रही है कमल खिलाओ झरिया बचाओ।

चुनाव प्रचार में दिन-रात विधायक कुंती सिंह की पोती साक्षी सिंह और रागिनी सिंह की ननद किरण सिंह भी घर-घर जाकर चुनाव प्रचार कर रही है और इस बार का नजारा और होगा। भाजपा नेता अनुप साव का कहना है कि इस बार ५१ हजार वोटों से रागिनी सिंह लीड करेंगी क्योंकि ५ वर्षो में झरिया की जनता ने वह दृश्य देखा है जो कि पिछले ४५ वर्षो से नहीं देखा है। रंगदारी और आतंक से मुक्ति के लिए झरिया की जनता इस बार बदलाव के मूड में हैं।

लोक गायिका शारदा सिन्हा की हालत गंभीर, वेंटिलेटर पर किया गया शिफ्ट

नई दिल्ली (एजेंसी): बिहार की सबसे लोकप्रिय लोक गायिका शारदा सिन्हा का दिल्ली स्थित एम्स में इलाज चल रहा है. लेकिन सोमवार को उनकी तबीयत अचानक ज्यादा बिगड़ गई. जिसके बाद शारदा सिन्हा को इलाज के लिए वेंटिलेटर पर शिफ्ट किया गया. इस बारे में उनके बेटे अंशुमान सिन्हा ने वीडियो जारी कर जानकारी दी. अंशुमान ने अपनी मां के स्वास्थ्य के बारे में अपडेट करते हुए ट्वीटर अकाउंट पर लिखा कि मां कुछ देर पहले वेंटिलेटर पर चली गई है. यह खबर सच है, मां को प्रार्थनाओं और दुआओं की बहुत जरूरत है, क्योंकि फिलहाल मां की हालत बहुत गंभीर है.

दरअसल काफी दिनों से शारदा सिन्हा नये छठ गीत की तैयारी में लगी थी. इसी बीच उनकी तबयत खराब हो गई. हाल ही में उनके पुत्र अंशुमान सिन्हा ने शारदा सिन्हा के नए गीत का ऑडियो रिलीज करके छठ प्रेमियों को खुशखबरी दी. शारदा सिन्हा के छठ ▶▶ 5

बालू तस्करी का बड़ा केंद्र बन चुका है झारखंडः पीएम मोदी

गढ़वा (एजेंसी): प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार को गढ़वा के चेतना मैदान से हुंकार भरी. अपने भाषण के दौरान झामुमो-कांग्रेस और राजद पर जमकर निशाना साधा. कहा कि झारखंड बालू तस्करी का केंद्र बन गया है. सरकार माफियायों की गुलाम बन गई है. सरकारी ठेकों में बंदरबांट हो रहा है. ट्रांसफर-पोस्टिंग का धंधा खूब फल-फूल रहा है. झामुमो, कांग्रेस और राजद ने तुष्टिकरण की नीति को चरम पर पहुंचा दिया है. ये तीनों दर घुसपैठियों के समर्थक हैं. झारखंड के स्कूलों में सरस्वती वंदना पर रोक लग रही है, मां दुर्गा को रोक दिया जाता है. तीज त्योहार पर पत्थरबाजी होती है और घुसपैठ का मामला कोर्ट में जाए और प्रशासन इंकार करे तो पता चलता है कि स्थिति कितनी खतरनाक है. पानी सिर के उपर से गुजरने लगा है. रोटी- बेटी और

माटी को छिना जा रहा है. झामुमो, कांग्रेस और राजद की यही कुनीति रही तो आदिवासी समाज का दायरा सिकुड़ जाएगा.

घुसपैठिया गठबंधन को उखाड़ फेंकना है

पीएम मोदी ने कहा कि झारखंड से घुसपैठिया गठबंधन को उखाड़ फेकना है. एक-एक वोट रोटी-बेटी और माटी के लिए जाना चाहिए. एनडीए की सरकार में ही झारखंड का तेज विकास संभव है. मंडल डैम पर पीएम मोदी ने कहा कि इस डैम का निर्माण दशकों पहले शुरू हुआ था. इसको केंद्र ने गति देने का फैसला लिया. २०१९ में इसकी आधारशिला रखी गई. लेकिन जेएमएम सरकार ने रोड़ा अटका दिया. राज्य सरकार ने प्रभावितों को पैसा नहीं दिया. इसी सोन-कनहर परियोजना भी कब की शुरू हो जाती. हम चियांकी एयरपोर्ट को उड़ान योजना में शामिल करना चाहता है. पलामू और गढ़वा में सोलर पार्क स्वीकृत किए गए हैं. लेकिन इस परियोजना के लिए राज्य सरकार जमीन नहीं दे रही है. भाजपा विकास और विरासत दोनों को महत्व देती है. आदिवासियों का विकास किया जा रहा है.बिरसा मुंडा की १५०वीं जयंती समारोह पूरे देश में मनाया जाएगा. झारखंड का तेज विकास भाजपा की गारंटी है.

सीएम हेमंत सोरेन ने पीएम से किया आग्रह झारखंड का अधिकार लौटाया जाये

रांची (एजेंसी): सीएम हेमंत सोरेन ने एक बार फिर पीएम नरेंद्र मोदी से झारखंड का अधिकार मांगा है. उन्होंने सोशल मीडिया पोस्ट में लिखा है कि प्रधानमंत्री के झारखंड दौरे के अवसर पर मैं विनम्रतापूर्वक उनसे आग्रह करता हूं कि झारखंड के इस न्यायसंगत अधिकार को हमें लौटाया जाये. इससे पहले भी सीएम हेमंत सोरेन ने ट्वीट कर कहा था कि यह न केवल हमारा हक है, बल्कि राज्य के विकास के लिए अत्यंत आवश्यक भी है.

झारखंडियों का बकाया 1 लाख 36 हज़ार करोड़ हमें लौटा दें

मैं पुनः उनसे करबद्ध प्रार्थना करता हूं कि हम झारखंडियों का बकाया १ लाख ३६ हज़ार करोड़ रुपये हमें लौटा दें. झारखंड एवं झारखंडियों के विकास के लिए यह राशि अत्यंत आवश्यक है. मैं भाजपा के साथियों, खास कर के सांसदों से भी अपील करूंगा कि वे हम झारखंडियों के इस बकाये को दिलाने में हमारी मदद करें.

यूपी, पंजाब, केरल में उपचुनाव की तारीख बदली

14 सीटों पर अब 13 की जगह 20 नवंबर को वोटिंग

नई दिल्ली (ईएमएस): उत्तर प्रदेश, पंजाब और केरल में होने वाले विधानसभा उपचुनाव की तारीख बदल गई है। चुनाव आयोग ने सोमवार को बताया कि तीनों राज्यों की १४ विधानसभा सीटों पर अब १३ नवंबर की जगह २० नवंबर को वोटिंग होगी। रिजल्ट २३ नवंबर को ही आएंगे। उत्तर प्रदेश की ९, पंजाब की ४ और केरल की १ विधानसभा सीटों पर अब २० नवंबर को वोटिंग होगी। तारीखों में बदलाव भाजपा, कांग्रेस, आरएलडी और बसपा की मांग पर की गई है। इन पार्टियों का कहना था कि १५ नवंबर को कार्तिक पूर्णिमा और गुरुनानक देवजी का प्रकाश पर्व है। वहीं, केरल १३ से १५ नवंबर तक कलपाथि रास्थोलसेवम मनाया जाएगा। इससे वोटिंग पर असर पड़ता।

२० नवंबर को ही महाराष्ट्र विधानसभा की २८८ सीटों पर चुनाव होने वाले हैं। इसके अलावा महाराष्ट्र की नांदेड़ लोकसभा सीट और उत्तराखंड की केदारनाथ विधानसभा सीट पर भी २० नवंबर को उपचुनाव होंगे। अब उत्तर प्रदेश की करहल, सीसामऊ, कटेहरी, कुंदरकी, मीरापुर, गाजियाबाद, फूलपुर, खैर, मझवां, पंजाब की गिद्दड़बाहा, डेरा बाबा नानक, चब्बेवाल, बरनाला और केरल की पल्लकड़ सीट पर २० नवंबर को मतदान होंगे।

10 राज्यों की 33 सीटों पर तारीख में बदलाव नहीं

चुनाव आयोग के आज की घोषणा में १० राज्यों की ३३ सीटों पर तारीख में बदलाव नहीं किया गया है। यानी यहां १३ नवंबर को ही वोटिंग होगी। इसी दिन झारखंड विधानसभा की ४३ सीटों पर भी मतदान होगा। चुनाव आयोग ने १५ अक्टूबर को महाराष्ट्र-झारखंड के साथ १४ राज्यों की ४८ विधानसभा और २ लोकसभा सीटों ▶▶ 5

कैमरे के सामने पहली बार ट्रेनी डॉक्टर से रेप और मर्डर का आरोपी संजय रॉय बोला-मैं निर्दोष

कोलकाता (ईएमएस): कोलकाता के आरजी कर मेडिकल कॉलेज अस्पताल में महिला ट्रेनी डॉक्टर की रेप के बाद हत्या के मामले में आरोपी संजय रॉय पहली बार कैमरे के सामने गिड़गिड़ाता दिखा और कहा कि वह निर्दोष है और उसने डॉक्टर के साथ ना रेप किया है और ना ही उसकी हत्या की है। उसे जान बूझकर इस केस में फंसाया गया है। सोमवार को पेशी के बाद पुलिस जब संजय को बाहर लेकर निकली तो पहली बार वह कैमरे पर कहता नजर आया कि ममता सरकार उसे फंसा रही है। उसे मुंह न खोलने की धमकी दी गई है। बता दें कि महिला ट्रेनी डॉक्टर के साथ बलात्कार-हत्या के ८७ दिन बाद चार्जशीट की प्रक्रिया शुरू हुई है। संजय रॉय ने कहा कि मैंने बलात्कार और हत्या नहीं की है, मुझे अपनी बात कहने का मौका नहीं दिया और सीधा आरोप मुझ ▶▶ 5

ओडिशा में पुरी जगन्नाथ मंदिर की दीवारों में दरार, सुरक्षा को लेकर बढ़ी चिंता

सरकार ने मांगी पुरातत्व विभाग से मदद

भुवनेश्वर (ईएमएस): ओडिशा में पुरी जगन्नाथ मंदिर को घेरने वाली प्रतिष्ठित चारदीवारी पर कई दरारें आ गई हैं, जिससे उसकी सुरक्षा को लेकर चिंता बढ़ गई है। ओडिशा सरकार ने दरारों की मरम्मत के लिए भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण से सहायता मांगी है। जानकारी के अनुसार मंदिर के अंदर भोजन प्रसाद के लिए मशहूर आनंदबाजार का अपशिष्ट जल मेघनाद पचेरी की दरारों से रिस रहा है, जिससे १२वीं सदी में निर्मित ढांचे को नुकसान पहुंच रहा है।

इसके अलावा दीवार के कुछ हिस्सों में शैवाल के धब्बे फैल गए हैं, जो लगातार नमी का संकेत देते हैं। विरासत संरक्षणवादियों ने विस्तृत मूल्यांकन और बहाली उपायों को तुरंत शुरू करने का आग्रह किया है। उन्हें राज्य सरकार और मंदिर प्रशासन से उम्मीद है कि वह आगे की क्षति को रोकने और ओडिशा की सांस्कृतिक और धार्मिक विरासत के इस महत्वपूर्ण हिस्से के संरक्षण को सुनिश्चित करने के लिए एक व्यापक योजना पर सहयोग करेंगे।

भक्तों का तत्काल मरम्मत पर जोर

भक्तों और सेवादारों ने दीवार की स्थिति को लेकर अपनी चिंता व्यक्त की है और इसकी तत्काल मरम्मत पर जोर दिया है। ये दरारें धीरे-धीरे ढांचे को कमजोर कर रही हैं। श्रीमंदिर मंदिर प्रशासन के प्रमुख ▶▶ 5

हिंसा कभी भी भारत के संकल्प को कमजोर नहीं कर सकती : मोदी

कनाडा में हिंदू मंदिर पर हमले की प्रधानमंत्री मोदी ने की कड़ी निंदा

नई दिल्ली (ईएमएस)। मैं कनाडा में हिंदू मंदिर पर किए गए हमले की कड़ी निंदा करता हूं। हमारे राजनयिकों को डराने-धमकाने की कायरतापूर्ण कोशिशें भयावह हैं। इस प्रकार की हिंसा कभी भी भारत के संकल्प को कमजोर नहीं कर सकती। हम कनाडा सरकार से न्याय सुनिश्चित करने और कानून का शासन बनाए रखने की उम्मीद करते हैं। यह बात सोमवार को कनाडा में हिंदू मंदिरों पर हुए खालिस्तानी हमले के बाद कड़ी निंदा करते हुए कही। पीएम मोदी की ओर से यह प्रतिक्रिया ऐसे समय में आई है, जब लगातार दूसरे दिन खालिस्तान समर्थकों ने कनाडा में हिंदू मंदिर पर हमला किया और वहां मंदिर में मौजूद हिंदुओं को घायल कर दिया। पीड़ितों ने आरोप लगाया कि दूसरे दिन के हमले के दौरान पुलिस मंदिर परिसर और आसपास मौजूद थी। लेकिन उसके बाद भी उन पर हमले किए गए।

विपक्षी कांग्रेस पार्टी ने भी कनाडा के ब्रांपटन में हिंदू मंदिर पर खालिस्तानी चरमपंथियों की ओर से की गई हिंसा की निंदा की और भारत सरकार से इस मामले को कनाडा के सामने मजबूती के साथ उठाने का अनुरोध किया। कांग्रेस के मीडिया और प्रचार विभाग के प्रमुख पवन खेड़ा ने कहा, यह पूरी तरह से निंदनीय है और कांग्रेस स्पष्ट शब्दों में इस घटना की आलोचना करती है।

कनाडा में भारतीय नागरिकों की सुरक्षा को लेकर चिंतित

हिंदू मंदिर पर हमला ऐसे समय में हुआ है, जब भारत और कनाडा के बीच राजनयिक तनाव बढ़ा हुआ है। विदेश मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि नई दिल्ली कनाडा में भारतीय नागरिकों की सुरक्षा को लेकर गंभीर रूप से ▶▶ 5

मेरे रिटायरमेंट के बाद कोर्ट सुरक्षित हाथों में : सीजेआई

नई दिल्ली (ईएमएस): सोमवार को सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ ने नए सीजेआई की तारीफ करते हुए कहा कि जस्टिस संजीव खन्ना बेहद शांत इंसान हैं। मेरे रिटायरमेंट के बाद कोर्ट सुरक्षित हाथों में है। जस्टिस संजीव खन्ना गंभीर और विवादित मामलों में भी मुस्कुरा सकते हैं। सीजेआई चंद्रचूड़ ने कहा कि राजनीति में परिपक्वता होनी चाहिए।

जजों पर संदेह करना, व्यवस्था को बदनाम करने जैसा है। बात दें कि मुख्य न्यायाधीश चंद्रचूड़ १० नवंबर २०२४ को सेवानिवृत्त हो रहे हैं। उनके बाद जस्टिस संजीव खन्ना सुप्रीम कोर्ट के ५१वें चीफ जस्टिस होंगे। वे ११ नवंबर को पद और गोपनीयता की शपथ लेंगे। चंद्रचूड़ ने गणेश पूजा पर प्रधानमंत्री मोदी के घर आने पर हुए विवाद को लेकर कहा कि मैं आस्थावान व्यक्ति हूं और सभी धर्मों का समान रूप से सम्मान करता हूं।

पीएम का मेरे घर आना गलत नहीं है। यह निजी मुलाकात नहीं, बल्कि सार्वजनिक मुलाकात थी। शक्तियों के बंटवारे का मतलब यह नहीं है कि न्यायपालिका और कार्यपालिका की बैठक नहीं होगी या उनमें संवाद नहीं होना चाहिए। जस्टिस चंद्रचूड़ ने कहा कि जब मैंने कहा कि मैं देवता के सामने बैठता हूं, तो इसमें कोई संकोच या बचाव नहीं करता कि मैं आस्थावान व्यक्ति हूं। मैं हर धर्म का सम्मान करता हूं। हम इसी तरह का काम करते हैं। बता दें कि चंद्रचूड़ के बाद वरिष्ठता सूची ▶▶ 5

केंद्र सरकार के समावेशी प्रयासों से उड्डयन क्षेत्र में महिलाओं को बढ़ावा मिला : राष्ट्रपति

नई दिल्ली (ईएमएस): राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने कहा है कि केंद्र सरकार के समावेशी प्रयासों से नागरिक उड्डयन क्षेत्र में महिलाओं की प्रगति को बढ़ावा मिला है। उन्होंने कहा कि अब अधिक से अधिक महिलाएं विमानन को अपने करियर के रूप में चुन रही हैं।

राष्ट्रपति मुर्मु सोमवार को राष्ट्रपति भवन में भारतीय विमानन क्षेत्र में उपलब्धि हासिल करने वाली महिलाओं के एक समूह के साथ बातचीत कर रही थीं। यह बैठक द प्रेसिडेंट विद द पीपल पहल के तहत हुई, जिसका उद्देश्य लोगों के साथ गहरा जुड़ाव स्थापित करना और उनके योगदान को मान्यता देना है।

राष्ट्रपति मुर्मु ने कहा कि भारत सरकार के समावेशी प्रयासों से नागरिक उड्डयन क्षेत्र में महिलाओं की प्रगति को बढ़ावा मिला है। अब अधिक से अधिक महिलाएं विमानन को अपने करियर के रूप में चुन रही हैं।

उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि विमानन उद्योग में महिलाओं की भागीदारी बढ़ाने के साथ-साथ इस क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए समान अवसर भी आवश्यक हैं।

उन्होंने कहा कि भारत के नागरिक उड्डयन क्षेत्र में महिलाएं विभिन्न परिचालन और तकनीकी क्षेत्रों में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं।

उन्होंने कहा कि १५ प्रतिशत एयर ट्रैफिक कंट्रोलर महिलाएं हैं, ११ प्रतिशत फ्लाइट डिस्पैचर महिलाएं हैं और ९ प्रतिशत एयरोस्पेस इंजीनियर महिलाएं हैं। राष्ट्रपति ने कहा कि पिछले साल वाणिज्यिक लाइसेंस प्राप्त करने वाली १८ प्रतिशत पायलट महिलाएं थीं।

उन्होंने उपलब्धि हासिल करने वाली महिलाओं की सराहना करते हुए कहा कि वे अभिनव सोच रखती हैं और नए रास्ते पर चलने का साहस रखती हैं।

राष्ट्रपति ने आगे कहा कि शिक्षा और उचित प्रशिक्षण के अलावा परिवार का सहयोग भी महत्वपूर्ण है। अक्सर देखा जाता है कि कई महिलाएं उच्च शिक्षा प्राप्त करने के बाद भी परिवार से सहयोग न मिलने के कारण अपने सपनों को पूरा नहीं कर पाती हैं।

उन्होंने सफल महिलाओं से आग्रह किया कि वे अन्य महिलाओं के लिए मार्गदर्शक बनें और उन्हें अपना करियर चुनने और अपने सपनों को साकार करने के लिए प्रोत्साहित करें।

पिकअप वैन की चपेट में 3 की मौत, 3 घंटे सड़क जाम

इनसेट में तीनों मृतका की फाईल फोटो

गोविंदपुर (ससे) : गोविंदपुर थाना अंतर्गत जीटी रोड फकीरडीह के समीप एक पिकअप वैन ने सोमवार की सुबह एक महिला समेत तीन बच्चियों को बुरी तरह रौंद दिया। इसमें महिला एवं एक बच्ची की मौत घटनास्थल पर ही हो गई, जबकि एक बच्ची ने अस्पताल ले जाने के क्रम में दम तोड़ दिया। इस घटना में गंभीर रूप से घायल एक बच्ची का इलाज लाइफ लाइन अस्पताल गोविंदपुर में करने के बाद निजी नर्सिंग होम धनबाद रेफर कर दिया गया। उसकी स्थिति खतरे से बाहर है।

घटना में एक साथ महिला समेत दो बच्चियों की मौत के विरुद्ध आक्रोशित फकीकडीह के ग्रामीणों ने ३ घंटे तक जीटी रोड जाम रखा। बीडीओ जहीर आलम, डीएसपी शंकर कामती, सर्किल इंस्पेक्टर कुमार सत्यम भारद्वाज एवं पुलिस इंस्पेक्टर रुस्तम अली के काफी प्रयास के बाद सड़क जाम टूटा और वाहनों की आवाजाही सामान्य होने में ५ घंटे लग गए। जीटी रोड जाम होने से सड़क के दोनों लेन में वाहनों की लंबीलंबी कतार लग गई और एंबुलेंस समेत कई आवश्यक वाहन भी जाम में फंसे रह गए। घटना के संबंध में प्राप्त जानकारी के अनुसार फकीरडीह गांव के जफर मंसूरी की २८ वर्षीय विधवा पुत्री रूबी खातून अपनी ८ वर्षीय पुत्री सीफत परवीन, १५ वर्षीय बहन जानवी उर्फ आयत परवीन पड़ोसी जहांगीर शाह की पुत्री शाहिदा खातून १२ वर्ष को ट्यूशन भेजने के लिए रोड पार के लिए सोमवार सुबह करीब ७ बजे अपने दरवाजे पर खड़ी थी। इसी बीच पिकअप वैन बी ३३ जीए ८८१४ के चालक ने तेजी और लापरवाही से वाहन चलाते हुए चारों को बुरी तरह कुचल दिया।

वैन सभी को कुचलते हुए आगे घसीटते हुए ले गई और एक मारुति ओमनी को धक्का मारते हुए एक घर के दरवाजे को क्षतिग्रस्त करते हुए फंस गई। इस घटना से जफर मंसूरी की २८ वर्षीया रूबी खातून तथा उसकी बहन जानवी की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। रूबी खातून की ८ वर्षीय पुत्री सीफत परवीन की मृत्यु अस्पताल ले जाने के क्रम में हुई। वह गोविंदपुर के भोला टेक्सटाइल में काम करती थी। डीएसपी शंकर कामती, बीडीओ जहीर आलम, अंचल निरीक्षक कुमार सत्यम भारद्वाज एवं थाना प्रभारी मोहम्मद रुस्तम अली सदल बल घटनास्थल पर पहुंचे और जाम हटाने के प्रयास में लग गये। झामुमो नेता मन्नू आलम, राकांपा नेता मोबिन अंसारी, समाजसेवी सलाउद्दीन, अनवर अंसारी, मुखिया निमाई महतो, चुन्नी मजूमदार, तालेश्वर साव, बलराम साव, ओमप्रकाश बजाज, फिरोज अंसारी आदि भी लोगों को समझा बुझा कर जाम हटाने में लगे हुए थे। परंतु फकीरडीह के युवकों ने किसी की एक न सुनी।

प्रशासन की काफी प्रयास के बाद जाम हटाने पर सहमति बन जाती थी परंतु युवक रह रहकर नारेबाजी करते थे और सड़क जाम कर देते थे युवकों ने नेताओं के खिलाफ नारेबाजी भी की इसे नाराज होकर कई नेता वापस लौट गए।

अपनी दो पुत्री तथा नतनी की मौत के बाद भी जफर मंसूरी ने मानवता का परिचय दिया। पेशे से चालक जफर ने आपा नहीं खोया। उसने पिकअप वैन के नीचे अपनी पुत्री और नतनी की लाश देखी तो वैन के ड्राइवर से कहा कि जल्दी यहां से भागो नहीं तो लोग तुम्हारी जान ले लेंगे। इसके बाद पिकअप वैन का चालक फरार हो गया। यदि वह मौके पर रहता तो आक्रोशित भीड़ पीट-पीट कर उसकी जान ले लेती। इसके बाद प्रशासन ने जफर मंसूरी को समझाया तो वह मान गए और कहा कि उनकी बेटी और नतनी की मौत हुई है। वह लाश को पोस्टमार्टम के लिए भेज रहे हैं। इसके बाद उन्होंने रुख कड़ा किया तब आक्रोशित युवक किनारे हो गए और शव हटाने के साथ ही सड़क जाम टूटा।

इलाज के दौरान घायल अधेड़ की मौत

गोविंदपुर (ससे) : गोविंदपुर थाना अंतर्गत मुर्गाबनी गांव में काली पूजा के दौरान तीन युवकों में हुई मारपीट में गंभीर रूप से घायल कीर्तन धीवर ५५ वर्ष की मौत इलाज के दौरान निर्मल महतो मेडिकल कॉलेज अस्पताल में रविवार रात को हो गई। सोमवार को पोस्टमार्टम के बाद पुलिस ने शव परिजनों को सौंप दिया। इसके बाद उसकी अंतिम क्रिया कर दी गई। इस संबंध में मृतका की पत्नी रूपाली देवी ने गोविंदपुर थाना में आवेदन दिया है।

वह पंचायत के मुखिया अख्तर अंसारी, सुबोध भंडारी, असगर अंसारी आदि के साथ थाना पहुंची। उन्होंने आवेदन में कहा है कि उनके पति काली पूजा की रात वह गांव के काली मंदिर गए थे। वहां दशरथ गोप, पिता स्व. हलधर गोप एवं राजेश गोप, पिता स्व. दुर्योधन गोप ने मामूली विवाद में उनके पति की बुरी तरह पिटाई कर दी । इससे वह गंभीर रूप से घायल हो गए। इसके बाद परिवार वाले उन्हें पहले मैथन ले गए। वहां एक नर्सिंग होम में इलाज के बाद फिर घर ले आए और रविवार को शहीद निर्मल महतो मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया, जहां रात में इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई।

भारतीय रेड क्रॉस समिति की बैठक

धनबाद (कासं) : सोमवार को भारतीय रेडक्रास समिति धनबाद के कार्यकारिणी में चेयरमैन कौशलेंद्र कुमार सिंह की अध्यक्षता में बैठक हुई। बैठक का संचालन संयुक्त सचिव दिलीप सिंह ने किया। इस दरम्यान वाईस चेयरमैन धनेश्वर महतो एवं चेयरमैन सलाहकार सह कार्यकारिणी सदस्य कुमार मधुरेन्द्र सिंह, नोडल पदाधिकारी ब्लड बेनजीर परवीन नोडल पदाधिकारी वाहन देवेन्द्र कुमार एवं अनिल भगत नोडल पदाधिकारी स्वास्थ्य डाक्टर जिम्मी अभिषेक उपलब्ध रहें। बैठक में प्रमुखता से चर्चा की गई कि मोक्ष वाहन की सेवा बहाल की जा रही है और उसमें सिविल सर्जन एवं अधीक्षक एसएनएमएमसीएच के लिखित पत्र पर लाल कार्ड धारकों को निःशुल्क मोक्ष वाहन धनबाद जिले के अंतर्गत उपलब्ध कराई जाएगी एवं अन्य को भारतीय रेडक्रास समिति धनबाद के द्वारा देय राशि पर ही ली जाएगी।

डीसी व एसएसपी ने किया अमलखोरी चेक पोस्ट का निरीक्षण

धनबाद (कासं) : झारखंड विधानसभा चुनाव २०२४ को शांतिपूर्ण एवं निष्पक्ष चुनाव कराने के उद्देश्य से जिले में ११ इंटर स्टेट एवं ५ इंटर डिस्ट्रिक्ट चेक पोस्ट बनाए गए हैं।

चेक पोस्ट से गुजरने वाले हर वहनों की जांच की जा रही है। इसी संदर्भ में सोमवार को जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त माधवी मिश्रा एवं वरीय पुलिस अधीक्षक हृदीप पी जनार्दनन ने हरिहरपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत जीटी रोड पर स्थापित अमलखोरी चेक पोस्ट का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के क्रम में उपायुक्त ने चेक पोस्ट पर प्रतिनियुक्त दंडाधिकारी, पुलिस पदाधिकारी एवं सुरक्षा कर्मियों को जिले में प्रवेश करने वाले सभी वाहनों की सघन जांच करने तथा वाहनों का रजिस्ट्रेशन नंबर व ऑनर का नाम, पता, मोबाइल नंबर रजिस्टर में दर्ज करने का निर्देश दिया। साथ ही भारी मात्रा में नकदी, शराब, ज्वेलरी, नशीले पदार्थ सहित मतदाताओं को प्रलोभन देने वाली अन्य सामग्रियां मिलने पर जब्त करने का निर्देश दिया। वहीं वरीय पुलिस अधीक्षक ने छोटे वहनों के साथ साथ बड़े वाहनों की भी औचक जांच करने का निर्देश दिया।

रमजानपुर के चार बूथ संवेदनशील

जोड़ापोखर (ससे) : रमजानपुर की बूथ संख्या १६५, १६६, १६७, १६८ यह सभी बूथ अतिसंवेदनशील भी है। इन बूथों पर हर चुनाव में मतदाताओं के बीच तनाव व्याप्त रहता है। इसका निरीक्षण करने के लिए सोमवार को एडीएम पीयूष कुमार सिन्हा, ऑब्जर्वर, बलियापुर सीओ प्रवीण कुमार सिंह, सम्राट चौधरी, थाना प्रभारी राजेश प्रकाश सिन्हा पहुँचे थे। शांति पूर्ण ढंग से चुनाव सम्पन्न कराने को लेकर एडीएम ने पुलिस को कई दिशा-निर्देश दिए है।

प्रत्याशियों ने दिया चुनाव खर्च का हिसाब

धनबाद (कासं) : सोमवार को जिले के सभी छह विधानसभा क्षेत्र के प्रत्याशियों के चुनाव खर्च की लेखा पंजी की प्रथम जांच हुई। व्यय प्रेक्षक आरए ध्यानी एवं कुमार आदित्य द्वारा पंची की जांच की गई। इस दौरान व्यय अनुश्रवण कोषांग के पदाधिकारी एवं सहायक व्यय प्रेक्षक भी मौजूद रहें।

इस दौरान सभी छह विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र के अभ्यर्थियों की ओर से निर्वाचन के दौरान प्रचारप्रसार एवं अन्य दैनिक खर्च का लेखा संधारण निर्वाची पदाधिकारी की ओर से उपलब्ध कराए गए। निर्वाचन व्यय पंजी की जांच व्यय प्रेक्षक द्वारा की गई।

उन्होंने दैनिक निर्वाचन व्यय लेखा का गहन एवं सम्यक जांच कर छाया प्रेक्षण पंजी से मिलान किया। मौके पर व्यय प्रेक्षक आरए ध्यानी एवं कुमार आदित्य तथा सहायक व्यय प्रेक्षक समेत प्रत्याशी एवं उनके एजेंट मौजूद रहें।

महापर्व छठ पर कद्दू वितरित

केंदुआ (ससे) : समर्पण संस्था के द्वारा आस्था का महापर्व छठ पूजा के शुभ अवसर पर सोमवार को केन्दुआ बाजार में कद्दू वितरण किया गया। मुख्य रूप से डॉ. चंद्रप्रकाश दुबे के द्वारा दीप प्रज्वलित कर उद्घाटन किया। संस्था के अध्यक्ष विजय कुमार शर्मा ने बताया कि हमारा प्रयास है कि समाज के हर एक व्यक्ति तक निस्वार्थ सेवा देने की और निरंतर यह प्रयास भी संस्था के माध्यम से किया जा रहा है। लोगों का बहुत प्यार और सहयोग मिला है।तभी हम किसी भी कार्यक्रम में बढ़चढ़कर लोगों के बीच में अपनी सेवा देते आ रहे हैं। वहीं उपाध्यक्ष वेद प्रकाश दुबे ने कहा कि समाज में हर वर्ग को जोड़कर लोगों के बीच में सेवा देनी चाहिए और जो संस्थाएं हैं, उनको भी इस तरह का आयोजन करना चाहिए।

समता युवा संघ ने राज्यपाल को किया सम्मानित

रांची (ससे) : जैन समुदाय के समता युवा संघ ने सोमवार को राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार को पुष्पगुच्छ, स्मृति चिन्ह व अभिरामम पुस्तक भेंट कर सम्मानित किया। संस्था के अध्यक्ष राकेश कुमार जैन की अध्यक्षता में अशोका सुराणा, उत्तम कोठारी, संयम जैन, राजेश पिंचा, जय पिंचा, डॉ ज्ञानेन्द्रा कुमार, श्री राम ने राज्यपाल को जैन धर्म के पूज्य आचार्य प्रवर १००८ श्री रामलाल जी के ५० वर्ष साधना व साधुत्व को समर्पित अभिरामम नामक पुस्तक, अंग वस्त्र, स्मृति चिन्ह भेंट की। प्रतिनिधिमंडल ने राज्यपाल को बताया कि पुस्तक में जैन धर्म के मूल सिद्धांत और भगवान महावीर के उपदेशों का विस्तृत वर्णन है, जो समाज में अहिंसा और करुणा के मूल्य को बढ़ावा देता है।

मुलाकात के दौरान जैन प्रतिनिधियों ने गवर्नर को एक मांग पत्र प्रस्तुत किया, जिसमें कुछ महत्वपूर्ण मुद्दों पर ध्यान आकर्षित किया गया। प्रतिनिधियों ने जैन समुदाय के सामने आ रही चुनौतियों को हल करने के लिए सरकार से सहयोग की अपील की।

माग पत्र में जैन समाज के व्यापारियों की सुरक्षा, महावीर के उपदेशों और जैन धर्म के मूल सिद्धांतों पर शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए विशेष कार्यक्रमों का आयोजन, जैन धार्मिक गतिविधियों के लिए रांची शहर में भूमि उपलब्ध कराने, सोशल मीडिया पर जैन धर्म के प्रति अपमानजनक और भड़काऊ वीडियो की रोकथाम के लिए सख्त कदम उठाने, पारसनाथ मंदिर के आसपास मांसाहारी भोजन और शराब पर प्रतिबंध लगाने, रांची शहर में आम जनता की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए प्रभावी कदम उठाने, महावीर जयंती के अवसर पर झारखंड में सभी प्रकार के मांसाहारी भोजन और शराब पर प्रतिबंध लगाने की मांग की गई। राज्यपाल ने जैन प्रतिनिधियों को उनके योगदान के लिए सराहा और उनकी मांगों को पूरा करने की दिशा में प्रयास जारी रखने का आश्वासन दिया।

बाघमारा में नहीं चलेगी परिवारवाद की राजनीति : रत्नेश

कतरास (ससे) : बाघमारा में परिवारवाद को रोकने के लिए जनता परिवर्तन की मुड़ में है, पंद्रह वर्षों तक छोटे भाई ने बाघमारा को लूटखंड बनाने का काम किया और अब बड़ा भाई अपने आप को पाक साफ बताकर बाघमारा की जनता को दिग्भ्रमित करने का प्रयास कर रहा है उक्त बातें बाघमारा विधानसभा के निर्दलीय प्रत्याशी रोहित यादव के समर्थक लोयाबाद निवासी रत्नेश कुमार ने रोहित यादव के पक्ष में मतदान करने की मांग की ओर और कहा कि जनता का आशीर्वाद मिला तो छह माह में बाघमारा में भयमुक्त वातावरण स्थापित करेंगे।

झामुमो की कथनी और करनी में फर्क है : रमेश राही

धनबाद (कासं) : सोमवार को आजसू पार्टी की बैठक राजगंज में हुई। जिसमें टुंडी विधानसभा के एनडीए प्रत्याशी विकास महतो मुख्य रूप से उपस्थित हुए। बैठक की अध्यक्षता कर रहे आजसू नेता गिरिधारी महतो ने कहा कि पहली बार टुंडी से माटी पुत्र को एनडीए का प्रत्याशी बनाया गया है। इसलिए सभी आजसू कार्यकर्ता मेहनत करते हुए घरघर जाकर विकास महतो के पक्ष में मतदान करने का प्रचार प्रसार करें। विकास महतो ने कहा कि टुंडी विधानसभा के हर गांव में भरपूर मात्रा में जनसमर्थन व आशीर्वाद मिल रहा है। जिससे यह स्पष्ट है कि टुंडी विधानसभा राज्य में सबसे ज्यादा मतों से जीत का रिकॉर्ड बनाएगी।

टुंडी प्रभारी रमेश कुमार राही ने कहा कि एनडीए जो कहती है उसे पूरा करती है। लेकिन झामुमो की करनी ओर कथनी में बहुत फर्क है। जिसे जनता जान चुकी है । इसलिए इसबार झामुमो को उखाड़ फेंकने का मन जनता बना चुकी है। मौके पर जिला परिषद अध्यक्ष प्रतिनिधि शेखर सिंह, करण महतो, गिरिजाशंकर उपाध्याय, गौतम साव, सूरज सोनी, टिंकू शर्मा, सन्तोष चौरसिया, रेखा देवी, कोलेशर महतो आदि मौजूद थे।

बीसीसीएल ने कबाड़ बेचकर कमाया 88 लाख

धनबाद (कासं) : देश में कोर्किंग कोल उत्पादन की अग्रणी कंपनी भारत कोर्किंग कोल लिमिटेड ने गत एक माह के दौरान भारत सरकार द्वारा चलाये जा रहे विशेष अभियान ४.० तथा स्वच्छता ही सेवा के तहत उल्लेखनीय प्रदर्शन किया है। इस दौरान कंपनी ने कबाड़ के समुचित निपटान से ८८,०२,२९२ का राजस्व अर्जित किया है। बीसीसीएल द्वारा कबाड़ से कला के तहत नेताजी सुभाष चंद्र बोस की मूर्ति का भी निर्माण किया है। इस दौरान स्वच्छता ही सेवा अभियान के तहत बीसीसीएल ने साफसफाई के लिए कुल ११० स्थलों का चयन किया गया था, कंपनी ने लक्ष्य से अधिक ११२ स्थलों की सफाई करके कुल ६७,६६० वर्ग फीट भूमि को साफ किया है। विभिन्न क्षेत्रों और कार्यस्थलों पर चलाये गये इस अभियान में कंपनी ने अपने सभी क्षेत्रों सहित मुख्यालय के सभी कार्यालयों को भी शामिल किया गया। कार्यालयों में ५००० फिजिकल फाइलों की समीक्षा के सापेक्ष ५९१७ फाइलों की समीक्षा की गयी। इस प्रकार निपटान के लिए लक्षित ३७१८ फाइलों के सापेक्ष ३७५३ फाइलों को बंद किया गया। ईऑफिस में भी २००० ईफाइलों के सापेक्ष २११९ फाइलों की समीक्षा की गयी और १०६३ ईफाइलों को बंद किया गया।

अभियान के समापन कंपनी के सीएमडी ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि यह प्रदर्शन हमारी टीम भावना और समर्पण का परिचायक है। बीसीसीएल न केवल देश के लिए कोर्किंग कोयले का उत्पादन करता है, बल्कि भारत सरकार के विभिन्न अभियानों के माध्यम से जन-सरोकार की गतिविधियों में भी सक्रिय रूप ले सहभागिता करता है। कार्यालयों की साफसफाई और कबाड़ आदि के निपटान के साथसाथ फाइलों का निपटान भी कार्यालय स्वच्छता का एक रूप है। समय पर फाइलों के निपटान से कार्यप्रणाली में पारदर्शिता आती है और हमारे कार्मिकों के कार्य क्षमता में भी सुधार होता है।

कुड़माली नेगाचारी इकाई की बैठक

धनबाद (कासं) : सोमवार को तोपचांची प्रखंड के महतो मार्केट में कुडमाली भाखि नेगाचारी इकाई की बैठक प्रखंड संयोजक बिनोद बिहारी महतो की अध्यक्षता में हुई। बैठक में रामाकुंडा, चितरपुर मदैयडीह, तोपचांची एवं दुमदुमी समेत अन्य पंचायत से कुड़मी समाज के प्रबुद्ध व गणमान्य लोगों ने शिरकत किया।

मौके पर हरेंद्र महतो उप मुखिया ने कहा कि कुड़मी समाज आजादी के बाद से अपने संवैधानिक हक अधिकार के लिए संघर्षरत है। समाज के अगवा नेतृत्वकर्ताओं के द्वारा रेल टेका, डहर का आंदोलन किया गया। इस आंदोलन में ११ लोगों पर मुकदमा दर्ज हुआ अभी विधानसभा चुनाव में प्रत्याशियों के रूप में नेतृत्वकारी नेत्री बणी देवी के पक्ष में मतदान करने की अपील की गई। वहीं विनोद बिहारी महतो ने कहा कि जो कुड़मी हित की बात करेगा, वही झारखंड में राज करेगा। बैठक में सदानंद महतो, दूधनाथ महतो, मंगल महतो, केशव महतो, सोहराय महतो, सुदन महतो, नकुल महतो, रामप्रसाद महतो समेत अन्य गणमान्य लोग उपस्थित थे।

डी.बी. पब्लिकेशन्स प्रा. लि. के लिए जोड़ाफाटक रोड, धनबाद से राजेन्द्र कुमार अग्रवाल द्वारा मुद्रित एवं अंजना अग्रवाल द्वारा प्रकाशित. संपादक -गणेश मिश्रा. फोन -9431726337
e-mail : biharobserver@gmail.com RNI No- 58991/95. * पी.आर.बी. एक्ट के तहत समाचार चयन एवं प्रकाशन के लिए गणेश मिश्रा जिम्मेवार होंगे एवं समस्त विवाद धनबाद न्यायालय के अधीन होंगे

भाजपा प्रत्याशी रागिनी ने जारी की संकल्प पत्र

झरिया (ससे) : झरिया के कतरास मोड़ स्थित भाजपा कार्यालय मे झरिया भाजपा प्रत्याशी रागिनी सिंह ने भाजपा संकल्प पत्र जारी करते हुए बताया कि मेरी प्राथमिकता है कि महिला सशक्तीकरण की दिशा में भाजपा शासित अन्य राज्यों के तर्ज पर गोगो दीदी योजना का लाभ दिलवाना। बीसीसीएल और आउट सोर्सिंग कम्पनी से संबधित समस्याओं के समूचित समाधान हेतू माइन्स रेगुलेशन एक्ट के तहत ही कोयला उत्पादन आदि के कार्य को सुनिश्चित करवाना एवं पार्यावरण नुकसान और प्रदूषण पर अंकुश, भारी वाहनों के परिचालन पर नियंत्रण, बेहतर विस्थापन और पुर्नवास, स्थानीय युवाओं को नियोजन में प्रथम प्राथमिकता दिलवाना।

झरिया विधानसभा क्षेत्र में पानी की समस्या के समूचित समाधान हेतु केन्द्र सरकार की हर घर नल जल योजना को धरातल में उत्तारना और झमाडा की पुराने और जर्जर व्यवस्था को दुरूस्त करने के लिए हर संभव कार्य करवाना। क्षेत्र मे बिजली की निर्बाध और सुचारु आपूर्ति के लिए हर संभव उपाय करवाना।

झरिया मे भ्रष्टाचार मुक्त उच्च गुणवत्ता पूर्ण सड़क, नाला एवं पुल पुलियों आदि का निर्माण करवाना। आई०टी०आई० जैसे तकनीकी प्रशिक्षण संस्थान और महिला महाविद्यालय का स्थापना, आर०एस०पी० कॉलेज के भवन का शीघ्रतिशीघ्र निर्माण एवं पठनपाठन प्रारम्भ करवाना। स्वास्थ के क्षेत्र में रेफरल अस्पताल का संचालन करवाना और ब्लड बैंक की स्थापना करवाना। क्षेत्र के सभी चौक-चौराहें एवं पार्क का सौंदर्यीकरण करवाना, साथ ही साथ तलाबों को विकसीत करवाकर मतस्य पालन के द्वारा बेरोजगारों को रोजगार उपलब्ध करवाना। स्वरोजगार से संबंधित सरकारी योजनाओं जैसे मुद्रा लोन, प्रधानमंत्री रोजगार योजना, भेन्डर लोन सहीत केन्द्र सरकार की सभी जनहीत की योजनाओं का लाभ जरूरतमंदो को उपलब्ध कराना।

अपराधिक गतिविधियों पर पूर्ण नियंत्रण के लिए शासन और प्रशासन पर समूचित और सकारात्मक पहल करना। झरिया के मकानों और जमीनों को मालगुजारी रसीद को पुनः कटवाने के लिए सरकार के स्तर पर वार्ता कर समाधान करवाना। झरिया विधान सभा अंतर्गत २७ पंचायतो को धनबाद नगर निगम से बाहर करने की पहल करना। दुनिया की सबसे बड़ी पार्टी भाजपा के २५ वर्ष पूर्ण होने पर २५ बड़े संकल्प और भगवान बिरसा मुंडा जी की १५० जयंती की थीम पर १५० संकल्पों का ऐलान किया है। संकल्प पत्र के माध्यम से भाजपा ने झारखंड के महिलाओं, किसानों, युवाओं, आदिवासियों और पिछड़ों को सौगात देने का ऐलान किया है। कई स्थानीय समस्याओं को निवारण करने की मनसा और सब का साथ, सबका विकास करने वाली देश की एकमात्र पार्टी भाजपा ही है। संकल्प पत्र जारी करने के दौरान कई भाजपा नेता और कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

डबल इंजन की सरकार में होगा विकास : सिंह

झरिया (ससे) : झरिया से भाजपा प्रत्याशी रागिनी सिंह के लिए प्रचार करने उनकी बड़ी बेटी शताक्षी उर्फ साक्षी घरघर जाकर प्रचार कर रही हैं। वहीं प्रत्याशी के पक्ष में उनकी सास सह पूर्व विधायक कुंती देवी, ननद किरण सिंह, देवर सिद्धार्थ गौतम भी चुनाव प्रचार में जुटे हुए हैं। दूसरी ओर भाजपा प्रत्याशी रागिनी सिंह दिनसत प्रचार में लगी हुई हैं। लोगों से मिलकर भाजपा के पक्ष मतदान करने की अपील कर रही है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी देश के लिए बहुत बड़े वरदान है। जब से देश में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अगुवाई में सरकार बनी है देश तेज गति से तरक्की कर रहा है। मोदी जो कहते हैं वो उसे पूरा करते हैं भाजपा की डबल इंजन की सरकार में विकास का इतिहास बनेगा।

प्रत्याशी के पक्ष में उनकी बड़ी बेटी शताक्षी उर्फ साक्षी हर कदम पर उनका साथ निभा कड़ी मेहनत कर रही है। अपनी मां के लिए वोट मांगने को लेकर लोगों के घरघर पहुंच उनके पक्ष में मतदान करने की अपील कर रही है। एक ओर देवर सिद्धार्थ गौतम भी विधानसभा में कड़ी मेहनत कर पसीना बहा रहे हैं। मतदाताओं से समर्थन मांगने के लिए दिन रात एक किए हुए है वही उनकी सास सह पूर्व विधायक कुंती भी बखूबी अपनी जिम्मेवारी निभाने में कोई कसर नहीं छोड़ रही है। साथ ही साथ उनकी बड़ी ननद किरण सिंह भी उनके प्रचार प्रसार में लगी हुई है।

जोगता बस्ती के पास बना गोफ, लोगों में दहशत

कतरास (ससे) : जोगता ११ नंबर बस्ती से करीब २५ मीटर की दूरी पर सोमवार की अहले सुबह तेज आवाज के साथ जमीन में गोफ बन गया। गोफ स्थल के नीचे आग धधक रही थी और उससे गैस व काला धुआं निकलना शुरू हो गया। देखते ही देखते पूरी बस्ती में धुआं फैल गयी, जिससे लोगों में अफरातफरी मच गई। लोग जोर-जोर से चिल्लाने लग।. धीरेधीरे धुआं कम होने पर लोगों को पता चला कि साइडिंग के रास्ते से कुछ दूरी पर गोफ बना है। इसके बाद गोफ स्थल के पास ग्रामीणों की भीड़ जुट गई। लोग डरेसहमे दिख रहे थे। गोफ करीब २५ फीट की परिधि में बना है। घटना की सूचना कनकनी कोलियरी प्रबंधन को दूरभाष पर दी गई।

ज्ञात हो कि बीसीसीएल प्रबंधन उक्त बस्ती को पहले ही असुरक्षित घोषित कर दिया है। ग्रामीणों ने बताया कि एक माह पहले भी उक्त स्थल के बगल में गोफ बना था, जिसे प्रबंधन ने ओबी मंगाकर भराई कराई थी। बस्ती में १४ अगस्त और ८ अक्टूबर २०२३ को भी गोफ बना था। १४ अगस्त २०२३ को बने गोफ में बस्ती निवासी श्याम बहादुर व उनके दो पुत्र समा गए थे। आसपड़ोस के लोगों ने काफी मशक्कत के बाद तीनों की जान बचाई थी। घटना में उनके घर की करीब दो लाख रुपए की संपत्ति नष्ट हुई थी, वहीं आठ अक्टूबर २०२३ को तीन घर जमींदोज हो गए थे और आधा दर्जन घरों में दरारें पड़ गई थी।

झामुमोकांग्रेस सरकार की विदाई तय : मनीष सिंह

धनबाद (कासं) : भारतीय जनता युवा मोर्चा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष एवं भाजयुमो झारखंड चुनाव के सह प्रभारी मनीष सिंह ने झरिया विधानसभा के लोदना मोड़ के पास परिवर्तन चौपाल के माध्यम से जनता से रूबरू होकर भ्रष्ट और जनविरोधी झामुमोकांग्रेस की पोल खोली।

श्री सिंह ने कार्यकर्ताओं से आग्रह किया कि सभी मंडलों में जनता चौपाल के माध्यम से भ्रष्ट वर्तमान सरकार को उखाड़ फेंकने के लिए देवतुल्य जनता से आग्रह करें। झारखंड शिक्षा और रोजगार को तरस रहा है। लेकिन हेमंत सरकार गरीब जनता की जमीन को लूट रही है।

जिला अध्यक्ष नित्यानंद मंडल ने कहा कि झारखंड चुनाव प्रचारप्रसार के दौरान जनता द्वारा मिल रहे जनसमर्थन से स्पष्ट है कि झारखंड की महान जनता दलित, आदिवासी और युवा विरोधी झामुमोकांग्रेस सरकार को उखाड़ फेंकने और भारतीय जनता पार्टी के नेतृत्व में सुशासन का कमल खिलाने को तैयार है। बैठक में प्रदेश महामंत्री रूपेश सिन्हा, जिला महामंत्री तमाल दादा, प्रदेश मंत्री राजीव कुमार, सुभम बनर्जी, रिंकू पटेल, पिंटू झा, पुष्परंजन राय, दिनेश रवानी, साकेत श्रीवास्तव आदि कार्यकर्ता मौजूद रहे।

बिजली बिल पर उपभोक्ताओं ने जताई नाराजगी

धनबाद (कासं) : अनापशनाप बिजली बिल आने से धनबाद जिले के उपभोक्ता खासे परेशान है। आज अपनी नाराजगी व्यक्त करने बिजली विभाग के हीरा-पुर दफ्तर पहुंच गए। उपभोक्ताओं में इस बात को लेकर नाराजगी थी कि मीटर रीडिंग लेने कोई कर्मचारी उनके

घर नहीं आ रहे हैं और अब एवरेज बिल के नाम पर अनाप-शनाप बिल भेज दे रही है। उपभोक्ताओं का कहना है कि उन्हें बिजली बिल में सुधार को लेकर खासी मशक्कत करनी पड़ रही है।

हीरापुर क्षेत्र के ऐसे कई उपभोक्ताओं के साथ यही परेशानी बनी हुई है। उम्मीद से ज्यादा बिजली बिल आने को लेकर इनमे नाराजगी बनी हुई है। उपभोक्ताओं का कहना है कि झारखण्ड बिजली इवितरण निगम लिमिटेड ने उपभोक्ताओं के द्वारा किए जा रहे बिजली के उपयोग की निगरानी के लिए नए मीटर तो लगा दिए है। लेकिन विभाग नियमित रूप से मीटर की रीडिंग नहीं करा पा रहा है। आऊटसोर्सिंग एजेंसी के तहत नियुक्त कर्मचारी कई-कई महीने से मीटर की रीडिंग ही नहीं कर रहे है। कोई उपभोक्ता अगर महीने या पखवाड़े भर घर से बाहर रहते है तो भी एवरेज बिल के नाम पर उम्मीद से ज्यादा बिजली बिल भेजा जा रहा है। उपभोक्ताओं के हंगामे के बाद विभाग द्वारा उनसे शिकायते लिखित रूप में मांगी गई। बताया गया कि आवेदन के बाद कार्रवाई करते हुए त्रुटि को दूर किया जायेगा।

केन्दुआ में भाजपा कार्यालय का उद्घाटन

केन्दुआ (ससे) : झारखंड विधानसभा चुनाव को लेकर सोमवार को केन्दुआ बाजार बाटा दुकान के समीप भाजपा चुनाव कार्यलय का उद्धाटन भाजपा प्रत्याशी विधायक राज सिन्हा ने किया। जनसंपर्क के दौरान राज सिन्हा को जनता का आपार समर्थन मिल रहा है। जगहजगह राज सिन्हा को माला पहनाकर और मीठा खिलाकर लोग भारी मतों से जीत का आशीर्वाद दे रहे हैं। राज सिन्हा ने कहा कि जनता जनार्दन का मिल रहा आशीर्वाद। उन्होंने कहा कि जनसंपर्क के दौरान जिस जिस क्षेत्र में जा रहा हूं। उस क्षेत्र के माता बहने और युवा वर्ग में भाजपा के प्रति काफी उत्साह देख रहा हूं। मौके पर नवीन वर्मा, श्याम गुप्ता, शशि सिंह, महेंद्र वर्णवाल, भगीरथ रवानी, मेघनाथ वर्मा, अभिषेक राज राय, सचिन पासवान, राहुल गुप्ता, राजा चौरसिया, विक्की रवानी, सुनील वर्मा, मनीष पाण्डेय, तेज बहादुर सिंह, सागर रवानी, नीतू सिंह, मनोज पासवान, अमित वर्मा, रवि रवानी, राजू पाण्डेय, रवि मंडल, अवधेश पंडित सहित दर्जनों भाजपाई उपस्थित थे।

डीसी व एसएसपी ने किया संवेदनशील बूथों का निरीक्षण

तोपचांची (कासं) : विधानसभा चुनाव को शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न कराने के उद्देश्य से जिला प्रशासन ने सुरक्षा व्यवस्था को सुदृढ़ करने के प्रयास तेज कर दिए हैं। इसी क्रम में जिला निर्वाचन पदाधिकारी माधवी मिश्रा और वरीय पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) एचपी जनार्दनन ने तोपचांची क्षेत्र के क्रिटिकल बूथों का निरीक्षण किया। इस निरीक्षण के दौरान उन्होंने मध्य विद्यालय धाजाटांड़ गणेशपुर के बूथ नंबर २१७ और खामडीह स्थित बूथ नंबर २१८ का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान जिला निर्वाचन पदाधिकारी माधवी मिश्रा ने मतदान केंद्रों पर आवश्यक सुरक्षा व्यवस्था की बारीकी से समीक्षा की और चुनाव को शांतिपूर्ण माहौल में संपन्न कराने के लिए सभी

आवश्यक निर्देश जारी किए। एसएसपी जनार्दनन ने पुलिस कर्मियों को संवेदनशील बूथ वाले क्षेत्रों में कानून व्यवस्था बनाए रखने के साथ उपद्रवियों के खिलाफ निरोधात्मक कार्रवाई करने के निर्देश दिए। इस मौके पर बाघमारा के एसडीपीओ पुरुषोत्तम कुमार सिंह, संबंधित थाना प्रभारी सहित कई अन्य अधिकारी और पुलिसकर्मी भी उपस्थित रहे।

मुनीडीह व पुटकी में राज सिन्हा का चुनावी दौरा

कपुरिया (ससे) : भाजपा प्रत्याशी राज सिन्हा ने सोमवार को मुनीडीह, पुटकी एवं भागाबांध का चुनाव कार्यालय का उद्घाटन फीता काटकर किया। इसके पश्चात विधायक श्री सिन्हा ने विभिन्न क्षेत्रों का तूफानी दौरा कर लोगों से भाजपा के पक्ष में मतदान की अपील की।

मौके पर श्री सिन्हा ने कहा कि भाजपा के सरकार बनते ही हर महीने के ११ तारीख को गोगो दीदी योजना के तहत हर माता बहन के खाते में २१ सौ रुपया, ५ सौ में सिलेंडर, साल में दो सिलेंडर फ्री, बेरोजगारों को रोजगार, बेरोजगारी भत्ता व अन्य मुहैया कराया जाएगा। मौके पर पुटकी खंड प्रभारी सुप्रभात कुमार, मुनीडीह खंड प्रभारी विकाश मिश्रा के अलावा संजय महतो, छोटू दास, योगेंद्र दास (तीनों पूर्व मुखिया), रवि सिन्हा, बिष्णु सिंह, उदय सिंह, बिनोद सिंह, मनोज सिंह, रमेश सिंह, विकास चौधरी, मुकुटधारी सिंह चौधरी, अखलेश सिंह, प्रीतम सिंह, अमित मोदक, रामकेष गुप्ता, रमण साव, राहुल सिंह व अन्य मौजूद थे।

महिलाओं ने तारा देवी को चुनरी ओढ़ाकर किया सम्मानित

सिन्दरी (ससे) : सिंदरी विधानसभा क्षेत्र के एनडीए प्रत्याशी तारा देवी ने शनिवार को रांगामाटी आईएम टाईप कॉलोनी स्थित मार्शल क्लब, मानव क्लब द्वारा आयोजित काली पूजा पंडाल में पहुंचकर मां काली के समक्ष माथा टेका और आरती की। अपनी सफलता के लिए आम जनों से आशीर्वाद मांगा। इस अवसर पर पूजा समिति के सदस्यों एवं आसपास से आई महिलाओं ने एनडीए प्रत्याशी तारा देवी को चुनरी ओढ़ाकर सम्मानित किया। उन्होंने सभी उपस्थित भाई बहनों से अगामी चुनाव के लिए समर्थन के लिए अपिल की। उनके साथ भाजपा कार्यकर्ताओं का जनसंपर्क में साथ बना रहा । तारा देवी ने सिन्दरी के आस पास के क्षेत्रो में जनसंपर्क कर जनता से संवाद किया एवं क्षेत्र की प्रगति के लिए सहयोग की अपिल की।

युवती के साथ छेड़खानी पुलिस में शिकायत

धनबाद (कासं) : कालूबथान ओपी क्षेत्र की एक युवती के साथ छेड़खानी करने के आरोपी रमजान अंसारी को ग्रामीणों ने पेड़ में बांधकर जमकर पिटाई की। पुलिस उसे छुड़ाकर ओपी ले गई। बताया गया कि युवती शौच के लिए गई थी। तभी खोखरा पहाड़ी गांव निवासी रमजान अंसारी ने उसके साथ छेड़खानी की और दुष्कर्म का भी प्रयास किया। गुस्साए ग्रामीणों ने युवक को पकड़ लिया और पेड़ में बांधकर पिटाई कर दी. सूचना पाकर पुलिस गांव पहुंची और युवक को ग्रामीणों के चंगुल से छुड़ाकर ओपी ले गई। बताया गया कि पीड़िता काली पूजा अपने मायके आई थीं। पीड़िता ने रमजान अंसारी के खिलाफ कालूबथान ओपी में लिखित शिकायत दी है। ओपी प्रभारी नितिश कुमार मिश्रा ने बताया कि घटना की शिकायत मिली है। युवक से पूछताछ की जा रही है। दोषी पाए जाने पर पुलिस उसके खिलाफ कड़ी कार्रवाई करेगी।

गायत्री परिवार ने बांटे कद्दू

धनबाद (कासं) : सोमवार को छठ व्रत के शुभ अवसर पर नहाए खाए के पूर्व संध्या पर झरिया नगर गायत्री परिवार के द्वारा पंचदेव मंदिर, झरिया पर १० क्विंटल कद्दू वितरण किया गया। यह कार्यक्रम विगत १० वर्षों से झरिया नगर गायत्री परिवार के द्वारा चल रहा है। साथ ही छठ तालाब पर अखंड ज्योति पुस्तक, मंत्र लेखन तथा हवन सामग्री निशुल्क वितरण किया जाएगा। इस पवित्र कार्य में जिला संयोजक विभूति शरण सिंह, जिला मीडिया प्रभारी भूपेंद्र शर्मा, झरिया नगर गायत्री परिवार के झरिया नगर प्रभारी प्रवीण केसरी, लक्ष्मण साहू, महेश गुप्ता, रविंद्र जी, राम राम श्रेष्ठ झा, रामाश्रय गुप्ता, संतोष शर्मा, पंकज केसरी, पंकज केजरीवाल, गरिमा शर्मा, पिंकी केसरी, प्रेमलता देवी आदि भाइयों बहनों का सराहनीय योगदान रहा।

लोन दिलाने के नाम पर 10.70 लाख की ठगी, जांच में जुटी पुलिस

झरिया (ससे) : माइक्रो फाइनेंस कंपनियों से लोन दिलाने के बहाने महिला और पुरुष समूह से १० लाख ७० हजार रुपये की ठगी का मामला सामने आया है। इस संबंध में पीड़ित महिलाओं ने २८ अक्तूबर को झरिया थाना में ऑनलाइन शिकायत दर्ज कराई है। पुलिस मामले की जांच में जुटी है।

झरिया के इंदिरा चौक की निवासी रीना देवी ने शिकायत में बताया कि समूह की लीडर सुनीता मिश्रा, रविशंकर मिश्रा, छोटू मिश्रा, रंजीत मिश्रा, प्रभावती मिश्रा, और मदन साव ने मिलकर माइक्रो फाइनेंस कंपनी से १० लाख ७० हजार रुपये का लोन उठाने के लिए समूह के लोगों का कागजात इकट्ठा किया। आरोपियों ने कहा कि लोन का फायदा सभी को मिलेगा, परंतु बाद में उन्हें पता चला कि लोन की राशि का उपयोग समूह के किसी सदस्य को नहीं दिया गया, बल्कि आरोपियों ने इसे अपने लाभ के लिए उठा लिया।

पीड़ितों को छह महीने बाद इस ठगी की जानकारी हुई, जब फाइनेंस कंपनी ने उनके नाम पर लोन की सूचना दी। जैसे ही ठगे गए लोगों को इस घटना का पता चला, उन्होंने आरोपियों का विरोध किया। इस पर आरोपियों ने कथित रूप से झरिया स्थित अपना घर बेचकर भागने की योजना बनाई। जब पीड़ितों को यह बात पता चला तो उन्होंने हंगामा कर आरोपियों को रोकने का प्रयास किया। हालांकि, तीन आरोपी मौके से फरार होने में सफल रहे।

ठगी का शिकार बनने वालों में आदित्य पासवान१.५० लाख, सोमेश भुईयां१.५० लाख, मीना देवी५० हजार, सविता देवी-५० हजार, सोनी देवी१ लाख, रजनी भुईयां-३ लाख, नीलम देवी-२० हजार, तेतरी देवी-२५० आदि के नाम शामिल है।

झरिया इंस्पेक्टर सह थानेदार शशि रंजन कुमार ने इस मामले में बताया कि अब तक उन्हें कोई लिखित शिकायत प्राप्त नहीं हुई है। उन्होंने कहा कि अगर शिकायत प्राप्त होती है तो पुलिस आवश्यक कानूनी कार्रवाई करेगी। ठगी का शिकार हुए लोगों ने पुलिस से त्वरित कार्रवाई की मांग की है और आरोपियों के खिलाफ सख्त कदम उठाने की गुहार लगाई है।

संपादकीय

उप्र उप-चुनाव को मायावती ने पेचीदा बनाया

उत्तर प्रदेश (यू.पी.) में एक दिलचस्प और पेचीदा परिदृश्य सामने आ रहा है, क्योंकि मायावती 13 नवम्बर को आगामी उपचुनाव में सभी 9 विधानसभा सीटों पर चुनाव लड़ने के लिए बहुजन समाज पार्टी (बसपा) का नेतृत्व कर रही हैं। हाल ही में हुए लोकसभा चुनावों में बसपा एक भी सीट नहीं जीत पाई थी और इसके मूल दलित वोटों के अन्य दलों की ओर जाने की प्रतिक्रिया के बाद, अब बसपा सुप्रीमो मायावती जड़ों की ओर लौटने और पार्टी की बहुजन रणनीति को फिर से तैयार करने की कोशिश कर रही हैं और वह एक बार फिर भाजपा और कांग्रेस को दलितों का दुश्मन करार देते हुए, मायावती ने 29 अक्तूबर, 2024 को कहा कि दोनों पार्टियां दलितों की हितैषी होने की आड़ में आरक्षण को अप्रभावी बनाने की साजिश में शामिल हैं।

चार बार उत्तर प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री ने सोशल मीडिया पर हरियाणा में भाजपा सरकार और तेलंगाना और कर्नाटक में कांग्रेस सरकारों द्वारा लागू दलितों के लिए उप-आरक्षण की नई प्रणाली पर इक्षचता व्यक्त की। हालांकि, पार्टी के सामने चुनौती सिर्फ ब्राह्मण, मुस्लिम और गैर-यादव पिछड़े वर्ग के वोटों को वापस जीतने की नहीं है, जिसकी रणनीति ने 2007 में उसे सत्ता में पहुंचाया था, बल्कि करीब 21 फीसदी दलित वोटों को भी वापस जीतने की है, जिसमें 12 फीसदी जाटव हैं, जो मायावती की जाति है।

सपा-कांग्रेस ने हैरान किया ~ आगामी उप-चुनावों में न लड़ने और सभी सीटें सहयोगी समाजवादी पार्टी के लिए छोड़ने के कांग्रेस के फैसले ने न सिर्फ बाहरी लोगों को, बल्कि संगठन के भीतर भी कई लोगों को हैरान कर दिया है। माना

जा रहा है कि कांग्रेस ऐसा करने की अनिच्छुक है और उसे लगता है कि उत्तर प्रदेश में समाजवादी पार्टी को बढ़त देकर वह महाराष्ट्र में सीटें देने के खिलाफ तर्क दे सकती है, खासकर तब, जब उसने लोकसभा चुनाव में वहां अच्छा प्रदर्शन किया था और 13 सीटें जीतकर सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी थी। दूसरी ओर, सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने जोर देकर कहा कि गठबंधन सीटों के बंटवारे के गणित पर नहीं, बल्कि यू.पी. विधानसभा में भाजपा की बड़ी बढ़त को कम करने की अनिवार्यता पर आधारित है। सपा नेता ने कहा कि युवाओं को नौकरी नहीं मिल रही, आरक्षण व्यवस्था से छेड़छाड़ की जा रही है और संविधान को कमजोर किया जा रहा है।

सी. जोसेफ विजय की एंट्री ~ तमिल अभिनेता से नेता बने सी. जोसेफ विजय ने 27 अक्तूबर, 2024 को तमिलनाडु के विल्लुपुरम जिले में एक मैगा रैली में अपनी पार्टी तमिलगा वेट्री कझगम (टी.वी.के.) लॉन्च की थी, जो अगला विधानसभा चुनाव लड़ने की स्पष्ट कोशिश थी। टी.वी.के. कॉन्क्लेव को संबोधित करते हुए, विजय ने भाजपा के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार और द्रमुक के नेतृत्व वाली राज्य सरकार दोनों पर निशाना साधा, अपनी पार्टी की जाति-विरोधी, धर्मनिरपेक्ष विचारधारा का संकेत देते हुए कहा कि 'द्रविड़म और राष्ट्रवाद हमारी विचारधारा की दो आंखें हैं'। उन्होंने कहा कि उनकी पार्टी पेरियार जैसे तमिल प्रतीकों की विचारधारा को अपनाएगी, लेकिन 'ईश्वर-विरोधी स्थिति' के बिना। विजय का राजनीतिक पदार्पण ऐसे समय में हुआ है जब प्रसिद्ध मंदिरों वाले राज्य तमिलनाडु में धार्मिक भावनाओं में पुनरुत्थान देखा जा रहा है।

'आप' के खिलाफ रिट ~ दिल्ली के भाजपा सांसदों ने एक कदम आगे बढ़ाते हुए आयुष्मान भारत स्वास्थ्य बीमा योजना में शामिल न होने के लिए 'आप' सरकार के खिलाफ दिल्ली उच्च न्यायालय में एक रिट याचिका दायर की। बुधवार को एक प्रैस कॉन्फ्रैंस को संबोधित करते हुए, दिल्ली भाजपा अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने केंद्र की योजना से लाखों पात्र लोगों को वंचित करने के लिए 'आप' और इसके राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल की आलोचना की।

जबकि पी.एम. मोदी ने मंगलवार को इस योजना को लागू न करने के लिए दिल्ली और पश्चिम बंगाल सरकार की आलोचना की थी, जिससे भाजपा और 'आप' के बीच जुबानी जंग शुरू हो गई थी। हालांकि, 'आप' के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल और उनकी पार्टी के सहयोगियों ने आरोप लगाया कि आयुष्मान भारत योजना भ्रष्टाचार से भरी हुई है। उन्होंने इसकी तुलना दिल्ली की स्वास्थ्य सेवा व्यवस्था से की, जो मरीजों को निजी अस्पतालों में इलाज कराने के लिए सार्वजनिक धन भी देती है।

हिंदी-चीनी भाई-भाई का नारा कितना टिकाऊ?

हरि जयसिंह

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग के बीच 2020 तक घनिष्ठ संबंध रहे। उनकी दोस्ती का उदाहरण 2014 से 2019 के बीच उनकी आमने-सामने की 18 मुलाकातों से मिलता है, जिसमें वुहान और मामल्लापुरम भी शामिल हैं। हालांकि, 2020 में भारतीय और चीनी सैनिकों के बीच सीमा पर झड़पों के बाद दोनों देशों के बीच संबंध खराब हो गए। कथित तौर पर चीन ने 1000 वर्ग किलोमीटर भारतीय क्षेत्र पर कब्जा कर लिया, एक ऐसा दावा, जिसका नई दिल्ली ने जोरदार खंडन किया है। इन घातक झड़पों के कारण क्षेत्र में एक बड़ा भू-राजनीतिक बदलाव आया, जिससे उनकी विवादित हिमालयी सीमा पर सैन्य तैनाती तेज हो गई और द्विपक्षीय संबंध प्रभावित हुए। इसके परिणामस्वरूप चीन ने पाकिस्तान को सैन्य सहायता बढ़ा दी और भारत ने चीनी निवेश पर प्रतिबंध कड़े कर दिए और साथ ही अमरीका तथा उसके सहयोगियों के साथ अपने रक्षा गठबंधनों को बढ़ाया। हाल ही में मोदी ने कजान में 16वें ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में चीन के राष्ट्रपति से मुलाकात के दौरान 2020 से पहले की स्थिति पर लौटने के लिए एक समझौते पर हस्ताक्षर किए। 2020 के बाद से दोनों नेताओं के बीच यह पहली मुलाकात थी, जिन्होंने स्थिर, पूर्वानुमानित और सौहार्दपूर्ण संबंधों को बनाए रखने के लिए प्रतिबद्धता जताई। तनाव में यह कमी आर्थिक सहयोग की दिशा में प्राथमिकताओं में एक महत्वपूर्ण बदलाव को दर्शाती है, जो भारत की अपने विनिर्माण क्षेत्र को बढ़ावा देने के लिए चीनी प्रौद्योगिकी और निवेश की आवश्यकता और आर्थिक मंदी और व्यापार बाधाओं के बीच बाजार तक पहुंच की चीन की आवश्यकता से प्रेरित है। यह विकास क्षेत्रीय सैन्य संतुलन को भी प्रभावित करता है और भारत तथा चीन के बीच पर्याप्त आर्थिक एकीकरण की संभावना को खोलता है। ब्लूमबर्ग न्यूज के अनुसार, भारत ने कार्पोरेट दबाव के चलते सुलह का विकल्प चुना, यह स्वीकार करते हुए कि चीन के प्रति उसका कठोर दृष्टिकोण भारतीय व्यवसायों को नुकसान पहुंचा रहा है और सैमीकंडक्टर सहित उच्च-स्तरीय विनिर्माण को बढ़ावा देने के मोदी के उद्देश्य में बाधा डाल रहा है। भारत के मुख्य आर्थिक सलाहकार वी. अनंथा नागेश्वरन ने अपनी विनिर्माण आकांक्षाओं को पूरा करने के लिए चीनी कंपनियों को शामिल करने की आवश्यकता पर प्रकाश डाला है। उन्होंने सुझाव दिया कि भारत चीन की आपूर्ति शृंखला में शामिल हो सकता है या अपने वैश्विक निर्यात को बढ़ाने के लिए चीन से प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफ.डी.आई.) को प्रोत्साहित कर सकता है। साथ ही, राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकारों ने चीनी निवेशों के प्रति अधिक उदार रुख अपनाने की सिफारिश की, जो तत्काल सुरक्षा खतरे पैदा नहीं करते। इस युद्धविराम समझौते का उद्देश्य 2020 से पहले की सीमा स्थिति को बहाल करना और विश्वास का निर्माण करना है, और आगे की वापसी उस विश्वास पर निर्भर करेगी, जबकि क्षेत्र में युद्धविराम आर्थिक और भू-राजनीतिक स्थिति में संभावित बदलाव का संकेत देता है, जो संशोधित गश्ती अधिकारों के माध्यम से सीमा गतिरोध को हल करने के समझौते द्वारा चिह्नित है।

आज का कार्टून

यूपी उपचुनाव सपा के लिए अग्नि परीक्षा से कम नहीं

यूपी उपचुनाव समाजवादी पार्टी के लिए किसी अग्नि परीक्षा से कम नहीं है, क्योंकि उसकी सहयोगी कांग्रेस रणछोड़ साबित हुई है। वह सपा के साथ है, क्योंकि तस्वीरों में दिख रही है, बयानों में झलक रही है, लेकिन वह दिल से सपा के साथ नहीं है, क्योंकि यूपी उपचुनाव की 9 सीटों में से सपा द्वारा ऑफर की हुई महज 2-3 सीटें लड़ना कांग्रेस को गंवारा नहीं था। शायद इसलिए कि उसके नेता राहुल गांधी के पास राजनैतिक विरासत और सियासी महत्वाकांक्षा की वह अचल पूंजी है, जो पूरी यूपी जीतकर भी अखिलेश यादव और उनकी समाजवादी पार्टी हासिलनहीं कर सकती, और ऐसा करना भी उसके लिए असंभव है। यह सपा की रणनीतिक खामियों का ही तकाजा है कि वह यूपी की चौखट से बाहर अपने पांव नहीं जमा पाई और यहां पर भी उसकी कोई जीत स्थायी नहीं रह पाई। वह इस बात को भी समझने के लिए तैयार नहीं है कि सूबाई राजनीति में बसपा और राष्ट्रीय राजनीति में कांग्रेस के बिना उसका कोई वजूद नहीं समझा जाएगा, भले ही वह देश की तीसरी बड़ी पार्टी क्यों नहीं बन गई हो। भाजपा से वह सियासी सम्बन्ध बना नहीं सकती, क्योंकि उसका एमवाई समीकरण टूट जाएगा।

कमलेश पांडे

अभी वह जिस पीडीए (पिछड़ा-दलित-अल्पसंख्यक) का दम्भ भर रही है, वह तभी तक सार्थक प्रतीत होगा, जबतक कि कांग्रेस का वरदहस्त उसके ऊपर रहेगा। उसे यह सोचना चाहिए कि उसके बाद अस्तित्व में आई आम आदमी पार्टी की दो राज्यों में सरकार है, जबकि यूपी की सत्ता में कई बार आकर भी वह आज बेदखल है। वह समाजवादी मूल की राष्ट्रीय व प्रादेशिक धड़ों को आजतक एकजुट नहीं कर पाई है, जिससे कांग्रेस से दो टूक बातचीत करने लायक बने।

बहुत कम लोगों को पता होगा कि लोकसभा चुनाव के बाद सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने अपनी सहयोगी कांग्रेस के नेताओं से ऑफ द रिकॉर्ड कहा था कि आप धन्यवाद यात्रा अविलंब रोक दें, क्योंकि यूपी के कांग्रेस प्रभारी अविनाश पांडेय और प्रदेश अध्यक्ष आज राय के नेतृत्व में लोकसभा प्रत्याशियों द्वारा चालू की उस यात्रा में सवर्ण ज्यादा सक्रिय थे, ओबीसी-दलित-अल्पसंख्यक कम, जबकि वहीं गठबंधन के मुख्य वोटर रहे हैं।

गौर करने वाली बात यह है कि अखिलेश यादव व उनके समर्थकों ने तब दबी जुबान में कहा था कि सवर्णों ने उन्हें वोट नहीं दिया है। यह बात कांग्रेस नेताओं को नागवार गुजरी थी, क्योंकि भाजपा की ओबीसी राजनीति से निराश सवर्णों ने कांग्रेस के नेतृत्व वाले इंडिया गठबंधन को रणनीतिक रूप से थोक भाव में वोट दिया था। हां, इस समझदार वर्ग ने कांग्रेस गठबंधन के उन नेताओं को वोट नहीं दिया, जो अल्पसंख्यक, दलित और ओबीसी राजनीति के लिए स्थानीय तौर पर बदनाम हैं और सवर्ण विरोधी राजनीति करते हैं। वहीं, यूपी के ओबीसी, दलित और अल्पसंख्यक मतदाताओं ने कांग्रेस और सपा के सवर्ण नेताओं का साथ नहीं दिया। अन्यथा कांग्रेस के सवर्ण नेता व सपा के सवर्ण नेता हारते नहीं। इसी वजह से यूपी में कांग्रेस-सपा गठबंधन को अपेक्षित सफलता नहीं मिली। फिर भी योगी की भाजपा के मुकाबले सपा-कांग्रेस गठबंधन का लगभग आधा सीट यानी 40 से ज्यादा जीत लेना किसी चमत्कार से कम नहीं था। इसलिए अखिलेश यादव में भी राजनीतिक घमंड पुनः आ गया। बता दें कि इसी राजनीतिक घमंड के चलते तो उनके पिता और पूर्व मुख्यमंत्री मुलायम सिंह यादव, जो सपा के संस्थापक थे, का राजनीतिक पतन हुआ था। उनके पुत्र अखिलेश यादव को 2012-17 तक यूपी का मुख्यमंत्री बनने का सौभाग्य मिला था, लेकिन सत्तागत घमंड और पारिवारिक अंतर्कलह से न तो 2017 में उनकी पुनर्वापसी हो सकी और न ही 2022 को वो जीत पाए। 2014 और 2019 के लोकसभा चुनाव में भी उनका प्रदर्शन ठीक नहीं रहा। राजनीतिक विश्लेषक बताते हैं कि 2022 के विधानसभा चुनाव में भी सपा ने कांग्रेस से गठबंधन कर लिया होता तो आज उसी तरह से सत्ता में होती, जैसे कि लोकसभा चुनाव 2024 में सफल हुई। लेकिन अब फिर यूपी उपचुनाव 2024 में अखिलेश यादव ने यूपी में कांग्रेस को कमतर आंकने की कोशिश की है, जो उन पर भारी पड़ेगी। कांग्रेस सूत्र बताते हैं कि अखिलेश यादव यदि कांग्रेस प्लस इंडिया गठबंधन के प्रति सहज होते तो कांग्रेस उन्हें महत्व देती, लेकिन उनकी वजह से कांग्रेस न तो बसपा को जोड़ पाई और न ही रालोद उनके साथ जुड़ा रहा। इसलिए 2024 में पार्टी की बनी बनाई बिखर गई। यूपी-बिहार में

उसे अपेक्षित सफलता नहीं मिली। यही वजह है कि कांग्रेस ने सपा को उन्हें मध्यप्रदेश से लेकर हरियाणा तक नजरअंदाज किया। वहीं, यूपी में 9 में से 4-5 सीटें मांगकर और नहीं मिलने पर सियासी रूप से रणछोड़ की मुद्रा अख्तियार कर कांग्रेस के प्रदेश नेतृत्व ने उन्हें इस बात का संकेत दे दिया है कि यूपी उपचुनाव परिणाम 2024 ही तय करेगा कि 2027 का सत्ताधीश कौन होगा? और कांग्रेस लगभग 50 प्रतिशत सीटें मांगेगी या लोकसभा चुनाव 2024 की तरह विधानसभा चुनाव 2027 में भी जो सपा देगी, उसी से संतुष्ट रह जायेगी।

जानकार बता रहे हैं कि कांग्रेस को यदि यूपी-बिहार में जमना है तो सपा और राजद की हठधर्मिता से आगे घुटने नहीं टेकने होंगे, बल्कि इनसे आगे की ओर सोचना होगा! चूंकि कांग्रेस को लोग भाजपा के विकल्प के रूप में देखते और विचारते हैं, इसलिए राष्ट्रीय मुद्दों व क्षेत्रीय मुद्दों पर उसे अपने प्रगतिशील विचार रखने होंगे, जो कि अबतक नहीं रख पाई है। कड़वा सच यह भी है कि जवाहरलाल नेहरू और इन्दिरा गांधी के मुकाबले राजीव गांधी और राहुल गांधी पार्टी के कमजोर नेता इसलिए प्रतीत हुए, क्योंकि इनकी गलत नीतियों की वजह से ही क्षेत्रीय दल इन पर हावी हो गए। वहीं, पीवी नरसिम्हा राव से लेकर मनमोहन सिंह ने अपनी सत्ता के लिए कांग्रेस को जो पराधीन बनाने की भूल की, उससे भाजपा को एक मजबूत राजनीतिक जमीन मिल गई।

ऐसा इसलिए कि भारतीय मतदाता राष्ट्रवादी और प्रगतिशील सोच रखते हैं, जबकि क्षेत्रीय दल क्षुद्र जातीय व साम्प्रदायिक सोच-समीकरण, जिससे पहले कांग्रेस परेशान रही और अब भाजपा। भारत के चुनावी इतिहास की यह कड़वी हकीकत है कि जाति-धर्म-क्षेत्र आपको क्षणिक लाभ दे सकते हैं, लेकिन जब इनका आपसी टकराव बढ़ेगा तो यही आपको डुबो भी सकते हैं।

यह कौन नहीं जानता कि केंद्र की सत्ता तक पहुंचने वाली पहली गैर कांग्रेस पार्टी, जनता पार्टी (1977), जनता दल (1989), संयुक्त मोर्चा (1996) के उत्थान-पतन में जातीय, क्षेत्रीय और साम्प्रदायिक राजनीति की बड़ी भूमिका रही है। वहीं, कांग्रेस के लिए सुकून की बात यह है कि भाजपा उसकी ट्रू कॉपी बनती जा रही है, इसलिए देर-सबेर कांग्रेस केंद्रीय सता में लौटेगी ही। लेकिन अपनी मौजूदा सोच-समझ ने नहीं, क्योंकि इसी वजह से तो कांग्रेस पतनोन्मुख हुई। कांग्रेसी रणनीतिकारों की समझदारी अब इसी बात में है कि वह तुष्टीकरण की राजनीति छोड़कर समावेशी विकास हेतु सुव्यवस्था, जनता की सर्वकालिक सुरक्षा और रणनीतिक सहनशीलता को मुद्दा बनाकर भारतीय संविधान और नियम-कानूनों पर सर्जिकल स्ट्राइक करने की नीतिगत घोषणा करें, जिसकी शुरुआत राहुल गांधी ने यह कहकर कर दी है कि सत्ता में आये तो आरक्षण भी हटा सकते हैं। भारतीय संविधान और नियम-कानूनों पर सर्जिकल स्ट्राइक इसलिए भी जरूरी है, क्योंकि एक ओर जहां कुछ नियम-कानून पूंजीपतियों के हित में ज्यादा झुका दिए गए हैं, वहीं कुछ कानून ओबीसी, दलित, आदिवासी और अल्पसंख्यक वर्ग के हित में ज्यादा झुके हुए हैं। इससे समावेशी विकास की अवधारणा कुंद हो रही है। इससे देश को उबारने की जो कोशिश करेगा, वही देश में एक और मजबूत सियासी बदलाव का वाहक बनेगा। रही बात यूपी उपचुनाव की तो अखिलेश यादव और सपा की डगर इसलिए कठिन है कि योगी आदित्यनाथ अब उपमुख्यमंत्री के पी मौर्य की चाल समझ चुके हैं और उसकी काट के तौर पर अमित शाह से कोई समझौता करने के मूड में नहीं हैं, यह बात आरएसएस प्रमुख तक को बता चुके हैं। इससे पीएम मोदी भी सहमत हैं। टिकट वितरण में यह बात स्पष्ट दिखाई पड़ी है। भाजपा ने भी डीपीए यानी दलित, पिछड़ा और अगड़े की चाल चल दी है। इसलिए सवर्ण वोटर अब इंडिया गठबंधन से दूर रहेंगे। क्योंकि सपा ने टिकट वितरण में उन्हें तवज्जो नहीं दी है। कांग्रेस का नकारात्मक संदेश मीडिया के माध्यम से उनके पास पहुंच चुका है। इसलिए अब देखना है कि पीडीए के बल पर यूपी में सपा कितनी सियासी उछलकूद कर पाएगी, या फिर 27 का सत्ताधीश कांग्रेस के इशारे पर 2027 में भी थिरकने को मजबूर होगा। कांग्रेस आज भी सपा से ज्यादा बसपा को पसंद करती है, लेकिन मायावती की हठधर्मिता से वह सपा के साथ जाने को मजबूर हुई है। इसलिए यह मजबूरी का गठबंधन इससे ज्यादा मजबूत कभी नहीं होगा, यही सियासी हकीकत है। वहीं, बटेंगे तो कटेंगे जैसा योगी का नारा यूपी उपचुनाव पर पूरा असर डालेगा, ऐसा राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है। इसलिए सायकिल को पंचर करने में हाथ की कितनी भूमिका होगी, सवर्ण और अल्पसंख्यक मतदाताओं का मूड तय करेगा। क्योंकि पहलीबार बसपा भी मजबूती से उपचुनाव लड़ रही है, इसलिए दलित मतों का बिखराव तय है। इसके बिखरते ही साइकिल पंचर होगी और हाथ वाली पार्टी कांग्रेस को इसे बनाने को कहेगी। 2024 के लोकसभा चुनाव में भी तो यही हुआ था। बुआ-बबुआ को एक घाट पर पानी पिलाने में कांग्रेस पिछड़ गई और उसका हाथ मचक गया! इससे सियासी दर्द रह रह कर उसे महसूस होती है। पर दवा फिलहाल तो नदारत है।

राज ठाकरे के लिए चुनौती भरा है यह चुनाव

माहिम विधानसभा सीट से अपने बेटे को चुनाव मैदान में उतारकर राज ठाकरे ने एक नई शुरुआत की है। अमित ठाकरे का मुकाबला एकनाथ शिंदे की अगुवाई वाली शिवसेना के विधायक सदा सरवणकर और शिवसेना (यूबीटी) के महेश सावंत से है। राज ठाकरे के सामने बड़ी चुनौती अपनी पार्टी को जिंदा रखने के साथ ही अपने बेटे को राजनीति में स्थापित करने की भी है। शिवसेना (यूबीटी) का कहना है कि राज ठाकरे बीजेपी के नजदीक इसलिए गए हैं क्योंकि वह अपने बेटे का राजनीतिक करियर बनाना चाहते हैं।

पवन उप्रेती

महाराष्ट्र की राजनीति में कुछ ही दिनों में जबरदस्त चुनाव प्रचार शुरू होने वाला है। महायुति और महा विकास अघाड़ी (एमवीए) गठबंधन की आमने-सामने की जोरदार लड़ाई में छोटे राजनीतिक दल जैसे महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (एमएनएस) भी कुछ जगहों पर पूरे दमखम के साथ चुनाव लड़ रहे हैं। मनसे के प्रमुख राज ठाकरे के लिए महाराष्ट्र का यह विधानसभा चुनाव करो या मरो का चुनाव है। महाराष्ट्र के मुद्दों की राजनीति करने के लिए पहचाने जाने वाले राज ठाकरे को अपनी पार्टी को जिंदा रखना है क्योंकि पिछले कुछ चुनावों में मनसे का ग्राफ लगातार गिरा है।

महाराष्ट्र का यह विधानसभा चुनाव इसलिए बेहद जोरदार है क्योंकि राज्य में 6 बड़ी पार्टियां चुनाव लड़ रही हैं। ऐसे में बहुमत हासिल करने के लिए महायुति और एमवीए के बीच सियासी मैदान में जोरदार लड़ाई चल रही है। महाराष्ट्र में सरकार चला रहे महायुति गठबंधन में बीजेपी, एकनाथ शिंदे की शिवसेना और अजित पवार की एनसीपी शामिल है। जबकि विपक्षी एमवीए में शिवसेना (यूबीटी), एनसीपी (शरद पवार गुट) और कांग्रेस शामिल हैं। महाराष्ट्र के विधानसभा चुनाव में इस तरह की अटकलें लगाई जा रही थी कि मनसे का महायुति के साथ गठबंधन हो सकता है लेकिन अंत वक्त तक भी ऐसा नहीं हुआ। महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री और बीजेपी के नेता देवेंद्र फडणवीस ने कहा है कि मनसे महायुति महागठबंधन में शामिल नहीं होगी। फडणवीस ने कहा था कि लोकसभा चुनाव 2024 के दौरान मनसे ने बीजेपी का समर्थन किया था लेकिन विधानसभा चुनाव में उनकी राहें अलग हो गई हैं। फडणवीस ने राज ठाकरे को अपना दोस्त भी बताया लेकिन कहा कि इस चुनाव में मनसे के उम्मीदवार महायुति के उम्मीदवारों के खिलाफ चुनाव लड़ रहे हैं।

मराठी गौरव की बात करने वाले राज ठाकरे ने 2009 के विधानसभा चुनाव में पहली बार अपनी छाप तब छोड़ी थी जब अपने पहले ही चुनाव में मनसे ने विधानसभा की 13 सीटें जीत ली थी लेकिन इसके बाद के विधानसभा और लोकसभा चुनाव में मनसे का वोट प्रतिशत लगातार गिरता गया। 2019 के विधानसभा चुनाव में मनसे का सिर्फ एक विधायक ही चुनाव जीत सका था।

राज ठाकरे एक वक्त में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कट्टर समर्थक माने जाते थे लेकिन बाद में वह मोदी और बीजेपी के आलोचक बन गए। 2019 के लोकसभा चुनाव के दौरान तो राज ठाकरे ने कांग्रेस-एनसीपी गठबंधन के उम्मीदवारों के लिए रैलियां भी की थीं लेकिन कांग्रेस-एनसीपी को इसका कोई फायदा नहीं हुआ था। राज ठाकरे मराठी मानुष से आगे बढ़ते हुए हिंदुत्व की राजनीति के रास्ते तक पहुंचे हैं। पिछले कुछ सालों में उन्होंने महाराष्ट्र में मस्जिदों के सामने हनुमान चालीसा का आह्वान करने की अपील की थी। राज ठाकरे ने हिंदू समुदाय और अपनी पार्टी के नेताओं से कहा था कि वे हनुमान चालीसा बजाएं। राज ठाकरे शिवसेना प्रमुख बाला साहेब ठाकरे की राजनीतिक विरासत का उत्तराधिकारी बनना चाहते थे। इसीलिए जब शिवसेना की कमान उद्धव ठाकरे के हाथ में आई तो राज ठाकरे ने अपनी नई पार्टी महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना बना ली।

इस साल अगस्त में राज ठाकरे को इंफ्रास्ट्रक्चर लीजिंग एंड फाइनेंशियल सर्विसेज से जुड़ी मनी लॉन्ड्रिंग की जांच में प्रवर्तन निदेशालय की जांच का सामना करना पड़ा था। इसके बाद उन्होंने बीजेपी से नजदीकियां बढ़ाई, पार्टी के लिए प्रचार किया और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ मंच भी शेयर किया है। हाल ही में एक मराठी समाचार चैनल को दिए गए साक्षात्कार में ठाकरे ने कहा था कि शिवसेना के अलावा एकमात्र राजनीतिक दल जिसके साथ मेरा रिश्ता था वह बीजेपी है। राज ठाकरे की अपने चचेरे भाई और शिवसेना (यूबीटी) प्रमुख उद्धव ठाकरे से सियासी लड़ाई साफ नजर आती है। इस विधानसभा चुनाव में एक सवाल यह भी है कि राज ठाकरे के द्वारा चुनाव मैदान में उतरने से क्या उद्धव ठाकरे को मराठी वोटों को लेकर कुछ नुकसान हो सकता है? क्योंकि मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे की बगावत की वजह से भी शिवसेना को काफी राजनीतिक नुकसान हो चुका है। राज ठाकरे ने पिछले कुछ सालों में महाराष्ट्र में नाकों को टोल फ्री करने को लेकर आवाज उठाई थी। महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव से ठीक पहले जब एकनाथ शिंदे की सरकार ने इसका ऐलान किया तो इससे मनसे की छवि बदली है। टोल फीस हटाने की वकालत करने वाले लोगों के बीच मनसे की छवि आम आदमी के समर्थक वाली बनी थी।

माहिम विधानसभा सीट से अपने बेटे को चुनाव मैदान में उतारकर राज ठाकरे ने एक नई शुरुआत की है। अमित ठाकरे का मुकाबला एकनाथ शिंदे की अगुवाई वाली शिवसेना के विधायक सदा सरवणकर और शिवसेना (यूबीटी) के महेश सावंत से है। राज ठाकरे के सामने बड़ी चुनौती अपनी पार्टी को जिंदा रखने के साथ ही अपने बेटे को राजनीति में स्थापित करने की भी है। शिवसेना (यूबीटी) का कहना है कि राज ठाकरे बीजेपी के नजदीक इसलिए गए हैं क्योंकि वह अपने बेटे का राजनीतिक करियर बनाना चाहते हैं।

छठ पूजा पर होगा 12 हजार करोड़ का कारोबार

नई दिल्ली (ईएमएस): इस वर्ष छठ पूजा के चार दिनों में देश भर में लगभग १२ हजार करोड़ रुपये का कारोबार होने की संभावना है। देशभर में लगभग १५ करोड़ लोग छठ पूजा का त्योहार मनाएंगे।

यह अनुमान कॉन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) के राष्ट्रीय महामंत्री प्रवीण खंडेलवाल ने व्यक्त किए हैं। इस दौरान कपड़े, फल, फूल, सब्जी, साड़ियों एवं मिट्टी के चूल्हे सहित छोटे उत्पादों के व्यापार में बड़ा उछाल देखा जा रहा है। खंडेलवाल ने कहा कि ५ नवंबर को नहाय-खाय से शुरू होकर ८ नवम्बर तक चलने वाले चार दिवसीय छठ पूजा महोत्सव के दौरान बिहार एवं झारखंड के अलावा देश के अन्य राज्यों में बसे पूर्वांचल के लोग बेहद उत्साह एवं उमंग के साथ छठ पूजा करने के लिए तैयार हैं। कैट के अनुसार छठ पूजा में प्रयुक्त होने वाली सामग्री, जैसे बांस के सूप, केले के पत्ते, गन्ना, मिठाई, फल और सब्जियों में विशेष रूप से नारियल, सेब, केला और हरी सब्जियां शामिल हैं।

छठ पूजा के अवसर पर महिलाओं के पारंपरिक परिधानों, जैसे साड़ी, लहंगा - चुन्नी, सलवार कुर्ता और पुरुषों के लिए कुर्ता-पायजामा, धोती आदि की बड़ी खरीददारी हुई है। इससे स्थानीय व्यापारियों को लाभ हुआ है। छठ पर्व पर लघु एवं कुटीर उद्योग को भी बल मिला है। घरों में छोटे पैमाने पर बनाए जाने वाले सामान की बड़ी बिक्री हो रही है। छठ पूजा, भारत की लोक संस्कृति का सबसे बड़ा त्योहार माना जाता है। दिल्ली के सभी भागों में भी बड़ी संख्या में पूर्वांचली लोग रहते हैं। अनेक वर्षों से दिल्ली में भी छठ का त्योहार बड़े उत्साह से मनाया जाता है।

सैंकड़ों स्थानों पर छठ की पूजा पूर्ण विधि विधान से की जाती है। कैट के राष्ट्रीय अध्यक्ष बीसी भरतिया ने बताया, बिहार एवं झारखंड के अलावा यह त्योहार, पूर्वी उत्तर प्रदेश, दिल्ली, उड़ीसा, पश्चिम बंगाल, महाराष्ट्र, राजस्थान, छत्तीसगढ़ विदर्भ एवं मध्य प्रदेश में भी बड़े ज़ोर शोर से मनाया जाता है। वजह, इन सभी राज्यों में पूर्वांचल के लोग बड़ी संख्या में काम करते हुए अपनी आजीविका अर्जित करते हैं। यह भारत की संस्कृति एवं सभ्यता है कि जहां छठ पूजा के दौरान उगते सूर्य के साथ पहले डूबते सूर्य की पूजा की जाती है, जो इस बात को स्पष्ट दर्शाता है कि उगते के साथ तो सब होते हैं लेकिन भारत के लोग डूबते का भी सहारा बनते हैं। इसमें भी अपनी खुशियां खोजते हैं।

खंडेलवाल ने कहा, छठ पूजा केवल एक धार्मिक आयोजन ही नहीं, बल्कि यह भारतीय संस्कृति का अभिन्न हिस्सा है, जो सामाजिक एकता और समर्पण का प्रतीक है। इससे व्यापार और स्थानीय उत्पादकों को भी सीधा लाभ पहुंचता है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के वोकल फॉर लोकल और आत्मनिर्भर भारत के संकल्प को मजबूत करते हुए छठ पूजा के दौरान इस्तेमाल होने वाले अधिकांश उत्पाद बड़े पैमाने पर स्थानीय कारीगरों और हस्तशिल्पियों द्वारा बनाए जाते हैं। इससे उन्हें रोजगार के नए अवसर प्राप्त हुए हैं। छठ पूजा का व्रत महिलाएं अपनी संतान और पति की लंबी आयु व अच्छे स्वास्थ्य की कामना को लेकर करती हैं।

इस पूजा में लंबा सिंदूर पति के लिए बेहद शुभ माना जाता है। छठ पूजा के दौरान महिलाएं नाक से मांग तक सिंदूर लगाती है। ऐसा माना जाता है कि महिलाएं जितना लंबा सिंदूर लगाती हैं, उनके पति की आयु उतनी ही लंबी होती है।

आरएसएस से भी खतरनाक है सीएम नीतीश : तेजस्वी यादव

पटना (एजेंसी) : बिहार के भागलपुर में मां काली की प्रतिमा विसर्जन के दौरान माहौल बिगाड़ने की कोशिश की गई. प्रतिमा विसर्जन के जुलूस में शामिल कुछ असमाजिक तत्वों ने मस्जिद की बगल वाली दीवार पर भगवा झंडा फहराया. कुछ लोगों ने इस वीडियो को सोशल मीडिया पर शेयर करते हुए अफवाह फैला दी थी कि मस्जिद पर भगवा झंडा फहराया गया है. जिससे मुस्लिम समाज के लोग भड़क गए और इलाके में तनाव पैदा हो गया. हालांकि, पुलिस की सक्रियता ने मामले को संभाल लिया. अब इस मामले में राजनीति शुरू हो गई है. नेता-प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने भागलपुर की इस घटना को लेकर नीतीश सरकार पर निशाना साधा है.

इस मामले में सीएम नीतीश कुमार पर निशाना साधते हुए

तेजस्वी यादव ने उन्हें आरएसएस से भी ज्यादा खतरनाक बताया. तेजस्वी ने कहा कि शांति की धरती बिहार पर अब आरएसएस का कब्जा हो गया है. राज्य सरकार ऐसे लोगों के लिए नफरत की जमीन मुहैया करा रही है.

उन्होंने कहा कि बार-बार कहा जाता है कि जिस इलाके में तनाव फैल सकता है वहां से जुलूस नहीं जाने देना चाहिए, लेकिन यह जानबूझकर मुसलमानों और उनके साथ दुर्व्यवहार करने के लिए किया जाता है. उन्होंने कहा कि धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाया जाता है ताकि सांप्रदायिक दंगे भड़काए जा सकें.

राजद नेता ने आगे कहा कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार जी से मिली जमीन, प्रोत्साहन, प्रायोजन एवं आत्मविश्वास के बल पर आरएसएस और बीजेपी के लोग भागलपुर में मस्जिद पर चढ़कर झंडा लहरा रहे हैं. अब प्रदेशवासी कह रहे हैं कि अस्वस्थ अवस्था के कारण नीतीश कुमार जी आरएसएस से भी अधिक खतरनाक हो चुके हैं. वहीं इस घटना पर पुलिस ने केस दर्ज कर लिया है. भागलपुर पुलिस की ओर से रविवार (०३ नवंबर) को बताया गया कि सोशल मीडिया के माध्यम से एक वीडियो प्राप्त हुआ है, जिसमें एक युवक ललमटिया थाना अंतर्गत टमटम चौक के समीप धार्मिक स्थान पर झंडा लहरा रहा है.

नए मंत्री जी को छपास की बीमारी लग गई है : मीसा भारती

पटना (एजेंसी) : राजद सांसद और लालू यादव की बेटी मीसा भारती ने बीजेपी के फायर ब्रांड नेता और केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह पर तंज कसते हुए कहा कि केंद्र में कपड़ा मंत्री हैं, लेकिन बिहार के लिए कुछ नहीं किया. मीसा भारती ने पूछा कि बिहार का भागलपुर हो या मोतिहारी इलाका में कितने फैक्ट्री और कुटिल उद्योग लगवाने का काम किया, यह तो बताईए.

मीसा भारती यहीं नहीं रुकीं गिरिराज सिंह के द्वारा हिंदू खतरे वाले बयान पर मीसा भारती ने कटाक्ष करते हुए कहा कि केंद्र में इनकी सरकार है. हम पाकिस्तान में नहीं भारत में रह रहे हैं. कौन खतरे में यह तो बताएं. किससे डर लग रहा है, अपने ही प्रधानमंत्री से या देश की जनता से.

बिहार में लोक आस्था महापर्व छठ शुरू हो चुका है. छठ को लेकर सूबे के सीएम नीतीश कुमार लगातार छठ घाटों का निरीक्षण कर रहे हैं. मीसा भारती ने इस पर तंज कसते हुए कहा कि जब सूबे मे बाढ़ आता है तो वे (सीएम नीतीश कुमार) हवाई मार्ग और छठ घाट का निरीक्षण जल मार्ग से करते हैं.

लोगों की समस्या नहीं सुनते. ना ही मीडिया से तैयारी की बात करते हैं. राजद सांसद ने कहा कि जिस तरह से हम लोग छठ घाटों का निरीक्षण करते हैं, वैसे नीतीश कुमार जी नहीं करते हैं. मुख्यमंत्री जी अपने घाट निरीक्षण के दौरान ना तो वार्ड पार्षद से मिलते हैं और ना ही लोगों से मुलाकात करते हैं. उनकी समस्या नहीं सुनते हैं. वे केवल जल मार्ग और हवाई मार्ग से निरीक्षण करते हैं और चले जाते हैं.

मीसा भारती ने आगे कहा कि उन्हें क्या पता है कि क्या दिक्कतें होती है. बैठक करते हैं, क्या कुछ कहते हैं या करते हैं. वे कभी किसी को बताना मुनासिब नहीं समझते. मुख्यमंत्री जी कभी मीडिया वालों से बातचीत भी नहीं करते. छठ घाट को लेकर क्या इंतजाम किए, इसके बारे में कभी कुछ नहीं बताते.

वक्फ विधेयक की जांच कर रही संसदीय समिति से अलग हो सकता है विपक्ष

नई दिल्ली(ईएमएस): वक्फ (संशोधन) विधेयक की जांच कर रही संसदीय समिति के विपक्षी सांसद समिति से अलग हो सकता हैं। विपक्षी सांसद मंगलवार को लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला से मिलेंगे और समिति के अध्यक्ष जगदंबिका पाल के कथित एकतरफा फैसलों और कार्यवाही को बाधित करने के प्रयासों का विरोध करेंगे।

समिति की कार्यवाही के दौरान उनके साथ बाधा किए जाने का दावा करते हुए विपक्षी सांसदों ने बिरला को संबोधित पत्र में प्रस्तावित कानून के खिलाफ आपत्तियों सहित अपनी शिकायतें सूचीबद्ध की हैं। विपक्षी सूत्रों ने कहा कि उन्होंने एक संयुक्त पत्र तैयार किया है - जिस पर कांग्रेस के मोहम्मद जावेद और इमरान मसूद, डीएमके के राजा, एआईएमआईएम के असदुद्दीन ओवैसी, आप के संजय सिंह और टीएमसी के कल्याण बनर्जी सहित कई सांसदों के हस्ताक्षर हैं - जिसे मंगलवार को अध्यक्ष को सौंपा जाएगा।

उन्होंने भाजपा का प्रतिनिधित्व करने वाले चार बार के सांसद पाल पर बैठकों की तारीख तय करने - जो कभी-कभी लगातार तीन दिनों तक होती थी - और गवाहों को बुलाने के बारे में एकतरफा निर्णय लेने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि सांसदों के लिए पर्याप्त तैयारी के साथ गवाही देने वालों से बातचीत करना व्यावहारिक रूप से संभव नहीं है। समिति की कार्यवाही विपक्षी सदस्यों द्वारा कई मुद्दों पर लगातार विरोध के कारण बाधित हुई है, जबकि भाजपा सदस्यों ने उन पर जानबूझकर इसके काम को बाधित करने का प्रयास करने का आरोप लगाया है।

अपने संयुक्त पत्र में, विपक्षी सांसद बिरला से आग्रह करेंगे कि वे पाल को कोई भी निर्णय लेने से पहले समिति के सदस्यों के साथ औपचारिक परामर्श करने का निर्देश दें ताकि देश को आश्वस्त किया जा सके कि समिति बिना किसी पूर्वाग्रह और स्थापित संसदीय प्रक्रियाओं से अलग हटकर स्वतंत्र और निष्पक्ष तरीके से काम कर रही है।उन्होंने कहा, अन्यथा, हम विनम्रतापूर्वक यह कहते हैं कि हमें समिति से हमेशा के लिए अलग होने के लिए मजबूर होना पड़ सकता है, क्योंकि हमें रोका गया है।

उन्होंने जोर देकर कहा कि विधेयक की जांच कर रही संसद की संयुक्त समिति एक छोटी संसद की तरह है, उन्होंने कहा कि पैनल को प्रस्तावित कानून को सरकार की वांछित प्रक्रिया की अनदेखी करके पारित करवाने के लिए मात्र वायुमंडल कक्ष के रूप में नहीं माना जाना चाहिए। समिति के सदस्यों की इच्छा के विरुद्ध उचित समय न देना संवैधानिक धर्म और संसद पर क्रूर हमला के अलावा और कुछ नहीं है।

विपक्षी सांसदों ने भी विधेयक के खिलाफ अपनी कड़ी आपत्ति दर्ज की है, उनका दावा है कि सरकार का यह कदम संसद द्वारा संविधान की धर्मनिरपेक्ष साख सुनिश्चित करते हुए उचित सावधानी के साथ पारित किए गए १९९५ और २०१३ के पहले के कानूनों को कम करने का एक गुप्त प्रयास है।

उन्होंने आरोप लगाया कि विधेयक मौजूदा अधिनियम में १०० से अधिक संशोधन प्रस्तावित करता है, जबकि सरकार केवल ४४ संशोधनों का दावा करती है।

पीके तक पहुंचा आरजेडी के 4 लाख कार्यकर्ताओं का डाटा

पटना (एजेंसी): लालू यादव की पार्टी आरजेडी के चार लाख सक्रिय कार्यकर्ताओं और नेताओं का डेटा लीक होने की खबर से बिहार के सियासी गलियारों में हड़कंप मचा हुआ है. कहा जा रहा है कि राजद के ४ लाख सक्रिय सदस्यों का डाटा प्रशांत किशोर के हाथ लग गया है. जानकारी के मुताबिक, जन सुराज पार्टी की तरफ से आरजेडी के कई सक्रिय सदस्य और नेताओं को फोन जा रहे हैं और उनके बारे में कई बातें बताई जा रही हैं. इसी क्रम में इस बात का खुलासा हुआ है कि पार्टी नेताओं-कार्यकर्ताओं का डेटा लीक हो चुका है. इससे पार्टी में हड़कंप मचा हुआ है. राजद आलाकमान गंभीरता से इस विषय को देख रहे हैं. जानकारी के मुताबिक, पार्टी अपने स्तर से इस मामले की जांच कर रही है.

आरजेडी नेतृत्व को आशंका है कि प्रदेश मुख्यालय में पूर्व निर्धारित दायित्वों के निर्वहन में पार्टी पदाधिकारियों व इंटरनेट मीडिया प्रभारियों की कोताही और डाटा इंट्री आपरेटरों की मिलीभगत से ऐसा हुआ है. वहीं, राजद प्रवक्ता मृत्युंजय तिवारी से जब इस बारे में पूछा गया तो उन्होंने कहा कि डेटा लीक हो या ना हो इससे कोई फर्क आरजेडी को नहीं पड़ता. हमारे साथ जनता खड़ी है और हमारी जड़ इतनी मजबूत है कि इसे कोई उखाड़ नहीं सकता है. उन्होंने कहा कि यह कौन लोग हैं, इससे हमको क्या लेना देना. इन लोगों की हैसियत क्या है? राजनीति में यह लोग व्यापारी और व्यवसाय हैं. राष्ट्रीय जनता दल गरीब, नौजवान, किसान और मजदूरों का बल है.

जन सुराज वैसे तो बिहार में सक्रिय प्राय: सभी दलों को खुली चुनौती दे रही, लेकिन मुसलमानों के लिए उसकी पैरोकारी राजद को कुछ अधिक ही अखर रही है.

एसबीआई का कर्मचारी 20 हजार की रिश्वत लेते गिरफ्तार

बूंदी (ईएमएस): सोमवार को एंटी करप्शन ब्यूरो राजस्थान ने स्टेट बैंक ऑफ इंडिया के फील्ड ऑफिसर को २० हजार रुपए की रिश्वत लेते रंगे हाथों गिरफ्तार कर लिया है। जयपुर मुख्यालय के निर्देश पर बूंदी एसीबी की टीम ने इस कार्रवाई को अंजाम दिया। एसीबी राजस्थान की बूंदी टीम ने यहां ललित कुमार पाराशर को गिरफ्तार किया है ,जो बूंदी जिले के बड़ा नयागांव स्थित स्टेट बैंक ऑफ इंड़िया शाखा के फील्ड ऑफिसर है। एसीबी टीम ने मिली जानकारी के अनुसार आरोपी परिवादी से २० हजार रुपये की रिश्वत राशि लेते रंगे हाथ पकड़ा। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो के महानिदेशक डॉ. रवि प्रकाश मेहरड़ा ने बताया कि एसीबी की बूंदी इकाई को परिवादी की ओर से शिकायत दी गई थी।

मारुति की पहली ऑल-इलेक्ट्रिक कार ई विटारा की दिखी झलक

नई दिल्ली (ईएमएस): देश की सबसे बड़ी कार निर्माता कंपनी मारुति सुजुकी ने अपने पहले ऑल इलेक्ट्रिक वाहन से पर्दा उठा दिया है। कंपनी ने ई विटारा को सोमवार को मिलान में मारुति ईवीएक्स कॉन्सेप्ट के प्रोडक्शन वर्जन के रूप में पेश किया है। यह बॉर्न-इलेक्ट्रिक मिड-साइज एसयूवी जापानी ब्रांड की भारत के लिए पहली ईवी है और यह टाटा कर्व ईवी, एमजी जेडएस ईवी और आने वाली हुंडई क्रेटा ईवी और महिंद्रा बीई ०५ जैसे बेहद प्रतिस्पर्धी सेगमेंट में एंट्री करेगी। भारत पहला बाजार होगा जहां इसे लॉन्च किया जाएगा। मारुति की पहली इलेक्ट्रिक कार का नाम ई विटारा होगा। इस नाम की आधिकारिक पुष्टि सोमवार को इटली के मिलान में एक इवेंट में की गई। इस मॉडल को पहली बार अपने फाइनल फॉर्म में प्रदर्शित किया गया है।

ई-विटारा का जनवरी २०२५ में नई दिल्ली में भारत मोबिलिटी शो में इसका भारतीय डेब्यू होगा। जिसके बाद इसे सबसे पहली भारत में मार्च २०२५ में बिक्री के लिए लॉन्च किया जाएगा। जिसके बाद जून २०२५ के आसपास यूरोप में लॉन्च किया जाएगा।

गुजरात में सुजुकी की फैक्ट्री में निर्मित होने वाली ई विटारा ईवीएक्स कॉन्सेप्ट कार का प्रोडक्शन वर्जन है। कंपनी के एक बयान में बताया गया है कि मारुति सुजुकी ई विटारा का फोकस एडवांस्ड टेक्नोलॉजी और पावर देने पर है। दिलचस्प बात यह है कि ई विटारा में ऑलग्रिप-ई नाम का इलेक्ट्रिक ४डब्ल्यूडी सिस्टम भी दिया

जाएगा, जो इसे ऑफ-रोड क्षमताएं प्रदान करेगा। यह अकेले मारुति ईवी को मास-मार्केट ईवी सेगमेंट में प्रतिस्पर्धी मॉडलों से अलग खड़ा करने में मदद कर सकता है। मारुति सुजुकी ई विटारा की लंबाई ४,२७५ मिमी, चौड़ाई १,८०० मिमी और ऊंचाई १,६३५ मिमी है। इसका व्हीलबेस २,७०० मिमी है। ई विटारा में १८-इंच और १९-इंच के अलॉय व्हील हैं, जो चुने गए वर्जन पर निर्भर करता है।

मारुति सुजुकी ई विटारा का यूरोपीय-स्पेक वर्जन तीन दो बैटरी-पैक विकल्पों में आएगा - ४९ केडब्ल्यूएच और ६१ केडब्ल्यूएच। हालांकि अभी तक यह पुष्टि नहीं हुई है कि भारत में लॉन्च होने वाला मॉडल भी दोनों बैटरी विकल्पों के साथ आएगा या नहीं। मारुति सुजुकी बैटरी पैक और ड्राइव सिस्टम ऑप्शन के आधार पर १४२ बीएचपी, १७१ बीएचपी और १८१ बीएचपी का पावर आउटपुट देगी। ट्रांसमिशन के लिए सिंगल-स्पीड इलेक्ट्रिक ड्राइव यूनिट होगा।

इंस्पेक्टर खैर ने उडाई आचार संहिता की धज्जियां

अलीगढ़ (ईएमएस) : जनपद के खैर विधानसभा में भी उपचुनाव चल रहे हैं, जिसके मद्देनजर मध्य नजर आदर्श आचार संहिता पूरे क्षेत्र में प्रभावित है। वही उपचुनाव के मध्ये नजर लगी आर्दश आचार संहिता का पालन कराने वाले ही आदर्श आचार संहिता की धज्ञियां उडा रहे है। इंस्पेक्टर खैर डीके सिसोदिया कोतवाली क्षेत्र के गांव असू नगला में रामलीला मंचन में मुख्य अतिथि बतौर सम्मिलित हुए।

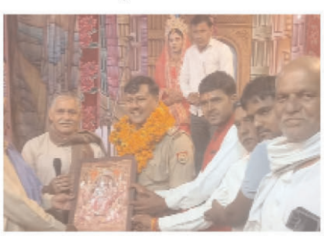

बता दें की खैर कोतवाली क्षेत्र के आसू नगला गांव में २८ अक्टूबर से रामलीला प्रारंभ हुई है। जिसमें इंस्पेक्टर खैर डीके सिसोदिया सरकारी गाड़ी से व अपने पूरे स्टाफ के साथ आसू नगला में चल रही रामलीला मंचन में पहुंचे। जिन्हें रामलीला कमेटी के पदाधिकारी ने इंस्पेक्टर को फूल माला पहनकर स्वागत किया। माइक से इंस्पेक्टर का उद्बोधन भी हुआ। रामलीला में कार्यक्रम स्वागत कार्यक्रम के बाद इस्पेक्टर का रामलीला कमेटी के लोगों ने चाय नाश्ता भी कराया। इंस्पेक्टर डीके सिसोदिया अपने कार्यों को लेकर आए दिन विवादों में बने रहते हैं। जिस पुलिस के ऊपर आदर्श आचार संहिता का पालन करने की जिम्मेदारी हो। उसी के जिम्मेदार अधिकारी चुनाव आदर्श आचार संहिता के दौरान कार्यक्रमों में सम्मिलित होकर धज्जियां उड़ा रहे हैं। चुनाव आचार संहिता के दौरान रामलीला मंचन के दौरान मुख्य अतिथि बताओ सम्मिलित होने का मामला क्षेत्र में चर्चा का विषय बन गया है। सोशल मीडिया पर फोटो व वीडियो जमकर वायरल हो रहे हैं। वहीं समाजवादी पार्टी के नेताओं ने कहा है कि जिन अधिकारियों पर क्षेत्र में कानून का राज्य कायम करना व चुनाव आचार संहिता का पालन करने की जिम्मेदारी हो वह स्वयं ही चुनाव आचार संहिता के दौरान सार्वजनिक कार्यक्रमों में मुख्य अतिथि बतौर सम्मिलित हो रहे हैं। उनसे न्याय की उम्मीद कैसे की जा सकती है।

खैर कोतवाली क्षेत्र के आसू नगला गांव से ही इंस्पेक्टर खैर डीके सिसोदिया का पुराना नाता है। इस्पेक्टर डीके सिसोदिया आए दिन अपने कार्यों को लेकर विवादों में धिरे रहते हैं। वहां पूर्व में चडौस कोतवाली के प्रभारी रहे थे तो चर्चा थी कि चडौस के एक गांव में उनकी स्वयं की ससुराल थी। शिकायतें हुई तब उन्हें वहां से हटकर खैर कोतवाली का प्रभारी बनाया गया। वहीं अब क्षेत्र में आसू नगला गांव का नाम भी चर्चाओं में छा गया है।

आसू नगला गांव में इंस्पेक्टर डीके सिसोदिया के बेटे की ससुराल है। तब बेटे की ससुराल में किसी कार्यक्रम में मुख्य अतिथि बतौर इंस्पेक्टर को बुलाया जाए और वह ना पहुंचे ऐसा संभव नहीं हो सकता। चुनाव आचार संहिता क्या मायने रखती है। इंस्पेक्टर मुख्य बतौर सम्मिलित हुए वहीं आसू नगला गांव के लोगों ने भी उनके रिश्तेदार होने के चलते बेहतरीन खातिरदारी भी की।

पृष्ठ एक का शेषांश

लोक गायिका शारदा सिन्हा----

पूजा का नया वीडियो जारी कर उन्होंने बिहार के लोगों को छठ का नया तोहफा दिया है. शारदा सिन्हा ने भोजपुरी, मैथिली और मगही भाषा की सबसे प्रसिद्ध गायिकाओं में यदि किसकी गिनती होती है. तो उसमें सबसे अग्रणी शारदा सिन्हा का नाम आता है. शारदा सिन्हा ने हिंदी फिल्मों में भी गाना गया है. उन्होंने मैंने प्यार किया फिल्म में गीत गया है. इसके बाद शारदा सिन्हा ने कई और फिल्मों में भी गाना गया है. छठ पर्व के समय में न केवल बिहार बल्कि बिहार के बाहर भी शारदा की गीत सुनाई देती है.

यूपी, पंजाब, केरल में उपचुनाव---

पर उपचुनाव की तारीखों की घोषणा की थी।

कैमरे के सामने पहली बार---

पर लगा दिया गया। मेरी बात किसी ने नहीं सुनी। आरोप लगने के बाद भी मैं इतने समय से चुप हूं, मुझे डराया जा रहा है। ये कह कर कि आप कुछ नहीं कहेंगे! मैं पूरी तरह से निर्दोष हूं, मुझे फंसाया गया है। महिला डॉक्टर के बलात्कार और हत्या के आरोपी संजय रॉय को सोमवार को सियालदह के जिला एवं सत्र न्यायालय में पेश किया गया। संजय रॉय सीबीआई की चार्जशीट में इस रेप और मर्डर केस का एकमात्र आरोपी है। जज के बंद चैंबर में उसके खिलाफ चार्ज बनाने की प्रक्रिया शुरू हुई। आर जी कर मेडिकल कॉलेज में घटना के ८७ दिन बाद चार्ज गठन प्रक्रिया शुरू हुई है।

सूत्रों के मुताबिक ११ नवंबर तक अब इस केस की हर दिन सुनवाई होगी। जूनियर डॉक्टर त्रिनेश मंडल ने बड़ी बात कही है। उन्होंने कहा कि, सीबीआई और कोर्ट देखेगी कि संजय रॉय दोषी हैं या नहीं, लेकिन अगर इसके पीछे कोई बड़ा है तो उन्हें जांच के दायरे में लाना चाहिए। हमारी मांग है कि इसमें शामिल लोगों को गिरफ्तार किया जाना चाहिए। बता दें कि सीबीआई ने संजय रॉय को इस केस का एकमात्र आरोपी पाया है। हालांकि मामले में शामिल होने के आरोप में पूर्व प्रिंसिपल संदीप घोष को भी गिरफ्तार किया गया है।

ओडिशा में पुरी जगन्नाथ मंदिर---

अरविंद पाढी ने मौजूदा स्थिति पर अपनी चिंता व्यक्त की। मंदिर प्रशासन ने जल रिसाव की चिंताओं के बीच मेघनाद सीमा दीवार (मेघंद पचेरी) पर सफाई का काम शुरू कर दिया है। वहीं, मंदिर प्रशासन ने मामले में तत्काल हस्तक्षेप की मांग की है।

हिंसा कभी भी भारत के---

चिंतित है। मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा, हम ब्रांपटन, ओंटारियों में हिंदू सभा मंदिर में चरमपंथियों और अलगाववादियों की ओर से की गई हिंसा की निंदा करते हैं। हम कनाडा सरकार से आग्रह करते हैं कि सभी पूजा स्थलों को ऐसे हमलों से सुरक्षित रखा जाए।

मेरे रिटायरमेंट के बाद---

में जस्टिस संजीव खन्ना का नाम है। इसलिए जस्टिस खन्ना का नाम आगे बढ़ाया था। हालांकि, उनका कार्यकाल सिर्फ ६ महीने का होगा। ६४ साल के जस्टिस खन्ना १३ मई २०२५ को रिटायर होंगे। सुप्रीम कोर्ट यूपी मदरसा कानून को रद्द करने वाले इलाहाबाद हाईकोर्ट के फैसले के खिलाफ याचिकाओं पर फैसला ५ नवंबर को सुनाएगा। ५ अप्रैल २०२४ को यूपी बोर्ड ऑफ मदरसा एजुकेशन एक्ट २००४ को असंवैधानिक करार देने वाले इलाहाबाद हाईकोर्ट के फैसले पर रोक लगा दी थी।

इसके साथ ही केंद्र और यूपी सरकार से जवाब भी मांगा था। कोर्ट का कहना था कि हाईकोर्ट के फैसले से १७ लाख छात्रों पर असर पड़ेगा। छात्रों को दूसरे स्कूल में ट्रांसफर करने का निर्देश देना ठीक नहीं है। दरअसल २२ मार्च को इलाहाबाद हाईकोर्ट की लखनऊ बेंच ने यूपी मदरसा एक्ट को असंवैधानिक घोषित कर दिया था। कोर्ट ने कहा था कि यह धर्मनिरपेक्षता के सिद्धांत का उल्लंघन है।

नहाय-खाय के साथ छठ पूजा शुरु

पटना (एजेंसी): इस साल छठ महापर्व का शुभारंभ ५ नवंबर को नहाय-खाय से होगा और इसका समापन ८ नवंबर को उगते सूर्य को अर्घ्य देने के साथ होगा. चार दिवसीय इस पर्व में भगवान सूर्य की उपासना की जाती है और छठी माई का आशीर्वाद मांगा जाता है.

इस पर्व में लोकगीतों जैसे उग हे सूरजदेव अरग के बेरिया की गूंज से माहौल भक्तिमय हो जाता है. इस पर्व में पहले दिन व्रती नहाय-खाय करते हैं, जिसमें पवित्रता और शुद्धता का ध्यान रखा जाता है.

अगले दिन ६ नवंबर को खरना मनाया जाएगा, जिसमें व्रती निर्जला व्रत रखकर शाम को प्रसाद ग्रहण करते हैं.

आचार्य मदन मोहन के अनुसार ७ नवंबर को व्रती संध्या अर्घ्य के लिए विशेष रूप से छठ घाट पर सज-धज कर जाते हैं और डूबते हुए सूर्य को अर्घ्य देते हैं. यह अर्घ्य देने का समय शाम ५:२५ बजे निर्धारित है. मान्यता है कि इस अर्घ्य से मानसिक शांति, प्रगति और सुख-समृद्धि की प्राप्ति होती है. अंत में ८ नवंबर की सुबह उगते सूर्य को अर्घ्य देकर यह पर्व संपन्न होता है. उगते सूर्य को अर्घ्य देने का समय सुबह ६:४८ बजे है. व्रती इस दौरान भगवान सूर्य और छठी माई से परिवार के लिए सुख, शांति और आरोग्यता की कामना करते हैं.

छठ पूजा में आत्मनिर्भरता और सादगी का विशेष महत्व है. यह पर्व बिना किसी पुरोहित के किया जाता है और सभी अनुष्ठान लोक परंपराओं से जुड़े होते हैं. छठ में न केवल उगते सूर्य बल्कि डूबते सूर्य को भी अर्घ्य दिया जाता है, जो जीवन के सुख-दुख में संतुलन और संतोष का प्रतीक है. यह पर्व जीवन को हर परिस्थिति के अनुकूल बनाने का संदेश देता है और अपनी ऊष्मा व ऊर्जा से संपूर्ण सृष्टि को पोषित करने वाले सूर्य देव की महिमा का उत्सव है.

साथ ही छठ पर्व के दौरान बाजारों में रौनक बढ़ जाती है. लोग पूजा सामग्री जैसे सूप, दउरा और फलों की खरीदारी के लिए भीड़ में जुटने लगते हैं. इस साल फलों के दाम बढ़े हुए हैं. सेब १२० रुपये किलो, अनार १४० रुपये, नारंगी १६० रुपये और केले २० से ४० रुपये दर्जन बिक रहे हैं.

बाजार में पूजा सामग्री और पारंपरिक परिधानों की भी खूब मांग है, जिससे माहौल में धार्मिकता और उमंग की भावना बनी हुई है.

लॉरेंस बिश्नोई की वजह से सामने आई पप्पू यादव के घर की लड़ाई

पूर्णिया (एजेंसी): बिहार में पूर्णिया से निर्दलीय सांसद पप्पू यादव इन दिनों सुर्खियों में हैं. बॉलीवुड एक्टर सलमान खान को अपना समर्थन देकर वह कथित रूप से लॉरेंस बिश्नोई गैंग के निशाने पर आ गए हैं. गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई की एंट्री से पप्पू यादव की जिंदगी में भूचाल आ गया है. गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई की धमकी के बाद से पप्पू यादव अकेले पड़ गए हैं. यहां तक कि उनकी पत्नी और कांग्रेस सांसद रंजीता रंजन ने भी उनसे किनारा कर लिया है. रंजीता रंजन ने तो सार्वजनिक घोषणा भी कर दी है कि उनका और उनके बच्चों का पप्पू यादव से अब कोई मतलब नहीं है. उन्होंने कहा कि पप्पू जी और मेरा राजनीतिक करियर अलग-अलग है और हमारे बीच मतभेद भी हैं. उनके इस बयान से पप्पू यादव के घर की लड़ाई सबके सामने आ गई है.

बता दें कि पप्पू यादव और रंजीता यादव ने लव मैरिज की थी. उनकी लव स्टोरी काफी फिल्मी थी. मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, १९९२ में दोनों की मुलाकात हुई थी. उस वक्त रंजीता पटना के मगध महाविद्यालय में पढ़ाई करने के साथ-साथ नेशनल और इंटरनेशनल टेनिस खेलती थीं. उनके मैच देखने के लिए पप्पू यादव अक्सर ग्राउंड में पहुंच जाते थे. करीब डेढ़ साल पप्पू ने अपने प्यार का इजहार किया, लेकिन रंजीता ने साफ इनकार कर दिया. इसके बाद भी पप्पू यादव की दिवानगी कम नहीं हुई. वह रंजीता के परिवार को भी मनाने पहुंचे, लेकिन वहां से भी खाली हाथ लौटना पड़ा. इसी दौरान पप्पू यादव को पता चला कि रंजीता के पिता और कांग्रेस के नेता एसएस अहलुवालिया के बीच करीबी रिश्ते हैं. ऐसे में पप्पू यादव किसी माध्यम से एसएस अहलुवालिया के पास पहुंचे और उनसे मध्यस्थता करने की गुहार की. एसएस अहलुवालिया की मध्यस्थता से रंजीता का परिवार मान गया और १९९४ में दोनों शादी के बंधन में बंध गए. इनकी शादी सिख रीति रिवाज से संपन्न हुई थी. इस शादी में देश के तमाम बड़े राजनेता शामिल हुए थे. शादी के बाद रंजीता जब पंजाब से पूर्णिया आ रही थी, तो रास्ते में उनका प्राइवेट चार्टर विमान रास्ता भटक गया था.

इस खबर से हड़कंप मच गया था. हालांकि, करीब एक घंटे के अंदर ही विमान को तो रास्ता मिल गया था. शादी के बाद पप्पू यादव ने अपने प्यार की कहानी अपनी आत्मकथा में भी लिखी है. ३० साल बाद अब उनकी प्रेम कहानी कमजोर पड़ गई है. हालांकि, यह खटपट कभी भी इनके घर के बाहर नहीं आई थी.

जिला निर्वाचन पदाधिकारी-सह-उपायुक्त का कार्यालय, धनबाद (जिला निर्वाचन शाखा)

(E-mail id:- electiondhanbad@gmail.com)

-:: आदेश ::-

विधानसभा आम निर्वाचन–2024 के निमित्त मंत्रिमण्डल (निर्वाचन) विभाग, झारखण्ड राँची के पत्रांक–6148 दिनांक–24.10.2024 के आलोक में मतदान के अवसर पर झारखण्ड राज्य अवस्थित विधान सभा निर्वाचन क्षेत्रों में मतदान की तिथि को निगोशि एबुलइन्स्टूमेन्ट्स एक्ट, 1881 की धारा 25 के तहत सार्वजनिक अवकाश की घोषणा एवं लोकप्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 की धारा 135(ख) के प्रावधानों के अनुपालन हेतु सवैतनिक अवकाश दिये जाने के संबंध में कार्मिक, प्रशासनिक सुधार तथा राजभाषा, झारखण्ड राँची की अधिसूचना संख्या–6979 एवं 6980 दिनांक–21.10.2024 के द्वारा धनबाद जिला अन्तगर्त छः विधानसभा क्षेत्र यथा 38–सिन्दरी, 39–निरसा, 40–धनबाद, 41–झरिया, 42–टुण्डी एवं 43–बाघमारा विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र अन्तर्गत मतदान की तिथि–20.11.2024 को संबंधित विधानसभा क्षेत्रों में सार्वजनिक अवकाश घोषित किया गया है। किसी कारोबार, व्यवसाय, औद्योगिक उपक्रम या किसी अन्य संस्थान में नियोजित/कार्यरत व्यक्ति जो विधान सभा निर्वाचन में मतदान करने का हकदार है, को मतदान की तिथि दिनांक–20.11.2024 को सवैतनिक अवकाश की मंजूरी दी जानी है। दैनिक वेतन भोगी/अनौपचारिक कर्मचारी भी मतदान के दिन अवकाश और वेतन के हकदा रहोंगे।

किसी नियोजक के द्वारा आदेश का उल्लंघन किये जाने पर अधिनियम द्वारा नियतदण्ड अधिरोपित किया जायेगा।

जिला निर्वाचन पदाधिकारी–सह–उपायुक्त, धनबाद।

PR.NO.339852 Election(24-25):D

12-16 घंटे देर चल रही है छठ स्पेशल ट्रेन

पटना (एजेंसी): छठ महापर्व में बिहार आने वाले यात्रियों को कोई परेशानी न हो इसके लिए रेलवे कई स्पेशल ट्रेन चला रही है. रेलवे की तरफ लगातार दावा किया जा रहा है कि स्पेशल ट्रेन से बिहार जाने वाले यात्रियों को काफी सहूलियत हो रही है.

लेकिन रेलवे के इस दावे पर उस वक्त पानी फिर गया जब स्पेशल ट्रेन की सच्चाई सामने आई. दरअसल जो लोग छठ महापर्व में शामिल होने के लिए स्पेशल ट्रेन से बिहार आ रहे है उनकी ट्रेन बहुत देरी से चल रही है. कोई ट्रेन १२ तो कोई १६ घंटे की देरी से अपने गंतव्य स्थल पर पहुंच रही है. ऐसे में त्यौहार में घर पहुंचने का अरमान लिए स्पेशल ट्रेन के यात्रियों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है. दरअसल रेलवे छठ के मौके पर बिहार आने वाले यात्रियों से किराया तो बढ़ा कर लेती ही है साथ ही उस ट्रेन की टाइमिंग भी तय नहीं होती है. कभी कभी तो ट्रेन निर्धारित समय से भी रिशेड्यूल कर दिया जाता है. ऐसे में यात्रियों को काफी परेशानी होती है. वहीं स्पेशल ट्रेन के अलावा एयरलाइन कंपनियों ने भी बिहार आने वाले यात्रियों से लूट मचा रखी है. छठ का त्यौहार नजदीक आते ही एयरलाइन कंपनियां बिहार आने वाले टिकट की किराया ५ से ६ गुणा बढ़ा देती है.

वहीं पटना जंक्शन पर जब ट्रेन के आने की टाइमिंग का पता लगाया गया तो इसे जानकर आप चौंक जाएंगे.पटना रेल स्टेशन पर पूछताछ ऑफिस में लगे इंक्वायरी बोर्ड पर पटना आने वाली छठ स्पेशल ट्रेन का स्टेटस देखने पर पता चला कि पटना होकर गुजरने वाली रेलगाड़ी जिससे छठ मनाने वाले आने वाले हैं एक भी ट्रेन समय से नहीं है.

तेजस्वी यादव के क्राइम बुलेटिन पर विजय सिन्हा ने दिया जवाब

पटना (एजेंसी): बिहार के नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव अक्सर प्रदेश में होने वाली अपराधिक घटनाओं पर क्राइम बुलेटिन जारी करके मुख्यमंत्री नीतीश कुमार पर हमला करते रहते हैं. तेजस्वी ने रविवार को भी अपने 'एक्स' अकाउंट से क्राइम बुलेटिन जारी किया था. अब इस पर बीजेपी नेता और डिप्टी सीएम विजय सिन्हा ने जोरदार पलटवार किया है. डिप्टी सीएम ने कहा कि नेता प्रतिपक्ष संवैधानिक पद है. हर आदमी की जिम्मेवारी होती है. बीजेपी नेता ने पूछा कि जहां भी इस तरह की घटना का वह (तेजस्वी यादव) जिक्र कर रहे हैं, कितने जगह नेता प्रतिपक्ष गए हैं. क्या सच को जानने का प्रयास किए हैं? उन्होंने कहा कि मैंने भी नेता प्रतिपक्ष की जिम्मेदारी निभाई है. विधानसभा अध्यक्ष पद की जिम्मेदारी भी निभाई है. नेता प्रतिपक्ष के रूप में वह हर घटना में जिले में जाकर शरीक होते थे और सरकार को सजक करते थे.

विजय सिन्हा ने कहा कि तेजस्वी यादव कहीं से किसी का डाटा लेकर सच्चाई जाने बिना लिख रहे हैं. क्या कार्रवाई हुई है, क्या नहीं हुई है, इस बात की जानकारी भी उन्होंने नहीं ली. डिप्टी सीएम ने कहा कि सरकार सजगता से एक्शन ले रही है. काम कर रही है. अपराध और भ्रष्टाचार की मानसिकता नहीं चलेगी, यह सरकार संकल्पित है. उन्होंने कहा कि प्रमाणिकता के साथ तेजस्वी यादव पेश करें. हम जब नेता प्रतिपक्ष थे तो मुजफ्फरपुर में राजद के मंत्री इसराइल मंसूरी की प्रमाणिकता के साथ सदन में रखा था. उन्हें प्रमाणिकता से कोई मतलब नहीं है, सिर्फ भ्रम फैलाना, लोगों को बरगलाकर अपनी राजनीति जिंदा रखना चाहते हैं. यह उस पद को कहीं से ईमानदारी से निर्वहन नहीं कर रहे हैं.

बीजेपी प्रवक्ता प्रभाकर मिश्रा ने कहा लोकतंत्र क्या होता है तेजस्वी यादव को यह कभी समझ नहीं आ सकता. बिहार में २००५ से पहले जो स्थिति थी उसको क्या नाम देंगे. झूठे आंकड़े पेश करने से तेजस्वी यादव की राजनीति नहीं चमकने वाली है.

कार्यालय नगर निगम, गिरिडीह।

ई–मेलः giridihmunicipalcorporation@gmail.com

आवश्यक सूचना

नगर निगम, गिरिडीह क्षेत्रान्तर्गत अवस्थित भू–स्वामियों को सूचित किया जाता है कि भवन निमार्ण कराए जाने के पूर्व नगर निगम, गिरिडीह से भवन नक्शा पारित कराना सुनिश्चित किया जाय। निरीक्षण के दौरान निमार्णधीन व्यवसायिक/आवासीय भवनों के 17 मालिकों को निमार्णाधीन भवन से संबंधित नगर निगम से पारित नक्शा निगम कार्यालय को उपलब्ध कराने का निदेश दिया गया।

अतएव, तकनीकी पदाधिकारियों द्वारा भौतिक रूप निरीक्षण के दौरान बिना नक्शा पारित कराए अवैध भवन निमार्ण कार्य कराते हुए पकड़े जाने पर भवन अधिनियम,2016 में निहित प्रावधानों के अनुरूप जुर्माना सहित सुसंगत धाराओं के तहत कार्रवाई की जाएगी।

प्रशासक,
गिरिडीह नगर निगम।

PR 339844 (Urban Development) 24-25 (D)

महाराष्ट्र में पीएम मोदी से दोगुनी रैलियां करेंगे सीएम योगी

लखनऊ (एजेंसी): उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ महाराष्ट्र चुनाव प्रचार में छाने वाले हैं. वो महाराष्ट्र में २२ रैलियां करेंगे, जबकि यहां प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की ११ चुनावी रैलियों का प्रस्ताव दिया गया है. झारखंड में भी सीएम योगी कई बड़ी चुनावी सभाओं को संबोधित करेंगे.

मतदाताओं को जातियों में बांटकर सत्ता पाने की कोशिश में लगे विपक्षी दलों की रणनीति को भोथरा साबित करने में सीएम योगी को भाजपा का बड़ा हथियार माना जा रहा है. महाराष्ट्र और झारखंड में हिन्दुत्व के मुद्दे को धार देकर बीजेपी जीत हासिल करने की जुगत में है. सीएम योगी का बंटेंगे तो कटेंगे का नारा हरियाणा के बाद महाराष्ट्र चुनाव में भी कारगर साबित हो सकता है.

सीएम योगी आदित्यनाथ की यूपी विधानसभा उपचुनाव के अलावा झारखंड और महाराष्ट्र में भी स्थानीय भाजपा नेताओं की ओर से काफी मांग हो रही है. इससे पहले जम्मू-कश्मीर, हरियाणा, कर्नाटक, राजस्थान विधानसभा चुनाव में भी सीएम योगी भाजपा के लिए तुरुप का इक्का साबित हुए थे. सीएम योगी मंगलवार से ही चुनावी रैलियां शुरू करेंगे. झारखंड में सीएम योगी की पहली रैली कोडरमा विधानसभा क्षेत्र में बीजेपी प्रत्याशी के साथ होगी. कोडरमा में वो तीन चुनावी रैलियों को संबोधित करेंगे. सीएम योगी यहां चार प्रत्याशियों के लिए जनसमर्थन मांगेंगे.

मुख्यमंत्री की पहली जनसभा मंगलवार को कोडरमा में होगी. कोडरमा से बीजेपी उम्मीदवार डॉ. नीरा यादव हैं. सीएम योगी की रैली चंद्रावती स्कूल ग्राउंड में रखी गई है. सीएम योगी की दूसरी रैली बरकागांव विधानसभा के भाजपा उम्मीदवार के लिए होगी. भाजपा के रोशन लाल चौधरी यहां से प्रत्याशी हैं.

सीएम योगी की तीसरी चुनावी रैली आमबागान ग्राउंड जमशेदपुर में प्रस्तावित है. योगी आदित्यनाथ जमशेदपुर पूर्वी से बीजेपी प्रत्याशी पूर्णिमा दास साहू, पोटका से मीरा मुंडा, जमेशदपुर पश्चिम से सरयू राय और जुगसलाई से उम्मीदवार रामचंद्र सहिस के पक्ष में वोट मांगेंगे.

राजनीतिक जानकारों का कहना है कि हिन्दुत्व के मुखर चेहरे के तौर पर उभरे सीएम योगी का कानून व्यवस्था का मॉडल अन्य राज्यों के लिए नजीर बनकर उभरा है. बाबा बुलडोजर की नीति को अन्य बीजेपीशासित राज्यों में भी अपनाया जा रहा है. यही नहीं, कुछ विपक्षी दलों के शासन वाले राज्य भी योगी की लॉ एंड ऑर्डर नीति की नकल कर रहे हैं.

10 तक कर सकेंगे कम्प्यूटर प्रशिक्षण योजना में आवेदन

लखनऊ (ईएमएस): पिछड़ा वर्ग के शिक्षित बेरोजगार युवक-युवतियों के लिए योगी सरकार द्वारा चलाई जा रही ओ लेवल एवं सीसीसी कम्प्यूटर प्रशिक्षण योजना के अंतर्गत आवेदन की अंतिम तिथि अब १० नवंबर तक बढ़ा दी गई है। पहले यह तिथि ३० अक्टूबर थी। युवाओं के हित को ध्यान में रखते हुए आवेदन अवधि बढ़ाई गई है।

इस योजना में चयनित अभ्यर्थियों के लिए २५ नवंबर २०२४ से प्रदेश के सभी जनपदों में प्रशिक्षण एक साथ प्रारम्भ किया जाएगा। इसके तहत प्रशिक्षण के दौरान अभ्यर्थियों को आईटी क्षेत्र में स्किल डेवलपमेंट का अवसर मिलेगा, जिससे वे भविष्य में बेहतर रोजगार प्राप्त कर सकेंगे। आवेदन करने वाले अभ्यर्थियों को अपने सभी शैक्षिक प्रमाणपत्रों और अन्य आवश्यक दस्तावेज ऑनलाइन अपलोड करने होंगे,

सुदृढ़ प्रजातंत्र हेतु वृहत्तर सहभागिता

निर्वाची पदाधिकारी 34–गोमिया का कार्यालय, बोकारो

विधानसभा निर्वाचन–2024

–:प्रेस विज्ञप्तिः–

भारत निर्वाचन आयोग के अधिसूचना के अनुसार विधानसभा निर्वाचन–2024 के निमित्त व्यय प्रेक्षक की उपस्थिति में 34–गोमिया विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र के लिए सभी विधिमान्य अभ्यर्थियों द्वारा दैनिक लेखा के रख–रखाव के जाँच हेतु निम्नलिखित तिथि निर्धारित की जाती है:–

क्र0 सं0	निर्वाचन व्यय लेखा पंजी की जाँच	निर्वाचन व्यय लेखा पंजी की जाँच की तिथि	निर्वाचन व्यय लेखा पंजी की जाँच की समय	निर्वाचन व्यय लेखा पंजी की जाँच स्थल	अभियुक्ति
1.	प्रथम लेखा जाँच	05.11.2024	पूर्वाह्न 11:00 बजे से अपराह्न 5:00 तक	अनुमण्डल पदाधिकारी, बेरमो (तेनुघाट) का कार्यालय कमरा नं0–14	
2.	द्वितीय लेखा जाँच	11.11.2024	पूर्वाह्न 11:00 बजे से अपराह्न 5:00 तक	अनुमण्डल पदाधिकारी, बेरमो (तेनुघाट) का कार्यालय कमरा नं0–14	
3.	तृतीय लेखा जाँच	17.11.2024	पूर्वाह्न 11:00 बजे से अपराह्न 5:00 तक	अनुमण्डल पदाधिकारी, बेरमो (तेनुघाट) का कार्यालय कमरा नं0–14	

निर्वाचन लड़ने वाले सभी विधिमान्य अभ्यर्थियों को सूचित किया जाता है कि उपरोक्त निर्धारित तिथि को ससमय नियत स्थान पर स्वयं अथवा अपने निर्वाचन अभिकर्त्ता के माध्यम से निश्चित रूप से उपस्थित होकरनिर्वाचन व्यय लेखा पंजी की जाँच कराना सुनिश्चित करेंगें।

ह0/–
निर्वाची पदाधिकारी,
34–गोमिया वि0स0नि0 क्षेत्र
–सह– अपर समाहर्त्ता, बोकारो

PR 339828 (Election)24-25*D

उपायुक्त सह जिला दण्डाधिकारी का कार्यालय, गिरिडीह

(जिला निर्वाचन शाखा)

दूरभाष संख्या 06532–250559 ईमेल election-giridih@jharkhandmail.gov.in

–: अत्यावश्यक सूचना, गिरिडीह जिलान्तर्गत पड़ने वाले विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र के मतदाता कृपया ध्यान दें :–

भारत निर्वाचन आयोग के पत्रांक सं. 3/4/ID/2024/SDR/VOL.1 दिनांक 17.10.2024 एवं मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी सह सचिव, मंत्रिमंडल (निर्वाचन) विभाग, झारखण्ड, रॉची के पत्रांक 5700 /रॉची दिनांक 19.10.2024 द्वारा वैसे मतदाता जो फोटोयुक्त मतदाता पहचान पत्र(EPIC) मतदान करने हेतु प्रस्तुत नही कर सकते हैं वैसे मतदाता के द्वारा अपनी पहचान स्थापित करने के लिए निम्नलिखित 12 वैकल्पिक फोटो पहचान दस्तावेजों में से कोई एक दस्तावेज प्रस्तुत करना होगा, जो निम्नवत है:–

वैकल्पिक निर्वाचक फोटो पहचान दस्तावेजों की विवरणी।

क0सं	हिन्दी	English
1.	आधार कार्ड	Aadhaar Card,
2.	मनरेगा जॉब कार्ड	MNREGA Job Card,
3.	बैंको/डाकघरों द्वारा निर्गत फोटोयुक्त पासबुक	Passbooks with photograph issued by Bank/Post Office,
4.	श्रम मंत्रालय की योजना के अन्तर्गत निर्गत स्वास्थ्य बीमा स्मार्ट कार्ड,	Health Insurance Smart Card issued under the scheme of Ministry of Labour,
5	ड्राइविंग लाइसेन्स	Driving License,
6	पैन कार्ड	PAN Card
7	एनपीआर के अन्तर्गत आरजीआई द्वारा जारी किए गए स्मार्ट कार्ड	Smart Card issued by RGI under NPR,
8	भारतीय पासपोर्ट	Indian Passport,
9	फोटोयुक्त पेंशन दस्तावेज	Pension document with photograph,
10	केन्द्र/राज्य सरकार/लोक उपक्रम/ पब्लिक लिमिटेड कंपनियों द्वारा अपने कर्मचारियों को जारी किए गए फोटोयुक्त सेवा पहचान–पत्र	Service Identity Cards with photograph issued to employees by Central/State Govt./PSUs/Public Limited Companies,
11	सांसदों/ विधायकों/ विधान परिषद् सदस्यों को जारी किए गए सरकारी पहचान पत्र, और	Official identity cards issued to MPs/MLAs/ MLCs, and
12	यूनिक डिस्एबिलिटि आईडी (यूडीआईडी) कार्ड, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय, भारत सरकार	Unique Disability ID (UDID) Card, M/o Social Justice & Empowerment, Government of India.

फोटोयुक्त मतदाता पहचान पत्र (एपिक) के संबंध में, लेखन अशुद्धि, वर्तनी की अशुद्धि इत्यादि को नजर अंदाज किया जायेगा बशर्ते कि निर्वाचक की पहचान फोटोयुक्त मतदाता पहचान पत्र से सुनिश्चित की जा सके। यदि कोई निर्वाचक फोटो पहचान पत्र प्रदर्शित करता है, जो किसी अन्य विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र के निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण पदाधिकारी द्वारा जारी किया गया है, ऐसे एपिक भी पहचान स्थापित करने हेतु स्वीकृत किए जाऐंगे बशर्ते उस निर्वाचक का नाम जहाँ वह मतदान करने आया हैं, उस मतदान केन्द्र से संबंधित निर्वाचक नामावली में उपलब्ध हो। यदि फोटोग्राफ इत्यादि के बेमेल होने के कारण निर्वाचक की पहचान सुनिश्चित करना संभव न हो तब निर्वाचक को उपर्युक्त वर्णित किसी एक वैकल्पिक फोटो दस्तावेज को प्रस्तुत करना होगा। साथ ही प्रवासी मतदाताओं को जो अपने पासपोर्ट में विवरणों के आधार पर लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1950 की धारा 20क के अधीन निर्वाचक नामावलियों में पंजीकृत हैं, मतदान केन्द्र में केवल उनके मूल पासपोर्ट (तथा कोई अन्य पहचान दस्तावेज नहीं) के आधार पर ही पहचाना जाएगा।

नोटः– मतदान दिवस के पूर्व बी.एल.ओ. द्वारा वितरित की जानेवाली मतदाता सूचना पर्ची (Voter Information Slip) मतदान के लिए स्टैंड अलोन पहचान (केवल मतदाता सूचना पर्ची, पहचान पत्र के रूप में स्वीकार नही किया जायेगा) दस्तावेज के रूप में स्वीकार नहीं किया जाएगा।

जिला निर्वाचन पदाधिकारी,
–सह–उपायुक्त, गिरिडीह

PR 339831 Election (24-25)_D

कार्यालय

विद्युत कार्यपालक अभियंता, विद्युत कार्य प्रमण्डल, धनबाद

अतिअल्पकालीन निविदा आमंत्रण सूचना सं0 – 32/2024–25

(विधानसभा आम चुनाव 2024 से संबंधित)

विधानसभा आम चुनाव 2024 के अवसर पर विद्युत कार्य प्रमण्डल, धनबाद के अन्तर्गत देवघर एवं जामताडा जिले में मतगणना केन्द्रो, बज्रगृह तथा उससे संबंधित कार्यो के लिए अस्थायी विद्युतीकरण कार्य हेतु चुनाव कार्यो के अनुभवी विभाग में निबंधित विद्युत अनुज्ञापत्रधारी संवेदक से मुहरबंद लिफाफे में निम्नाकिंत तिथि एवं शर्त के साथ निविदा आमंत्रित किया जाता है।

1. परिमाण विपत्र बिकी की तिथि – 11.11.2024 को 12.00 बजे अपराहन तक।
2. परिमाण विपत्र बिकी का स्थान – विद्युत कार्य अंचल, राँची एवं विद्युत कार्य प्रमण्डल, धनबाद।
3. निविदा प्राप्ति का समय एवं तिथि – 12.11.2024 को 02.00 बजे अपराहन तक।
4. निविदा खोलने का समय एवं तिथि – विद्युत कार्य प्रमण्डल, धनबाद, दिनांक 12.11.2024 को 3.30 बजे अपराहन।
5. परिमाण विपत्र का मूल्य – नियमानुसार (250.00/500.00/750.00/1250.00/2500.00/5000.00 इत्यादि परिमाण विपत्र की राशि के अनुनुरूप)
6. अग्रधन राशि – परिमाण विपत्र की राशि का दो (2) प्रतिशत।
7. निविदादाता को कम से कम एक चुनाव/उपचुनाव में अस्थायी विद्युतीकरण का कार्य का अनुभव हो।
8. परिमाण विपत्र की राशि जो बैंक ड्राफ्ट/बैंकर्स चेंक के रूप में विद्युत कार्यपालक अभियंता, विद्युत कार्य प्रमण्डल, धनबाद के पदनाम से देय एवं भारतीय स्टेट बैंक, हीरापुर शाखा, धनबाद में भुगतेय होगा। परिमाण विपत्र की राशि लौटायी नहीं जाएगी। नगद राशि स्वीकार्य नहीं होगी।
9. निविदा आमंत्रण में सिर्फ वैसे ही फर्म भाग ले सकते है, जिनके पास अद्यतन विभागीय निबंधन (उचित वर्ग) प्रमाण–पत्र, विद्युत संवेदक लाइसेंस के साथ पर्यवेक्षक एवं तारकर्मी उचित वर्ग के हों तथा जी0एस0टी0 निबंधन प्रमाण पत्र, चरित्र प्रमाण पत्र एवं समान कार्य का अनुभव प्राप्त हो।
10. अग्रधन राशि डाक विभाग के द्वारा निर्गत सावधि जमा पासबुक/राष्ट्रीय बचत पत्र जो अधोहस्ताक्षरी के पदनाम से प्रतिज्ञित हो, स्वीकार्य होगी।
11. निविदाधारक को परिमाण विपत्र खरीदने के समय अद्यतन विद्युत लाइसेंस, चरित्र प्रमाण पत्र, पैन कार्ड एवं जी0एस0टी0 निबंधन प्रमाण पत्र, अद्यतन विभागीय निबंधन (उचित वर्ग) एवं समान प्रकृति कार्य का अनुभव (अस्थायी विद्युतीकरण कार्य) का स्वतः अभिप्रमाणित प्रति देना आवश्यक होगा।
12. सक्षम प्रदाधिकारी द्वारा परिमाण विपत्र के अनुमोदन के आधार पर कार्य की प्राक्कलित राशि घट–बढ सकती है,, तदनुसार अग्रधन राशि भी घट–बढ सकती है।
13. निधि प्राप्ति के उपरांत ही भुगतान की जाएगी एवं अग्रिम भुगतान नहीं की जाएगी।
14. सफल निविदाधारक को एफ 2 एकरारनामा के समय अग्रधन राशि के अतिरिक्त 3% की दर से अग्रिम जमानत की राशि के साथ सावधि जमा पासबुक/राष्ट्रीय बचत पत्र के रूप में जमा करना अनिवार्य होगा।
15. अधोहस्ताक्षरी के पास बिना कारण बताए निविदा को स्थगित/रद्द करने का अधिकार सुरक्षित रहेगा।
16. परिमाण विपत्र में दर्शाये गये अन्य नियम एवं शर्ते निविदा का ही भाग समझा जाए।
17. निविदा से संबंधित किसी भी प्रकार की सूचना, निविदाधारक द्वारा अधोहस्ताक्षरी एवं विद्युत अधीक्षण अभियंता, विद्युत कार्य अंचल, राँची के कार्यालय में कार्यदिवस एवं कार्यालय समय में प्राप्त की जा सकती है।

विद्युत कार्यपालक अभियंता,
विद्युत कार्य प्रमण्डल, धनबाद

PR 339867 Energy(24-25).D

सरकार का कार्यकाल पूरा नहीं करने देने के पीछे विपक्ष की साजिशः सीएम

रांची (एजेंसी): एक तरफ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जेएमएम, सरकार पर निशाना साधा तो दूसरी तरफ सीएम हेमंत सोरेन ने भी भाजपा पर जमकर हमला बोला. सीएम ने कहा कि विपक्ष ने एक साजिश के तहत हमारी सरकार का कार्यकाल पूरा नहीं करने दिया. चुनाव समय से एक महीने पहले कराया जा रहा है. भाजपा को लगने लगा कि ये सरकार लंबे समय तक रह गई तो भाजपा को झंडा ढोने वाला भी नहीं मिलेगा. सीएम सोमवार को डालटनगंज में चुनावी जनसभा को संबोधित कर रहे थे. उन्होंने कहा कि भाजपा ने हमारी सरकार के लोगों को बहकाने का भी काम किया. सरकार गिराने की साजिश रची.

घर बैठे जाति और आय प्रमाण पत्र मिलेगा

सीएम ने कहा कि अगली बार झामुमो की सरकार बनी तो घर बैठे जाति आर आय प्रमाण पत्र मिलेगा. इसके लिए प्रखंड, अंचल या डीसी ऑफिस का चक्कर नहीं लगाना पड़ेगा. आज झामुमो में काफी संख्या में लोग भाजपा में शामिल हो रहे हैं.

गोगो दीदी योजना वोट खरीदने का माध्यम

सीएम मे विपक्ष की घोषणा और योजना पर भी तंज कसा. कहा कि मुख्यमंत्री मईयां योजना से भाजपा को तकलीफ हुई. इसी को देखते हुए मंईयां योजना जैसी योजना लाने की घोषणा कर दी. २१०० रुपए देने की योजना एक तरह से वोट खरीदने के लिए है. इस योजना के तहत हर घर में एक लाख रुपए सालाना पहुंचाने का काम करेंगे.

हमारी सरकार ने बिजली बिल माफ किया

सीएम ने कहा कि हमारी सरकार ने बिजली बिल माफ किया. भाजपा २०१४ से कह रही है कि किसानों की आय दो गुनी कर देंगे. लेकिन आज तक नहीं हुआ. हमारी सरकार ने किसानों का दो लाख रुपए तक का कर्ज माफ कर दिया. इनके पास सिर्फ पूर्जीपतियों और कारोबारियों का कर्ज माफी के लिए पैसा है.

भाजपा ने सिर्फ 13 लाख लोगों को पेंशन दिया, हमने महज 2 वर्षों में 27 लाख लोगों को दिया : कल्पना सोरेन

रांची (एजेंसी): गांडेय विधायक कल्पना मुर्मू सोरेन ने सोमवार को हजारीबाग में कहा कि हम किसी को धर्म या जाति के नाम पर लोगों को नहीं बांटते हैं. अबुआ आवास योजना के जरिए हमने २५ लाख परिवारों को जोड़ने का काम किया है. उन्होंने कहा कि भाजपा ने अपने समय में झारखंड में १३ लाख लोगों को पेंशन दी और हमारी सरकार में मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने सिर्फ २ साल में २७ लाख लोगों को १००० रुपये पेंशन देने का काम किया है.

उन्होंने कहा कि हमने काम करके दिखाया है और उसी के बल पर चुनाव में उतरे हैं. हम जुमले करने वाले लोग नहीं हैं. वहीं कल्पना ने धनवार में एक चुनावी सभा पर प्रकार डाला. उन्होंने कहा कि भाजपा नहीं चाहती कि हमारे राज्य के गरीब बच्चे अच्छी शिक्षा हासिल करे, उनका सपना साकार करें और आत्मनिर्भर बनें. वह नहीं चाहते कि हमारे बच्चे प्रगति की राह पर चलें, वे चाहते हैं कि हमारे बच्चे उनके सामने हाथ फैलाएं, उनकी दया पर रहें.

उन्होंने कहा कि सरकार बनते ही यहां की ढिबरा और माइका की समस्या का समाधान किया जायेगा. कल्पना सोरेन ने कहा कि हम अपने बच्चों को शिक्षा का वो उजाला देंगे, जो उनकी ज़िंदगी को रोशन कर सके. हम हर वो कदम उठाएंगे, जो उनके बेहतर भविष्य के लिए अहम है. हमारे बच्चे झारखंड के गौरव हैं और हम उन्हें वो हर अवसर देंगे जिसके वे हकदार हैं, उन्होंने कहा कि धनवार विधानसभा की इस चुनावी जनसभा में आप सभी का अपार उत्साह देखकर मेरा हौसला और बढ़ गया है, आपके समर्थन और यकीन ने यह सुनिश्चित कर दिया है कि इस बार धनवार से झामुमो की प्रचंड जीत है.

शांतिपूर्ण ढंग से चल रहा राज्य में विधानसभा चुनाव प्रचार : के रवि कुमार

रांची (एजेंसी): सोमवार को निर्वाचन सदन में प्रेस वार्ता में मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी के रवि कुमार ने कहा कि राज्य में विधानसभा चुनाव प्रचार शांतिपूर्ण ढंग से चल रहा है.

आदर्श आचार संहिता की छिटपुट घटनाएं भी सामने आ रही हैं. अभी तक आदर्श आचार संहिता उल्लंघन के आरोप में ३१ प्राथमिकी दर्ज की गई है. उनमें सर्वाधिक १८ मामले गढ़वा जिला में दर्ज हुए हैं. जबकि रांची, सिमडेगा और रामगढ़ जिले में दो-दो मामले दर्ज हुए हैं. वहीं सरायकेला, धनबाद, पूर्वी सिंहभूम, देवघर, जामताड़ा, हजारीबाग और पलामू जिले में एक-एक मामले दर्ज हुए हैं.

उन्होंने कहा कि सूचना प्राप्त हो रही है कि त्योहार और फसल कटाई को लेकर राज्य से बाहर गये श्रमिक अपने घर लौट रहे हैं. चुनाव के समय उनकी घर वापसी से उम्मीद जगी है कि वे इस दौरान मतदान में भी हिस्सा लेंगे.

इससे मतदान प्रतिशत में बढ़ोत्तरी संभावित है. मतदाता जागरूकता अभियान के दौरान ऐसे लोगों तक पहुंचने की कोशिश भी की जा रही है. दूसरी ओर उन्होंने कहा कि निर्वाचन आयोग का फोकस हर तरह के संस्थानों में कार्यरत लोगों को

मतदान के लिए सवैतनिक अवकाश सुनिश्चित कराने पर है. उन्होंने कहा कि अगर रांची में किसी संस्थान में कोई कार्यरत है और वह पाकुड़ में मतदान करने जाना चाहता है, तो उसे भी समय से अवकाश देना नियोक्ताओं के लिए अनिवार्य है.

वहीं उन्होंने हर छोटे-बड़े संस्थानों को अपने कर्मियों के साथ अन्य लोगों को भी मतदान के लिए प्रेरित करने के लिए अपने संस्थान में गठित वोटर अवेयरनेस फोरम के जरिये सपरिवार मतदान के लिए विभिन्न तरह के मतदाता जागरूकता कार्यक्रम चलाने की अपील की. उन्होंने बताया कि राज्य में आदर्श आचार संहिता लागू होने के बाद से अब तक १ अरब, ४७ करोड़, ८० लाख की अवैध सामग्री और नकदी जब्त की गयी है.

बांग्लादेशी घुसपैठ मामले में सुप्रीम कोर्ट में हुई आंशिक सुनवाई, 8 को अगली सुनवाई

रांची (एजेंसी): संथाल इलाके में बांग्लादेशी घुसपैठ को रोकने और इसकी जांच के लिए दायर जनहित याचिका पर सुनवाई के दौरान हाईकोर्ट द्वारा दिए गए आदेश को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती देने वाली राज्य सरकार की याचिका पर सोमवार को आंशिक सुनवाई हुई.

जिसके बाद शीर्ष अदालत ने इस मामले की अगली सुनवाई के लिए ८ नवंबर की तिथि निर्धारित की है. सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीश जस्टिस सुधांशु धुलिया और जस्टिस ए अमानुल्ला की बेंच में इस मामले की सुनवाई हुई. सरकार की ओर से अधिवक्ता प्रज्ञा सिंह बघेल ने इस मामले में पक्ष रखा. दरअसल हाईकोर्ट के उस आदेश को चुनौती दी गई है, जिसमें अदालत ने घुसपैठ की जांच के लिए केंद्र और राज्य सरकार से फैक्ट फाइंडिंग कमिटी गठित करने और इसके लिए दो अधिकारियों का नाम ३० सितंबर से पूर्व अदालत को बताने का निर्देश दिया था.

बता दें कि जमशेदपुर जिले के रहने वाले दानयल दानिश ने हाईकोर्ट में जनहित याचिका दायर कर बांग्लादेशी मूल के लोगों द्वारा संथाल के इलाके में घुसपैठ का मामला उठाते हुए हाईकोर्ट में जनहित याचिका दायर की है.

जिसपर अब तक हुई सुनवाई में केंद्र सरकार ने अपने जवाब में कहा है कि संथाल इलाके में आदिवासियों की संख्या घटी है और वहां की जमीन मुस्लिम धर्म के लोगों को गिफ्ट डीड के जरिए दी जा रही है.

वहीं केंद्र ने अपने हलफनामे में यह भी बताया है कि संथाल इलाके में ईसाई समुदाय के लोगों की संख्या में कई गुणा इजाफा हुआ है और आदिवासियों की आबादी ४४ फीसदी से मात्र २८ फीसदी रह गई है.

मो कलाम छठ पर 40 साल से सजा रहे हैं हरमू बाजार में सूप, दौरा की दुकान

रांची (एजेंसी): मो कलाम अंसारी भी महापर्व छठ का शिदत्त से इंतजार करते हैं. यह इंतजार आज का नहीं वे ४० वर्ष से इसी समान करते आ रहे हैं.

उनके बच्चे व परिवार भी महापर्व के आने का राह तकते हैं. बात ऐसी है कि आज से ४० साल पहले कलाम अंसारी हरमू बाजार में महापर्व के मौके पर सूप, डलिया, दौरा, टोकरी, आम की लकड़ी की दुकान लगाना शुरू किये. कलाम कहते हैं, जब इसकी शुरूआत की थी, उस समय महज ५ हजार रुपये की छोटी राशि से अपने कारोबार को महापर्व के मौके पर शुरू किया था. पर्व के मौके पर अच्छी कमाई हो जाती है.

कलाम ने कहा कि आज बाजार की रौनक बदल गई है. महंगाई का परच चढ़ गया है. अब ५, १० हजार की सामग्री से दुकान भी पूरी सज नहीं पाती है. इस बार करीब ढेड़ लाख की राशि से हरमू बाजार में अपनी दुकान सजाया है.

सूप, दौरा, टोकरी, खांचा, ग्राहकों के पसंद का ख्याल रखते हुए सभी कुछ देवघर से मंगवाया है. बहुत ही उत्तम व मजबूत किस्म के हैं. मेरी उम्दा क्वालिटी की वजह से दूर दराज के ग्राहक भी खरीदारी के लिये पहुंचते हैं. पिता कलाम अंसारी वृद्ध हो गये हैं. इसलिये उनका पुत्र जुबैर अंसारी भी उनकी मदद करते हैं. दुकान में उनके साथ रह कर हाथ बटांते हैं. पुत्र के इस कार्य से पिता भी बहुत खुश हैं.

छठ सामग्री दर- सूप-६०-८० रु, बड़ा दौरा-४३० रु, खांचा-१८० रु, छोटा दौरा-३०० रु, मीडियम दौरा-१२० रु, डलिया-१२०-१५० रु, आम की लकड़ी- ३० रु केजी, खांचा बड़ा-२००-२५० रु.

छठ सामग्री 40 साल पूर्व दर- सूप-१० रु, आम की लकड़ी-३ रु, खांचा-५०-७० रु, दौरा-३०-५० रु, टोकरी-२५-६० रु, डलिया-२०-५० रु.

सीपीआई ने कांके प्रत्याशी के लिये किया दौरा, मतदान की अपील की

रांची (एजेंसी): सीपीआई के प्रत्याशी संतोष कुमार रजक के समर्थन में सीपीआई रांची जिला सचिव अजय सिंह एवं राष्ट्रीय परिषद सह सीपीआई के स्टार प्रचारक पीके पाण्डेय ने कांके के सुदूर गांवों का सघन दौरा किया. अपने प्रत्याशी को वोट देकर जिताने की अपील की. गांव-गांव में सीपीआई के प्रत्याशी को अपूर्व समर्थन मिल रहा है, कांके विधानसभा क्षेत्र में यदि जल जंगल जमीन और किसानों को उचित सम्मान मिले, इसके लिए सीपीआई लगातार आपके बीच काम कर रही है. कांके विधानसभा को देश के चुनिंदा स्थानों में शामिल हो, इसके लिए सीपीआई को मौका दें. इन्होंने कोनकी इच्छापीढ़ी, नावाडीह,ऊपर कोनकी, सुकुरहुट्ठ, मल्श्रृंग मनहा सहित कई गांवों का दौरा किया.

दो महीने में रिटायर हो जायेंगे डीजी रैंक के चार आईपीएस अधिकारी

रांची (एजेंसी): झारखंड में अगले दो महीने में डीजी रैंक के चार आईपीएस अधिकारी रिटायर हो जायेंगे. इस महीने ३० नवंबर को १९८९ बैच के आईपीएस अधिकारी अजय भटनागर सेवानिवृत्त हो जायेंगे.

वे अभी केंद्रीय प्रतिनियुक्ति पर हैं और वर्तमान में सीबीआई में संयुक्त निदेशक के पद पर कार्यरत हैं.

इसके अलावा डीजीपी अजय कुमार सिंह व एम मीणा जनवरी २०२५ में और आरके मल्लिक ३१ जनवरी २०२५ को रिटायर हो जायेंगे.

झारखंड कैडर के २०११ बैच के सीनियर एसपी रैंक (सीनियर सिलेक्शन ग्रेड) में प्रोन्नत छह आईपीएस अधिकारी एक जनवरी २०२५ से डीआईजी हो जायेंगे. सीनियर एसपी रैंक में प्रोन्नत अधिकारी को राज्य सरकार चाहे तो वर्तमान में कहीं भी प्रभारी डीआईजी बना सकती है. इनमें चंदन झा, चंदन सिन्हा, प्रियदर्शी आलोक, अजीत पीटर डुंगडुंग, अनुरंजन किस्पोट्टा और अंबर लकड़ा शामिल हैं.

पहले चरण के 682 उम्मीदवारों में से 174 पर अपराधिक मामले हैं दर्ज

रांची (एजेंसी): झारखंड विधानसभा चुनाव के पहले चरण में किस्मत आजमा रहे ६८२ उम्मीदवारों में से १७४ उम्मीदवारों पर आपराधिक मामले दर्ज हैं. वहीं १२७ उम्मीदवारों पर गंभीर आपराधिक मामले दर्ज हैं. इसका खुलासा एडीआर की रिर्पोट में हुआ है. रिपोर्ट के अनुसार, बीजेपी के ३६ में से २०, कांग्रेस के १७ में ११, झामुमो के २३में ११, बीएसपी के २९ में से ८, राजद के पांच में से तीन और जदयू के दो में से दो उम्मीदवारों पर अपराधिक मामले दर्ज हैं.

गंभीर अपराध के मामले- बीजेपी के ३६ में से १५, कांग्रेस के १७ में से आठ झामुमो के २३ में से सात, बीएसपी के २९ में छह, राजद के पांच में से तीन और जदयू के दो में से दो उम्मीदवारों पर गंभीर अपराधिक मामले दर्ज हैं.

हत्या के मामले भी हैं दर्ज- पहले चरण में किस्मत आजमा रहे चार उम्मीदवारों पर हत्या के मामले दर्ज हैं. हत्या के प्रयास से जुड़े ४० उम्मीदवारों पर मामले दर्ज हैं. महिलाओं पर अत्याचार से जुड़े मामले ११ उम्मीदवारों पर दर्ज हैं.

63 उम्मीदवार की संपत्ति पांच करोड़ के पार-पहले चरण में किस्मत आजमा रहे ६८२ उम्मीदवारों में से ६३ उम्मीदवारों की संपत्ति पांच करोड़ से पार है. दो करोड़ से पांच करोड़ के बीच ७८ उम्मीदवारों की संपत्ति है. ५० लाख से दो करोड़ के बीच १९८, १० लाख से ५० लाख के बीच १९९ और १० लाख से कम संपत्ति वाले उम्मीदवारों की संख्या १४४ है. इस तरह पहले चरण में किस्मत आजमा रहे उम्मीदवारों की औसतन संपत्ति २.१६ करोड़ है.

93 उम्मीदवार पीजी और 16 हैं पीएचडी धारक- पहले चरण में किस्मत आजमा रहे उम्मीदवारों में दो निरक्षर, १८ साक्षर, पांचवां पास छह, आठवां पास ५२, १० वीं पास १०२, १२वीं पास १४८, ग्रेजुएट १८२, ग्रेजुएट प्रोफेशनल ५७, पीजी होल्डर ९३, पीएचडी धारक १६ और डिप्लोमाधारी छह उम्मीदवार हैं.

जेएमएम सरकार में शोषण की अति है : शिवराज सिंह

रांची (एजेंसी): केन्द्रीय कृषि मंत्री और झारखंड विधानसभा चुनाव प्रभारी शिवराज सिंह चौहान ने सोमवार को झारखंड की खिजरी विधानसभा से भाजपा के उम्मीदवार रामकुमार पाहन के समर्थन में सभा को संबोधित किया. इस दौरान शिवराज सिंह ने जेएमएम-कांग्रेस गठबंधन की सरकार पर हमला बोलते हुए कहा कि, गठबंधन सरकार ने वन संपदा, जल संपदा और खनिज संपदा से भरपूर सुंदर राज्य को तबाह और बर्बाद कर दिया है. पूरे प्रदेश को लूट लिया है. यहां नेताओं और मंत्रियों के घरों से पैसों के पहाड़ बरामद हो रहे हैं और झारखंड की जनता त्राही-त्राही कर रही है. जेएमएम ने झारखंड को विनाश की कगार पर लाकर खड़ा कर दिया है और यही वजह है कि, अब झारखंड की जनता ने जेएमएम-कांग्रेस गठबंधन की सरकार को उखाड़ फेंकने का मन बना लिया है. झारखंड में भारतीय जनता पार्टी ही सुशासन स्थापित करेगी.

अगर झारखंड को बचाना है तो एक नई क्रांति करनी पड़ेगी. आज जेएमएम-कांग्रेस गठबंधन सरकार में भी शोषण की अति हो गई है. झारखंड में भाजपा की सरकार बनते ही इन विदेशी घुसपैठियों को चुन-चुनकर बाहर निकाला जाएगा. इसलिए क्रांति की नई शुरुआत करनी पड़ेगी. 'उलगुलान' भगवान बिरसा मुंडा जी ने जिसका बिगुल फूंका था. यहां भी अब 'उलगुलान' की जरूरत है, एक नई क्रांति की जरूरत है.

हम मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, असम, ओडिशा और महाराष्ट्र में बहनों के खाते में सम्मान राशि दे रहे हैं. झारखंड में भी भाजपा की सरकार बनते ही बहनों के खाते में हर महीने की ११ तारीख को गोगो दीदी योजना के तहत २१०० रूपए की राशि डाली जाएगी. इतना ही नहीं गरीब बहनों को ५०० रूपए में गैस सिलेंडर दिया जाएगा और साल में दो बार त्योहार पर सिलेंडर मुफ्त दिए जाएंगे. महिला सशक्तिकरण भाजपा और पीएम मोदी का संकल्प है. भाजपा की सरकार बनते ही २ लाख ८७ हजार रिक्त पड़े पदों पर भर्ती प्रक्रिया शुरू कर दी जाएगी. पहले ही साल में डेढ़ लाख नौकरियां दी जाएंगी. बाकायदा कैलेंडर बनाकर तय किया जाएगा कि, किस तारीख को परीक्षा होगी, किस तारीख को रिजल्ट आएगा और किस तारीख को नियुक्ति पत्र वितरित किए जाएंगे. इतना ही नहीं ५ लाख नए स्वरोजगार उपलब्ध कराए जाएंगे. ग्रेजुएट और पोस्ट ग्रेजुएट युवाओं को २ साल तक २ हजार रूपए प्रति माह दिए जाएंगे ताकि वो अच्छी नौकरी की तैयारी कर सकें. झारखंड के युवाओं को पूरा न्याय मिलेगा.

भाजपा की सरकार बनने के बाद झारखंड की धरती पर हर गरीब को पक्का मकान बनाने के लिए राशि दी जाएगी और बालू फ्री दी जाएगी. कोई भी कच्ची छत के नीचे नहीं रहेगा. प्रधानमंत्री ने पदभार संभालते ही २ करोड़ मकान ग्रामीण और १ करोड़ मकान शहरी क्षेत्रों में बनाने का

योगी तीन चुनावी सभाओं को करेंगे संबोधित

रांची (एजेंसी): उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ५ नवंबर को तीन चुनावी सभाओं को संबोधित करेंगे. इसमें डोमचांच, बड़कागांव और जमशेदपुर की जनसभा शामिल है. कोडरमा में डोमचांच के चंद्रावती स्कूल ग्राउंड में सुबह १०:३० बजे से जनसभा होगी. हजारीबाग के बड़कागांव के प्लस टू हाई स्कूल मैदान में दोपहर १२:०० बजे से और जमशेदपुर के आम बागान ग्राउंड में दोपहर १:३० बजे से जनसभा होगी.

विस चुनाव को लेकर डीसी ने किया डिस्पैच सेंटर का निरीक्षण

रांची (एजेंसी): रांची डीसी सह जिला निर्वाचन पदाधिकारी वरुण रंजन ने सोमवार को आगामी विधानसभा चुनाव को लेकर मोरहाबादी स्थित डिस्पैच सेंटर का निरीक्षण किया. इस दौरान डीडीसी दिनेश कुमार यादव, सदर एसडीओ उत्कर्ष कुमार, जिला कल्याण पदाधिकारी, जिला परिवहन पदाधिकारी, जिला नज़ारत उप समाहर्ता, जिला खेल पदाधिकारी, एतच् नोडल पदाधिकारी, ऊठऊउ, उप निर्वाचन पदाधिकारी बिवेक सुमन, जिला आपूर्ति पदाधिकारी सम्बंधित सभी नोडल पदाधिकारी उपस्थित थे.

बता दें कि प्रथम चरण में १३ नवंबर को ५ विधानसभा क्षेत्रों में चुनाव है. चुनाव तमाड़, रांची, हटिया, कांके, मांडर में है. जिसके लिए १२ नवंबर को सामग्री डिस्पैच होना है. द्वितीय चरण में मतदान २० नवंबर को सिल्ली और खिजरी में होना है. जिसको लेकर १९ नवम्बर २०२४ को ही सामग्री का वितरण होगा.

डीसी वरुण रंजन द्वारा सभी सम्बंधित पदाधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा गया कि सभी व्यवस्था ससमय सुनिश्चित हो एवं मतदान कर्मियों को किसी प्रकार की समस्या ना हो इसको लेकर सभी तैयारी समय से पूरा कर लें. डीसी ने सम्बंधित पदाधिकारी को निर्देश देते हुए कहा कि मतदान कर्मियों के बैठने, पेयजल, शौचालय की व्यवस्था पहले से दुरुस्त रखें ताकि उन्हें किसी प्रकार की समस्या नहीं हो.

डीसी ने मतदान कर्मियों के लिए वाहन की भी समुचित व्यवस्था कराने का निर्देश दिया, ताकि उन्हें किसी प्रकार की समस्या ना हो. उन्होंने मतदान कर्मियों के भोजन की व्यवस्था (भुगतान के आधार पर) खाने के स्टॉल लगाने को कहा ताकि कम कीमत पर उन्हें भोजन मिल सके. इसके गडब्झड के द्वारा संचालित दीदी किचन के द्वारा व्यवस्था कराने को कहा.

पीएम बताये सरना धर्मकोड की गारंटी क्यों नहीं देते हैं : जेएमएम

रांची (एजेंसी): झारखंड मुक्ति मोर्चा के राष्ट्रीय महासचिव सह प्रवक्ता सुप्रियो भट्टाचार्य ने कहा कि झारखंड राज्य में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी घूम रहे हैं. गढ़वा गये, चाईबासा गये अच्छा है. उन्हें भी एहसास हो गया कि बीजेपी इस चुनाव में पराजित है.

चाईबासा, गढ़वा में जो रैली हुई. अमित शाह कल झूठ का पुलिंदा जारी किये. उसमें कोई विशेष बात नहीं, वह परिवारवाद पर बोले, बीजेपी अब परिवारवाद पर बोलेगी. वह सोमवार को हरमू स्थित पार्टी कार्यालय में पत्रकारों से मीडिया कॉन्फ्रेंस में बोल रहे थे.

सुप्रियो भट्टाचार्य ने कहा कि पीएम यह कौन सा परिवारवाद जब बोलने के लिये कुछ नहीं तो ऐसी बात क्यों. डबल इंजन की सरकार २०१९ में थी, २०१४ से थी. इस अवधि में कितने उद्योग लगे, कितने बंद हो गये. पीएम आप के मुंह से झूठ निकले यह ठीक नहीं. चुनाव से पहले जमशेदपुर गये, वंदे भारत को हरी झंडी दिखाया, आज से शुरू हुई जो गया से चली. १२ वंदे भारत हो गई. गया से रांची, रांची से चाईबास तक. ९ वंदे भारत रेल मंत्रालय चला रही, ३ पीएम चला दिये. ३ वंदे भारत कहा से आ गये. उन्होंने कहा कि रेलवे से पता किया तो पता चला कि गया से गढ़वा तक आज चलाई गई, गया से रांची, रांची से चाईबासा ३ हो गये. पीएम का इतना हल्का भाषन बोलने के लिये कुछ नहीं. बस एक बात का अपमान हो रहा, विदेशों में जो भारतीय लोग रहते थे, नागरिकता बताने में शर्म करते थे, पीएम ने कहा मेरे आने के बाद गर्व करते हैं. सुप्रियो ने कहा कि २.२० लाख भारतीयों ने अपनी नागरिकता छोड़ी विदेश के लिये. विदेश मंत्रालय, गृह मंत्रालय में पेश हुए हैं, संसद में पेश हुए हैं.

प्रधानमंत्री जी को इतना झूठ नहीं बोलना चाहिए, क्योंकि हरियाणा की जनता भी उन्हें सुन रही थी. अभी तक विज्ञापन भी नहीं निकला तो फिर आवेदन कहां से हो गया और नियुक्ति कहां से हो गई. चाईबासा की सभा में प्रधानमंत्री के पहुंचने से पहले ही मैदान खाली होने लगा. लोगों को ढोकर लाया गया था. हमारी सरकार ने हो भाषा को ८वीं अनुसूची में शामिल करने के लिए कैबिनेट से निर्णय लिया और मोदी जी कहते हैं कि यह मोदी की गारंटी है. सरना धर्मकोड की गारंटी क्यों नहीं देते हैं, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को यह बताना चाहिए. जातीय जनगणना तक की घोषणा नहीं की गई. पूर्व मुख्यमंत्री रघुवर दास ने हरमू मैदान में अंकिता नाम की एक लड़की के पिता को अपमान करने का काम किया था. इसके गवाह राज्यसभा सांसद दीपक प्रकाश भी हैं. भ्रष्टाचार पर बात करने वाले प्रधानमंत्री के बगल में भानु प्रताप शाही और कमलेश सिंह बैठे हुए थे. उन्हें कहना चाहिये, हमने झारखंड में आकर जो घोषणाएं की, उसको लागू नहीं किया इसके लिए हमें माफ कर दें. एक हताश, निराश और पराजित स्टार प्रचारक लौट कर चले गएएक मुख्यमंत्री माचिस लेकर प्रचार करने आयेंगे वो बाटेंगे तो काटेंगे का नारा देंगे.

मतदान दिवस पर कामगारों को मिलेगा सवैतनिक अवकाशः डीडीसी

बोकारो (ससे): समाहरणालय स्थित कार्यालय कक्ष में जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त के निर्देशानुसार सोमवार को उप विकास आयुक्त (डीडीसी) गिरजा शंकर प्रसाद ने जिले के निजी एवं सार्वजनिक उपक्रमों/कंपनियों के प्रबंधकों/प्रतिनिधियों के साथ बैठक की। मौके पर मीडिया कोषांग के नोडल पदाधिकारी अविनाश कुमार सिंह समेत अन्य उपस्थित थे।

बैठक क्रम में उप विकास आयुक्त (डीडीसी) ने सभी उपक्रमों/ कंपनियों के प्रतिनिधियों को बताया कि कार्मिक, प्रशासनिक सुधार तथा राजभाषा विभाग झारखंड द्वारा अधिसूचना जारी कर विधानसभा आम चुनाव २०२४ में मतदान की तिथि* को लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, १९६१ की धारा-१३५ख के तहत निम्नांकित प्रावधानों का अनुपालन किया जाना है।

किसी कारबार, व्यवसाय, औद्योगिक उपक्रम या किसी अन्य स्थापन में नियोजित प्रत्येक व्यक्ति को, जो लोकसभा या किसी राज्य की विधान सभा के लिए निर्वाचन में मतदान करने का हकदार है। मतदान के दिन अवकाश मंजूर किया जाएगा।

उपधारा (१) के अनुसार अवकाश मजूर किये जाने के कारण किसी ऐसे व्यक्ति की मजदूरी से कोई कटौती या उसमें कोई कमी नहीं की जाएगी और यदि ऐसा व्यक्ति इस आधार पर नियोजित किया जाता है कि उसे सामान्यतया किसी ऐसे दिन के लिए मजदूरी प्राप्त नहीं होगी तो इस बात के होते हुए भी, उसे ऐसे दिन के लिए वह मजदूरी संदत्त की जायेगी जो उस दिन उसे अवकाश मंजूर न किये जाने की दशा में दी गयी होती।

यदि कोई नियोजक उपधारा (१) और उपधारा (२) के उपबंधों का उल्लंघन करेगा, वो ऐसा नियोजक जुर्माने से, जो पाँच सौ रूपये तक का हो सकेगा, दंडनीय होगा।

यह धारा किसी ऐसे निर्वाचक को लागू नहीं होगी, जिसकी अनुपस्थिति से उस नियोजन के संबंध में जिसमें वह लगा हुआ है, कोई खतरा या सारवान हानि हो सकती है।

उपरोक्त प्रावधानों के अनुसार सभी निर्वाचक जो प्रतिष्ठानों और दुकानों के कर्मचारी हैं, जिनमें शिफ्ट के आधार पर काम करने वाले लोग भी शामिल हैं। उन्हें उस निर्वाचन क्षेत्र में मतदान के दिन सवेतन अवकाश दिया जाएगा, जहाँ विधानसभा आम चुनाव आयोजित होने वाला है।

इसके अलावा ऐसे मामले भी हो सकते हैं, जहाँ कोई व्यक्ति सामान्य रूप से निर्वाचन क्षेत्र का निवासी है और निर्वाचक के रूप में पंजीकृत है, वह सामान्य मतदान वाले निर्वाचन क्षेत्र के बाहर स्थित किसी औद्योगिक उपक्रम या प्रतिष्ठान में सेवारत या नियोजित हो सकता है। ऐसी स्थिति में संबंधित निर्वाचन क्षेत्र के बाहर कार्य करने वाले श्रमिक मतदाता भी लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम १९५१ की धारा १३५ख (१) के तहत सवैतनिक अवकाश के हकदार होंगे। दैनिक वेतनभोगी/ अनौपचारिक कर्मचारी भी मतदान के दिन अवकाश और वेतन के हकदार होंगे।

इस संबंध में उप विकास आयुक्त (डीडीसी) ने कहा कि सभी निजी औद्योगिक संस्थानों एवं सार्वजनिक उपक्रमों के मतदाताओं को मतदान की सुविधा उपलब्ध कराने के लिए कार्मिक,प्रशासनिक सुधार तथा राजभाषा विभाग द्वारा जारी दिशा-निर्देशों से अवगत करा दिया गया है।

राज्य में १३ एवं २० नवंबर को मतदान दिवस है। सभी इसका शत - प्रतिशत अनुपालन सुनिश्चित करेंगे।

बैठक में बोकारो स्टील लिमिटेड, सीसीएल, आइओसीएल, बीपीसीएल, सीटीपीएस, ओएनजीसी, डीवीसी आदि कंपनियों के प्रतिनिधि, जिला उद्योग केंद्र के प्रबंधक आदि शामिल थे।

झारखंड की जनता चुनेगी योग्य व सशक्त सरकार : अधिवक्ता इन्द्रजीत

डुमरी (ससे): झारखंड में सरकार बनाने हेतु एनडीए चुनाव नहीं लड़ रहा है बल्कि झारखंड की जनता को भय, भूख,भ्रष्टाचार आतक व विदेशी घुसपैठियों से निजात दिलाने के लिए वर्तमान विधानसभा चुनाव लड़ा जा रहा है।उक्त बातें सोमवार को भाजपा नेता सह वरीय अधिवक्ता इंद्रजीत कुमार जायसवाल ने पत्रकारों से कहीं। उन्होंने कहा कि सन ७४ की जेपी आंदोलन की तरह झारखंड में एनडीए के पक्ष में हवा चल रही है।

झारखंड भारत का अभिन्न अंग है।झारखंड वासी विदेशी घुसपैठिए के हाथों इसे गिरवी नहीं रखेंगे।झारखंड राज्य बनाने का सपना २००० में तत्समय के प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी ने पूरा किया।लालू प्रसाद यादव ने कहा था झारखंड मेरी लाश पर बनेगी झामुमो जो झारखंड आंदोलन की अगुवाई करता था आज इस राजद के साथ मिलकर सत्ता का सुख भोग रही है।चाल चरित्र चेहरा बेनकाब हो गया है व जनता २० नवंबर को झारखंड का नया इतिहास लिखेगी २३

नवंबर का दिन झारखंड के इतिहास में स्वर्णिम अच्छरों में अंकित होगा झारखंड की ८१ सीटों में से एनडीए गठबंधन ६० से अधिक सीटों पर सफल होगी एनडीए के कार्यकर्ता गांव के बूथों तक मतदान सुनिश्चित करने के लिए सक्रिय है।

खाली खेतों में गिरा वायुसेना का विमान पायलट सुरक्षित

आगरा (ईएमएस): सोमवार को वायुसेना का एक विमान हादसे का शिकार हो गया। आगरा के कागारौल के सोंगा गांव के पास वायुसेना का विमान खाली खेत में गिर गया। जमीन पर गिरते ही विमान में भयंकर आग लग गई। विमान में सवार पायलट समेत २ लोगों ने खेत में कूदकर जान बचाई। बता दें कि वायुसेना का एमआईजी-२९ लड़ाकू विमान क्रैश हुआ। विमान से पायलट और उनके साथी दो किलोमीटर दूर गिरे। विमान ने पंजाब के आदमपुर से उड़ान भरी थी और अभ्यास के लिए आगरा जा रहा था, तभी यह हादसा हो हुआ। वायुसेना ने कोर्ट ऑफ इंक्वायरी के आदेश दिए हैं।

सूत्रों ने बताया कि जब विमान हवा में उड़ रहा था तभी अचानक उसमें आग लग गई और देखते ही देखते विमान आग की लपटों में घिर गया। इसके बाद विमान ने एक खेत में क्रैश लैंडिंग की। क्रैश के समय विमान में एक भयंकर धमाका हुआ जिससे आग और भी ज्यादा भड़क गई। घटना के बाद मौके भारी संख्या में लोग जमा हो गए थे।

नुक्कड़ नाटक के माध्यम से मतदान करने का दिया गया संदेश

बोकारो (ससे): आगामी विधानसभा आम चुनाव २०२४ को लेकर मतदान प्रतिशत बढ़ाने के लिए स्वीप कोषांग द्वारा विभिन्न गतिविधि का आयोजन किया जा रहा है। इसी क्रम में सोमवार को जिले के सिटी पार्क में रंगोली, दीपोत्सव और नुक्कड़ नाटक के माध्यम से मतदान के महत्व से मतदाताओं को जागरूक किया गया।

रंगोली, दीपोत्सव और नुक्कड़ नाटक के माध्यम से टीम के सदस्यों ने मतदान के महत्व, वोट देने का अधिकार और निष्पक्ष चुनाव प्रक्रिया का संदेश दिया। नोडल पदाधिकारी स्वीप कोषांग सह जिला आपदा प्रबंधन पदाधिकारी शक्ति कुमार ने पार्क में उपस्थित लोगों को आगामी २० नवंबर को मतदान करने के लिए प्रेरित किया एवं उन्हें दूसरे को मतदान करने के लिए जागरूक करने को कहा। सभी को मतदाता प्रतिज्ञा दिलाया। मौके पर नोडल पदाधिकारी डॉ. सुमन गुप्ता समेत स्वीप कोषांग के अन्य सदस्य उपस्थित थे।

अस्थायी पटाखा दुकान में आग लगने का मामला

बोकारो (ससे): पिछले दिनों गरगा पुल समीप बनाये गये अस्थायी पटाखा दुकानों में आग लगने, कई पटाखों के दुकानों के जल जाने एवं सामग्रियों की क्षति होने के संबंध में उपायुक्त विजया जाधव ने संज्ञान लिया है। उन्होंने मामले की जांच कर विस्तृत रिपोर्ट समर्पित करने के लिए तीन सदस्यीय जांच कमेटी गठित की है। जांच कमेटी के अध्यक्ष उप विकास आयुक्त गिरजा शंकर प्रसाद को बनाया गया है, जबकि पुलिस उपाधीक्षक नगर एवं जिला आपदा प्रबंधन पदाधिकारी को सदस्य नामित किया गया है।

सेल ने हैदराबाद के साथ समझौता ज्ञापन पर किया हस्ताक्षर

नई दिल्ली (ससे): स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड (सेल) और एडमिनिस्ट्रेटिव स्टाफ कॉलेज ऑफ इंडिया (एएससीआई), हैदराबाद के बीच ०४ नवंबर, २०२४ को कंपनी के नई दिल्ली स्थित कॉर्पोरेट ऑफिस में अकादमिक सहयोग के लिए एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किया गया। यह समझौता ज्ञापन सेल केनव-पदोन्नत अधिकारियोंसहित दूसरे कार्मिकों के लिए अनुकूलित प्रबंधन विकास कार्यक्रमों के संचालन की सुविधा प्रदान करेगा।

इस तरह के प्रतिष्ठित संस्थानों के साथ साझेदारी सेल की समग्र शिक्षा और विकास रणनीति का हिस्सा है, जिससे कंपनी के अधिकारियों को और अधिक अकादमिक अनुभव मिल सकेगा और उन्हें नेतृत्व की भूमिकाओं के लिए तैयार किया जा सकेगा। इस समझौता ज्ञापन पर सेल के निदेशक (कार्मिक) श्री केके सिंह और एएससीआई, हैदराबाद के निदेशक डॉ. निर्मल्या बागची की उपस्थिति में किए गए।

स्टेटिक सर्विलांस टीम सभी वाहनों की करें जांच : डीसी

बोकारो (ससे): विधानसभा आम चुनाव २०२४ की तिथियां घोषित होने के साथ ही जिले के विभिन्न चौक - चौराहों पर स्टेटिक सर्विलांस टीम (एसएसटी) द्वारा छोटे - बड़े वाहनों की जांच की जा रही है। सोमवार को जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त (डीसी) विजया जाधव ने विधि व्यवस्था समेत निर्वाचन को देखते हुए जिले के सीमावर्ती पेटरवार थाना अंतर्गत फारेस्ट गेस्ट हाउस समीप एसएसटी चेकपोस्ट का औचक निरीक्षण किया।

उन्होंने प्रतिनियुक्त स्टेटिक सर्विलांस टीम (एसएसटी) के वाहन जांच पंजी की जांच की। साथ ही उन्हें चुनाव आयोग के दिशा-निर्देश से अवगत कराया। कहा कि छोटे - बड़े सभी वाहनों की जांच करें।

अगर कोई आपत्ति जनक सामग्री व राशि पाई जाती है, तो जब्ती की कार्रवाई करते हुए अविलंब जिला प्रशासन को उसकी सूचना दें। स्वयं जिला निर्वाचन पदाधिकारी (डीईओ) सह उपायुक्त (डीसी) ने कई छोटे - बड़े - लक्जरी वाहनों की जांच की। वाहनों के डैस बोर्ड/ डिक्की आदि को देखा। इसके अलावा विधि व्यवस्था के लिए तैनात पुलिस कर्मियों को भी जरूरी दिशा-निर्देश दिया।

अपनी तारीफ सुन गदगद हुए सीएम नीतीश

पटना (एर्जेसी): बिहार की राजधानी पटना में रविवार को चित्रगुप्त पूजा के अवसर पर एक अलग ही नजारा देखने को मिला. प्रदेश के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने भाजपा के पूर्व राज्यसभा सांसद आरके सिन्हा का पैर छूकर उनका अभिनंदन किया. दरअसल, पटना सिटी में नोजर घाट पर स्थित आदि चित्रगुप्त मंदिर में चित्रगुप्त पूजा के अवसर पर एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया था. इस आयोजन का नेतृत्व पूर्व राज्यसभा सांसद आरके सिन्हा ने किया था. मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने इस अवसर पर मंदिर की व्यवस्थाओं और पुनर्निर्माण कार्य को लेकर विशेष निर्देश दिए थे, जिसके लिए आरके सिन्हा ने मुख्यमंत्री का धन्यवाद ज्ञापित किया.

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने आरके सिन्हा के धन्यवाद का जवाब देते हुए उनके पैर छूकर सम्मान प्रकट किया. यह वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है. इस वीडियो को लेकर लोग तरह-तरह की प्रतिक्रिया दे रहे हैं. भाजपा के पूर्व राज्यसभा सांसद आरके सिन्हा मंच से कह रहे थे कि सीएम नीतीश कुमार का मंदिर पर विशेष ध्यान है. सीएम नीतीश कुमार के विशेष दिशा-निर्देश के बाद इस मंदिर में व्यवस्था ठीक की जा रही है. उन्होंने कहा कि सीएम के निर्देश पर ही मंदिर का पुनर्निर्माण संभव हुआ. इसके बाद, नीतीश कुमार अपनी जगह से उठकर आरके सिन्हा की ओर बढ़े और उनका पैर छू लिया. इस दौरान आरके सिन्हा ने उन्हें रोकने की कोशिश की और सीएम नीतीश कुमार के कंधे पर हाथ रखकर उन्हें गले लगाने की कोशिश की.

इससे पहले नीतीश कुमार ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के भी पैर छुए थे. लोकसभा चुनाव के बाद संसद में एनडीए नेताओं की बैठक के दौरान बिहार के मुख्यमंत्री ने पीएम मोदी के पैर छुए थे. हालाकि, इस दौरान पीएम मोदी ने उन्हें रोकने की कोशिश की थी.

ईरानी पर्यटक ने मंदिर में नमाज पढ़ने पर मांगी माफी

आगरा (ईएमएस): आगरा में ताजमहल घूमने आए एक ईरानी ने मंदिर में जाकर नमाज पढ़ी। यह मामला सामने आने और पकड़े जाने के बाद ईरानी परिवार ने माफी भी मांग ली है। ईरानी परिवार ने कहा कि मंदिर में साफ-सफाई देखकर नमाज पढ़ ली थी। बता दें कि ताजमहल के पूर्वी गेट के पास एक मंदिर बना हुआ है। मंदिर के अंदर एक ईरानी पर्यटक ने नमाज़ पढ़ ली। जिसके बाद वहां हंगामा हो गया था। सूचना पर ताज सुरक्षा पुलिस मौके पर पहुंचकर जांच की तो ईरानी पर्यटक ने बताया कि उन्हें नहीं पता था कि यह मंदिर है। साफ-सफाई देखी तो उन्होंने नमाज पढ़ ली। ईरानी परिवार ने इसे लेकर माफी भी मांग ली है। मामला सोमवार का बताया जा रहा है। इस दौरान पुलिस ने पर्यटकों से बातचीत की और उनका पासपोर्ट चेक किया। पूछताछ में ईरानी परिवार ने बताया कि ताजमहल देखने के बाद बाहर आये तो काफी भीड़ जमा थी। ईरानी परिवार ने कहा कि मंदिर का दरवाजा खुला हुआ था और मंदिर में कोई भी नहीं था। बाद में पता लगा कि यह मंदिर है। पिता और बेटी ने माफी मांगी और कहा कि वह किसी की भी धार्मिक भावना को आहत नहीं करना चाहते हैं। ईरानी परिवार का माफी मागने का वीडियो भी वायरल हुआ है। एसीपी अरीब अहमद ने मौखिक तौर पर बताया कि ईरानी परिवार ताजमहल घूमने आया था। उन्होंने गलती से मंदिर में नमाज पढ़ ली थी। ईरानी परिवार ईरान में प्रोफेसर के पद पर है।

उत्पाद विभाग ने अवैध विदेशी शराब फैक्ट्री का किया उद्भेदन

बोकारो (ससे): जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त विजया जाधव के निर्देशानुसार एवं सहायक आयुक्त उत्पाद बोकारो के मार्ग दर्शन में विधानसभा चुनाव के आलोक में जिला उत्पाद बल के सहयोग से दुग्दा थाना अंतर्गत बुढ़ीदीह क्षेत्र में छापामारी किया गया। छापामारी के क्रम में अवैध विदेशी शराब की मिनी फैक्ट्री का उद्भेदन किया गया। जहां भारी मात्रा में शराब निर्माण की सामाग्री एवं तैयार शराब बरामद किया गया। मामले में संलिप्त अभियुक्तों पर उत्पाद अधिनियम की सूसंगत धाराओं के आधार पर अभियोग दर्ज किया जा रहा है। छापामारी दल में निरीक्षक उत्पाद बिजय कुमार पाल, अवर निरीक्षक सदर-सह-तेनुघाट, सन्नी विवेक तिर्की, अवर निरीक्षक बेरमो-सह-चंदपुरा महेश दास उपस्थित थे।

मौके से टीम ने कुल ०५ लाख ०८ हजार ४७० रूपये मूल्य का सामान जब्त किया है। जिसमें विदेशी शराब- ६ पेटी में ७२ पीस कुल ५४ लीटर, शुष्व पांच जरकीन में २२५ लीटर, तैयार विदेशी शराब- १० जरकीन में ४५० लीटर, ब्लैक टाइगर व्हिस्की के लेबल का एक रोल, १११ व्हिस्की के लेबल का एक रोल, नंबर एक व्हिस्की, बी सेवन व्हिस्की, आर सी व्हिस्की एवं आइकोनिग वाइट व्हिस्की का लेबल का बंडल, झारखंड सरकार का नकली ईएएल, विभिन्न ब्रांड के ढक्कन, खाली बोतल एवं पेट बोतल इत्यादि शामिल है।

सपा ने कांग्रेस को झारखंड में भी दिया जोर का झटका

लखनऊ (एर्जेसी): समाजवादी पार्टी और कांग्रेस के बीच दरार गहराती जा रही है या सपा को इंडिया अलायंस में वो तवज्जो नहीं दी जा रही है जिस पर वह दावा कर रही है? ये सवाल हाल में हुए कुछ सियासी घटनाक्रमों के चलते खड़े किए जा रहे हैं. हरियाणा से लेकर जम्मू-कश्मीर में जहां सपा को एक भी सीट नहीं मिली तो महाराष्ट्र में भी पार्टी को मनमुताबिक सीटें नहीं मिलीं. सूत्रों की मानें तो सपा प्रमुख इससे नाखुश हैं. इसी बीच अखिलेश यादव ने झारखंड में २१ सीटों पर उम्मीदवार उतारकर गठबंधन में रोड़े की अटकलों को और बल दिया है.

यूपी लोकसभा चुनाव में मिली जीत से गदगद अखिलेश यादव दूसरे राज्यों में पार्टी की पैठ मजबूत करना चाहते हैं लेकिन इंडिया अलायंस में उनको वो भाव नहीं मिल रहा है. हरियाणा और जम्मू कश्मीर दो ऐसे राज्य हैं, जहां सपा चुनाव लड़ना चाहती थी लेकिन गठबंधन में एक भी सीट नहीं मिली. इसके बाद महाराष्ट्र में भी सीटों पर माथापच्ची देखने को मिली.

सूत्रों की मानें तो झारखंड में भी अखिलेश एक सीट गठबंधन में चाहते थे लेकिन उनके हाथ खाली रहे. इसी बीच सपा ने २१ सीटों पर प्रत्याशी उतारने का ऐलान कर दिया.

चित्रगुप्त सामाजिक संस्थान ने कलमजीवियों को किया सम्मानित

पटना (कासं): सामाजिक सांस्कृतिक संस्था चित्रगुप्त सामाजिक संस्थान के ५१वें समरोह के अवसर आज भगवान श्री चित्रगुप्त पूजनोत्सव की पूर्व संध्या पर सांस्कृतिक संध्या सह सम्मान समारोह का आयोजन गिरिराज उत्सव पैलेस में किया गया। समारोह का उद्घाटन बिहार विधान सभा के अध्यक्ष श्री नन्द किशोर यादव ने दीप प्रज्वलित कर किया।

समारोह की अध्यक्षता ख्यातिप्राप्त चिकित्सक पद्मश्री डॉक्टर गोपाल प्रसाद सिन्हा ने की। कार्यक्रम का संचालन कमलनयन श्रीवास्तव ने किया। इस अवसर पर 'कलमजीवी' पत्रिका के ५१ वें अंक का लोकार्पण किया गया। इस अवसर पर बतौर मुख्य अतिथि पूर्व केंद्रीय मंत्री एवं सांसद रविशंकर प्रसाद विशिष्ट अतिथि के रूप में उप महापौर, श्रीमती रेशमी चन्द्रवंशी, समाजसेवी श्री राजेश बल्लभ, दूरदर्शन के राज कुमार नाहर उपस्थित रहे।

पूर्व केन्द्रीय मंत्री रवि शंकर प्रसाद ने कहा कि समाज और राष्ट्र के नवनिर्माण में कलमजीवियों का महत्वपूर्ण योगदान है। राजनैतिक क्षेत्र हो या सामाजिक , आध्यात्मिक क्षेत्र हो या साहित्यिक हर क्षेत्र में चित्रांश आगे रहे हैं।

पद्मश्री डॉ. गोपाल प्रसाद सिन्हा ने कहा कि जाति और मजहब से कलम ऊपर है। भगवान चित्रगुप्त समस्त प्राणी जगत के पाप पुण्य का लेखा जोखा करते हैं। उन्हें जाति और धर्म से नहीं बांधा जा सकता है। बिहार विधानसभा अध्यक्ष नंदकिशोर यादव ने कहा कि भगवान श्री चित्रगुप्त जाति विशेष के नहीं बल्कि प्राणी जगत के अक्षरदाता हैं। राष्ट्र एवं समाज के नव निर्माण एवं साक्षर बनाने में कलमजीवियों की अहम भूमिका है।

समारोह के मौके पर ५१ कलमजीवियों को नामित सम्मानों से सम्मानित किया गया। सुप्रसिद्ध कथक नृत्यांगना डा.रमा दास का लाइफ टाइम अचीभमेंट अवार्ड सम्मानित किया गया। पद्मश्री डॉ नरेन्द्र प्रसाद सम्मान (डॉ. शंकर नाथ ख्यातिनाम सर्जन पटना),डॉ. दीनानाथ शरण सम्मान (श्रीमती पूनम कतरियार साहित्यकार), प्रधान ज्वाला प्रसाद सम्मान(ई० किशोर

कुमार सेवानिवृत्त अधीक्षण अभियंता व समाजसेवी), प्रो० (डॉ०) इन्दिरा सिन्हा सम्मान (डॉ. दिव्या सहाय प्राध्यापिका, पटना),पद्मश्री डॉ० शैलेन्द्रनाथ श्रीवास्तव सम्मान (प्रो० के. सी. सिन्हा पूर्व कुलपति),डॉ. हरिवंश राय 'बच्चन' सम्मान (डॉ अनीता राकेश साहित्यकार) ,गीतकार गोपीबल्लभ सहाय सम्मान (श्रीमती प्रेरणा प्रताप कवयित्री एवं दूरदर्शन उद्घोषिका), कृष्णा जमैय्यार सम्मान (डॉ. अणिमा श्रीवास्तव शिक्षिका),रणधीर प्रसाद वर्मा सम्मान (श्री अंजनी सिन्हा बिहार पुलिस सेवा (अवकाश प्राप्त), डॉ. मुरलीधर श्रीवास्तव 'शेखर' सम्मान (श्रीमती प्रियंका श्रीवास्तव 'शुभ्र ' लेखिका),हिमांशु श्रीवास्तव सम्मान (श्रीमती ऋचा वर्मा लघुकथाकार), कविवर सुरेन्द्र नाथ सक्सेना सम्मान (श्रीमती आराधना प्रसाद कवयित्री),डा० स्वामीनन्दन प्रसाद सम्मान (डा० अमिताभ सिन्हा सीनियर यूरोलोजिस्ट, पटना), अनिल कुमार सिन्हा सम्मान (श्री रवि नन्दन प्रसाद समाजसेवी), राजू श्रीवास्तव सम्मान (श्री अभय सिन्हा अभिनेता एवं निदेशक), ठाकुर प्रसाद सम्मान (न्यायमूर्ति अमरेश कुमार लाल(अवकाश प्राप्त) पटना उच्च न्यायलय),

जटाशंकर दास सम्मान (श्रीमती विमला दत्त मधुबनी पेंटिंग, मधुबनी), डा.फणिभूषण प्रसाद सम्मान (डा. कुमार राहुल रेडियोलोजिस्ट, पटना),' कायस्थ रत्न' कृष्णनन्दन सहाय सम्मान (डॉ. आशीष कुमार सिन्हा निगम पार्षद (वार्ड-३८) पटना नगर निगम), हरेन्द्र कुमार सम्मान (श्री केतन आनंद समाजसेवी), कामेश चंद्र श्रीवास्तव सम्मान (डा. मनोज सन्ढवार सहायक प्राध्यापक एवं समाजसेवी), राजू श्रीवास्तव सम्मान २०२३ (धामा वर्मा) ,चित्रगुप्त सेवा सम्मान, प्रो. (डॉ०) प्रवीण कुमार प्राचार्य, ए० एन० कॉलेज, पटना,श्री कुमार गौरी शंकर सिन्हा ,समाजसेवी , श्रीमती हैप्पी श्रीवास्तव शिक्षिका एवं नृत्यांगना, छपरा,श्रीमती सीमा रानी पूर्व शिक्षिका एवं साहित्यकार,श्रीमती अपराजिता रंजना कवयित्री, श्रीमती प्राची श्रीवास्तव अभिनेत्री एवं गायिका,श्रीमती गीतावली सिन्हा लेखिका एवं समाज सेविका,श्रीमती श्वेता गजल कवयित्री एवं लेखिका,श्रीमती सुरभि सहाय महिला उद्यमी,डॉ. अभिषेक श्रीवास्तव लेखक एवं प्रेरक वक्ता श्री प्रेम कुमार उपसंपादक यूनीवार्ता,श्री संजीव दयाल वित्त प्रबंधन सलाहकार,श्री प्रसाद रत्नेश्वर नाट्य एवं संस्कृतिकर्मी, पूर्वी चम्पारण,डॉ. प्रमोद कुमार साहित्य एवं समाजसेवी ,श्री प्रेम बल्लभ सहाय सीनियर क्रिकेटर एवं सीनियर एन.आई. एस. क्रिकेट कोच साउथ जोन श्रीमती अंकिता सिन्हा अभिनय एवं निर्देशन, बेगूसराय,एवं अन्य शामिल हैं।

उन्हें शाल, प्रतीक चिन्ह एवं पौधा देकर सम्मानित किया गया।अतिथियों का स्वागत पूर्व वार्ड पार्षद अवधेश कुमार सिन्हा और धन्यवाद ज्ञापन संस्था के अध्यक्ष गणेश सिन्हा ने दिया। मौके पर इस अवसर पर प्रो. डा. सुधा सिन्हा की पुस्तक भारत विश्वगुरू की ओर हाथों में भक्ति की डोर का लोकापर्ण किया गया।

कार्यक्रम में उजाला राज, मधुरम , प्राची श्रीवास्तव, हैप्पी श्रीवास्तव,सार्थक सक्सेना, राहुल श्रीवास्तव, कुमार पंकज सिन्हा,मधुरेश शरण,अविनाश नारायण लाल और प्रेम कुमार की प्रस्तुतियां सराही गयी। कार्यक्रम को सफल बनाने में धीरज कुमार सिन्हा, डा.अशोक सिन्हा, मनीष माथुर, डा. प्रमोद कुमार, सार्थक सक्सेना, संजीव दयाल, कुमार गौरी शंकर सिन्हा,रवि श्रीवास्तव और राजेश राज सक्रिय रहे।,

रणजी ट्रॉफी के बाद भारतीय विकेटकीपर रिद्धिमान साहा लेंगे क्रिकेट से संन्यास

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत के विकेटकीपर रिद्धिमान साहा ने घोषणा की है कि वे इस साल 2024-25 रणजी ट्रॉफी सीजन के बाद क्रिकेट से संन्यास ले लेंगे, जिससे उनके 17 साल लंबे करियर का समापन हो जाएगा। साहा फिलहाल बेंगलुरु में कर्नाटक के खिलाफ बंगाल के चौथी राउंड मैच की तैयारी में जुटे हैं। उन्होंने सोशल मीडिया पर इस फैसले की जानकारी दी। उन्होंने एक्स पर लिखा, क्रिकेट में एक यादगार सफर के बाद, यह मेरा आखिरी सीजन होगा। बंगाल की ओर से रणजी ट्रॉफी में खेलते हुए संन्यास लेना मेरे लिए सम्मान की बात है। आइए इस सीजन को खास बनाएं। 39 साल के साहा ने 2022-23 में बंगाल टीम के साथ विवाद के कारण टीम से दूरी बना ली थी। बंगाल क्रिकेट संघ (सीएबी) के सचिव देबब्रत दास ने उन पर खेलने से बचने के बहाने बनाने का आरोप लगाया था। लेकिन इस सीजन में साहा ने टीम में वापसी की और रणजी ट्रॉफी के पहले दो मैचों में खेला। साहा ने भारत के लिए 40 टेस्ट खेले हैं, जिनमें उन्होंने 1353 रन बनाए, जिसमें तीन शतक और छह अर्धशतक शामिल हैं। लंबे समय तक वह टीम इंडिया के साथ जुड़े रहे, लेकिन ऋषभ पंत के आने से टीम में उनकी जगह बनाना मुश्किल हो गया, हालांकि वह कई बार दूसरे विकेटकीपर के रूप में शामिल होते रहे। साहा ने दिसंबर 2021 में आखिरी बार भारत के लिए खेला था और 2023 में उन्हें सेंट्रल कॉन्ट्रैक्ट से रिलीज कर दिया गया था। आईपीएल 2025 की नीलामी से पहले, गुजरात टाइटंस ने उन्हें रिटेन नहीं किया। साहा उन चुनिंदा खिलाड़ियों में से एक हैं जिन्होंने 2008 से हर सीजन आईपीएल में खेला है। उन्होंने पहले सनराइजर्स हैदराबाद, चेन्नई सुपर किंग्स, कोलकाता नाइट राइडर्स और पंजाब किंग्स के लिए भी खेला है। 2014 के फाइनल में, जब पंजाब किंग्स उपविजेता बनी थी, साहा ने 55 गेंदों पर नाबाद 115 रन बनाकर ऐतिहासिक शतक बनाया था।

सुनील गावस्कर ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सीरीज से पहले

भारतीय क्रिकेट टीम से किया आग्रह

नईदिल्ली, एजेंसी। भारत के महान बल्लेबाज सुनील गावस्कर ने टीम इंडिया से ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पांच मैचों की टेस्ट सीरीज से पहले अभ्यास मैच खेलने का आग्रह किया है। भारत को इंडिया ए के साथ एक इंट्रा-स्क्वाड अभ्यास मैच खेलना था, जिसे उन्होंने रद्द कर दिया है। हालांकि गावस्कर ने टीम को मैचों के बीच अभ्यास मैच खेलने की सलाह दी है। पूर्व बल्लेबाज ने कहा कि जो युवा खिलाड़ी ऑस्ट्रेलिया में कभी नहीं खेले हैं, उन्हें खुद को परिस्थितियों के अनुकूल ढाल लेना चाहिए। ध्रुव जुरेल, सरफराज खान और यशस्वी जायसवाल जैसे भारतीय युवा खिलाड़ी ऑस्ट्रेलिया में अपना पहला टेस्ट खेलेंगे और इसलिए उन्हें गति और उछाल के अभ्यस्त होने में कुछ समय लग सकता है। गावस्कर ने कहा, मुझे सच में लगता है कि उन्हें अभ्यास मैच खेलना चाहिए। टेस्ट मैचों के बीच के अंतराल में उन्हें वास्तव में अभ्यास मैच खेलने चाहिए। जरूरी नहीं कि सीनियर खिलाड़ियों के लिए। लेकिन जूनियर खिलाड़ियों के लिए भी जिन्होंने पहले कभी ऑस्ट्रेलिया में नहीं खेला है। यशस्वी जायसवाल, सरफराज खान, ध्रुव जुरेल्स ये सभी युवा बल्लेबाज हैं। यहां तक कि ऑस्ट्रेलिया ए टीम या क्वींसलैंड जैसी स्टेट टीम के खिलाफ भी। जूनियर खिलाड़ियों को ऑस्ट्रेलिया में उछाल और पिचों के अभ्यस्त होने का अवसर दिया जाना चाहिए। गावस्कर ने आगे भारत को सलाह दी कि वे जितना हो सके उतना अभ्यास करें और थ्रो डाउन के बजाय नियमित गेंदबाजी खेलने पर ध्यान केंद्रित करें। उन्होंने कहा, बस खुद पर भरोसा रखें। जितना हो सके उतना अभ्यास करें। मुझे लगता है कि थ्रोडाउन का सामना करना कुछ हद तक फायदेमंद है। लेकिन नियमित गेंदबाजी का सामना करना ज़्यादा जरूरी है।

यह देखना दिलचस्प होगा कि भारत किस तरह वापसी करता है: गिलक्रिस्ट

नई दिल्ली, एजेंसी। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व विकेटकीपर–बल्लेबाज एडम गिलक्रिस्ट ने कहा है कि न्यूजीलैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज में 3–0 की हार के बाद भारत जिस तरह वापसी करेगा, उसे देखना दिलचस्प होगा, जब वे आगामी बॉर्डर–गावस्कर ट्रॉफी सीरीज में ऑस्ट्रेलिया का सामना करेंगे। भारत न्यूजीलैंड के खिलाफ घरेलू मैदान पर 3–0 की अभूतपूर्व हार झेलने के बाद इस महत्वपूर्ण सीरीज के लिए ऑस्ट्रेलिया का दौरा करेगा जो 12 वर्षों में घरेलू मैदान पर उसकी पहली टेस्ट सीरीज हार है। गिलक्रिस्ट ने कहा, मैं उनसे आसानी से हारने की उम्मीद नहीं कर रहा हूं, लेकिन मुझे लगता है कि उस हार और इस तथ्य के बाद कि यह एक क्लीन स्वीप था – मुझे याद नहीं है कि उनके साथ ऐसा कब हुआ है, सिर्फ एक सीरीज हारना, क्लीन स्वीप की तो बात ही छोड़िए। मुझे लगता है कि इससे आंतरिक रूप से कुछ सवाल उठेंगे और एक जुनूनी क्रिकेट राष्ट्र से उस बदलाव को देखने का दबाव, अपेक्षा और इच्छा, उन सभी खिलाड़ियों के कंधों पर भारी पड़ेगी। गिलक्रिस्ट ने कहा, वहां (टीम में) कुछ उम्रदराज खिलाड़ी हैं जो शायद खुद पर थोड़ा संदेह करना शुरू कर दें।

अगर मैं उनके बल्लेबाजी क्रम में होता तो मैं नर्वस होता

नई दिल्ली, एजेंसी। इस साल अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास लेने वाले डेविड वार्नर ने कहा कि अगर वह आगामी बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी में ऑस्ट्रेलिया का सामना करने वाली भारतीय टीम में बल्लेबाज होते तो नर्वस होते। उन्होंने यह बयान भारत के हाल ही में न्यूजीलैंड के खिलाफ 3-0 की सीरीज में खराब प्रदर्शन के बाद दिया है। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ भारत की आगामी पांच मैचों की टेस्ट सीरीज 22 नवंबर को पर्थ में शुरू होगी।

वॉर्नर ने कहा, न्यूजीलैंड की ओर से यह बिल्कुल उल्लेखनीय था। टॉम (लैथम) और वहां के खिलाड़ियों को बधाई। मैं उस पहले टेस्ट को याद करता हूं जो उन्होंने खेला था और उन्होंने कुछ बेहतरीन कैच लिए थे और इससे माहौल तैयार हो गया था। अगर आप इस तरह के कैच लेते हैं और आप बढ़त हासिल करते हैं और सीरीज में एक-शून्य से आगे रहते हैं, तो यह बहुत बड़ी बात है। मुझे पता है कि वहां जीतना कितना मुश्किल है। उन्होंने अभी जो किया है, वह बिल्कुल शानदार है और इसका श्रेय उन्हें जाता है।

वार्नर ने कहा, इससे ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ियों को मदद मिलती है। वे ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ियों के खिलाफ 5 टेस्ट मैचों में तीन-शून्य से हारने के बाद यहां आ रहे हैं, (जिनके पास) तीन विश्व स्तरीय तेज गेंदबाज और एक विश्व स्तरीय स्पिन गेंदबाज है और अगर मैं उनके बल्लेबाजी क्रम में होता तो मैं नर्वस होता। उन्हें यह भी लगता है कि ऑस्ट्रेलियाई शीर्ष क्रम को जसप्रीत बुमराह और मोहम्मद सिराज का मुकाबला करने का तरीका खोजने की जरूरत है जबकि उनका मानना है कि तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी अपने टखने की चोट से उबरने के कारण शुरुआती टीम में शामिल नहीं होने के बावजूद किसी समय सीरीज़ में खेल सकते हैं। उन्होंने कहा, ऑस्ट्रेलियाई शीर्ष क्रम को रन बनाने की जरूरत है। उनके पास मोहम्मद शमी हैं, जो वर्तमान में घुटने की चोट से उबरने की राह पर हैं - वे संभावित रूप से टीम के साथ यहां खेल सकते हैं - (और) आपके पास बुमराह और सिराज हैं जो उनके अगुआ हैं।

पूर्व ओपनर ने कहा, मुझे लगता है कि अगर ऑस्ट्रेलिया इन दो सज्जनों को मात दे सकता है, तो बोर्ड पर कुछ बड़े रन बनाए जा सकते हैं। लेकिन... हमें भारत के खिलाफ पूरी ताकत से खेलना होगा। हमने भारत के खिलाफ यहां अपनी पिछली दो सीरीज गंवा दी हैं (और) उनके पास खेलने के लिए बहुत कुछ है। वार्नर ने कप्तान रोहित शर्मा, विराट कोहली, रविचंद्रन अश्विन और रवींद्र जडेजा की चौकड़ी को आगाह करते हुए कहा कि वे ऑस्ट्रेलिया में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने के लिए बेताब होंगे क्योंकि वे अपने करियर के अंतिम पड़ाव पर हैं।

घर पर 3-0 से हारना बहुत मुश्किल है और इसके लिए आत्मनिरीक्षण की जरूरत है: सचिन तेंदुलकर

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत के दिग्गज बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर ने रविवार को वानखेड़े स्टेडियम में तीसरा मैच 25 रन से हारने के बाद न्यूजीलैंड के हाथों टेस्ट सीरीज में 0-3 से मिली हार पर आत्मनिरीक्षण की जरूरत बताई है। मुंबई में हार के परिणामस्वरूप, रोहित शर्मा की अगुवाई वाली भारत ने विश्व टेस्ट चैंपियनशिप स्टैंडिंग में अपना शीर्ष स्थान भी खो दिया और नए टेबल-टॉपर्स ऑस्ट्रेलिया के पीछे दूसरे स्थान पर आ गई। तेंदुलकर ने एक्स पर लिखा, घर पर 3-0 से हारना बहुत मुश्किल है और इसके लिए आत्मनिरीक्षण की जरूरत है। क्या यह तैयारी की कमी थी, क्या यह खराब शॉट चयन था, या मैच अभ्यास की कमी थी? शुभमन गिल ने पहली पारी में लचीलापन दिखाया, और ऋषभ पंत ने दोनों पारियों में शानदार प्रदर्शन किया - उनके फुटवर्क ने चुनौतीपूर्ण सतह को पूरी तरह से अलग बना दिया।वह बस शानदार था। पूरी श्रृंखला में लगातार प्रदर्शन के लिए न्यूजीलैंड को पूरा श्रेय जाता है। भारत में 3-0 से जीतना सबसे अच्छा परिणाम है। न्यूजीलैंड से हार के बाद पहली बार भारत को घरेलू टेस्ट श्रृंखला में क्लीन स्वीप का सामना करना पड़ा, 1999/2000 में दक्षिण अफ्रीका की 2-0 की जीत के बाद। यह तीन मैचों की श्रृंखला और उसके बाद घरेलू मैदान पर भारत की पहली 3-0 की क्लीन स्वीप हार भी है। भारत की श्रृंखला हार का एक बड़ा कारण यह भी रहा कि न्यूजीलैंड के गेंदबाजों के हाथों गंवाए गए 57 विकेटों में से 37 विकेट स्पिनरों के हाथों गंवाए, जिसकी वजह से मेजबान टीम के पूर्व सलामी बल्लेबाज वीरेंद्र सहवाग ने आलोचना की।

सहवाग ने अपने इंस्टाग्राम पोस्ट पर लिखा, समर्थकों के तौर पर टीम का समर्थन करना जरूरी है, लेकिन हमारी टीम का प्रदर्शन बहुत खराब रहा। स्पिन खेलने के कौशल में निश्चित रूप से सुधार की जरूरत है और कुछ प्रयोग छोटे प्रारूप के लिए अच्छे हैं, लेकिन टेस्ट क्रिकेट में सिर्फ दिखावे के लिए कुछ अनावश्यक प्रयोग करना वास्तव में खराब था।टॉम लैथम और उनके खिलाड़ियों को वह करने के लिए बधाई जो हर मेहमान टीम का सपना होता है और कोई भी टीम इस तरह से जीत नहीं सकती। भारत के पूर्व बाएं हाथ के तेज गेंदबाज इरफान पठान ने अपने बड़े भाई और पूर्व क्रिकेटर यूसुफ पठान के साथ हुई बातचीत का हवाला देते हुए घरेलू क्रिकेट में लाल गेंद वाले बल्लेबाजों की कमी पर बात की। इरफ़ान ने एक्स पर लिखा, कल मेरी युसूफ पठान भाई के साथ अच्छी बातचीत हुई।

उन्होंने घरेलू क्रिकेट के बारे में एक सही बात कही - हम या तो घास वाली पिचों पर या सपाट ट्रैक पर खेल रहे हैं, लेकिन अब शायद ही कभी टर्निंग सरफेस पर खेलते हैं। साथ ही, शीर्ष खिलाड़ी घरेलू क्रिकेट नहीं खेल रहे हैं। यह हमें लंबे समय में नुकसान पहुंचा सकता है।

भारत के पूर्व ऑफ स्पिनर हरभजन सिंह ने टेस्ट टीम से घरेलू मैदान पर बेहतर पिचों पर बल्लेबाजी करने का आह्वान किया और उनसे टर्निंग पिचों पर नहीं खेलने का आग्रह किया। टर्निंग पिचें आपकी अपनी दुश्मन बन रही हैं। न्यूज़ीलैंड को बधाई हो। आपने हमें मात दी। कई सालों से कह रहा हूं। टीम इंडिया को बेहतर पिचों पर खेलने की जरूरत है। ये टर्निंग पिचें हर बल्लेबाज को बहुत साधारण बना रही हैं।

उन्होंने एक्स पर लिखा, पहले की पीढ़ी के बल्लेबाज इस तरह की पिचों पर कभी नहीं खेले। ये पिचें 2/3 दिन के टेस्ट मैचों के लिए तैयार की गई हैं। टीमों को आउट करने के लिए आपको इन पिचों पर मुरली, वॉर्न या साकी की जरूरत नहीं है। कोई भी किसी को भी आउट कर सकता है। भारत के पास 2023-2025 डब्ल्यूटीसी चक्र असाइनमेंट में ऑस्ट्रेलिया में केवल सबसे महत्वपूर्ण बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी बची है।

डब्ल्यूटीए फाईनल्सः

कोको गॉफ ने डब्ल्यूटीए फाइनल में पेगुला को हराया, स्वियातेक की संघर्षपूर्ण जीत

रियाद, एजेंसी। इस टूर्नामेंट में विश्व की चोटी की आठ खिलाड़ी भाग ले रही हैं। नए कोच के साथ डब्ल्यूटीए फाइनल में पहुंची स्वियातेक ने सितंबर में अमेरिकी ओपन के क्वार्टर फाइनल में पेगुला से सीधे सेटों में हारने के बाद से कोई मैच नहीं खेला था। अमेरिका की कोको गॉफ ने डब्ल्यूटीए फाइनल्स में हम वतन जेसिका पेगुला को 6–3, 6–2 से हराकर साल के इस अंतिम टेनिस टूर्नामेंट में शानदार शुरुआत की। दूसरी वरीयता प्राप्त इगा स्वियातेक ने अपने पहले मैच में बारबोरा क्रेजिसिकोवा को 4–6, 7–5, 6–2 से हराया। यह उनकी पिछले दो महीने में पहली जीत है। इस टूर्नामेंट में विश्व की चोटी की आठ खिलाड़ी भाग ले रही हैं। नए कोच के साथ डब्ल्यूटीए फाइनल में पहुंची स्वियातेक ने सितंबर में अमेरिकी ओपन के क्वार्टर फाइनल में पेगुला से सीधे सेटों में हारने के बाद से कोई मैच नहीं खेला था। शनिवार को शीर्ष वरीयता प्राप्त आर्यना सबालेंका ने अपने शुरुआती मैच में झेंग किनवेन पर सीधे सेटों में जीत दर्ज की। एक अन्य मैच में चौथी वरीयता प्राप्त इटली की जैस्मीन पाओलिनी ने पांचवीं वरीयता प्राप्त एलेना रयबाकिना को हराया।

ला लिगा

बार्सिलोना की एक और जीत, रियाल मैड्रिड पर नौ अंक की बढ़त बनाई, जानें मैच में क्या हुआ

मैड्रिड, एजेंसी। बार्सिलोना अब मैड्रिड से नौ अंक आगे हो गया है, जिसका वालेंसिया में शनिवार को होने वाला मैच बाढ़ के कारण स्थगित कर दिया गया था। बाढ़ के कारण विलारियाल और रेयो वैलेकैनो के बीच होने वाला मैच भी स्थगित कर दिया गया। दानी ओल्मो के दो गोल की मदद से बार्सिलोना ने एस्पेनयोल पर 3-1 से जीत दर्ज करके स्पेनिश फुटबॉल लीग ला लिगा के वर्तमान सत्र में अपना दबदबा बरकरार रखा। एक सप्ताह पहले सैंटियागो बर्नब्यू स्टेडियम में रियाल मैड्रिड को 4-0 से हराने वाले बार्सिलोना की तरफ से राफिन्हा ने भी गोल किया। बार्सिलोना अब मैड्रिड से नौ अंक आगे हो गया है, जिसका वालेंसिया में शनिवार को होने वाला मैच बाढ़ के कारण स्थगित कर दिया गया था। बाढ़ के कारण विलारियाल और रेयो वैलेकैनो के बीच होने वाला मैच भी स्थगित कर दिया गया। दक्षिणी स्पेन में बाढ़ के कारण अभी तक 200 से अधिक लोग अपनी जान गंवा चुके हैं। इस क्षेत्र में होने वाले सेकंड डिवीजन के तीन मैचों को भी स्थगित कर दिया गया है। बार्सिलोना ने इस जीत से एस्पेनयोल के खिलाफ अपना अजेय अभियान 27 में तक बढ़ा दिया है। लीग तालिका में 17वें स्थान पर मौजूद एस्पेनयोल अपने पिछले सात लीग मैचों में से छह हार चुका है। इस बीच एटलेटिको मैड्रिड के कोच डिएगो शिमोन के बेटे गिउलिआनो शिमोन ने लास पालमास के खिलाफ टीम की 2-0 की जीत में क्लब के लिए अपना पहला गोल किया।

आक्शन से पहले बटलर ने छोड़ा राजस्थान का साथ

नई दिल्ली। राजस्थान रॉयल्स के विस्फोटक सलामी बल्लेबाज और इंग्लैंड के टी20 कप्तान जोस बटलर ने रविवार को सोशल मीडिया पर भावुक पोस्ट लिखा। बटलर आईपीएल में सालों से राजस्थान रॉयल्स के लिए खेल रहे हैं लेकिन इस टीम ने उन्हें मेगा ऑक्शन 2024 के लिए रिटेन नहीं किया। बटलर को शायद अब ऐसा लग रहा है कि ऑक्शन में भी हो सकता है टीम उनपर दांव न लगाए। इसी कारण उन्होंने इस फ्रेंचाइजी के लिए फेयरवेल पोस्ट लिखा।

जोस बटलर ने लिखी पोस्ट- जोस बटलर ने अपनी पोस्ट में लिखा, 'ऐसा लग रहा है कि यह एक अंत है। शुक्रिया राजस्थान रॉयल्स और उन सभी लोगों को शुक्रिया जो इन सात बेहतरीन सालों में साथ रहे। 2018 में मेरे क्रिकेट करियर के सबसे शानदार सालों की शुरुआत रही और मुझे पिंक जर्सी में कई यादगार पल मिले। मेरा और मेरे परिवार का खुली बांहों से स्वागत करने के लिए शुक्रिया। मैं बहुत कुछ लिखना चाहता हूं लेकिन यहीं रहने देता हूं।'

बटलर का राजस्थान रॉयल्स के लिए शानदार रिकॉर्ड- बटलर ने राजस्थान रॉयल्स के लिए 3055 रन बनाए हैं। साल 2022 के सीजन में उनके बल्ले से 863 रन बनाए थे। बटलर राजस्थान रॉयल्स के लिए सात शतक और 18 अर्धशतक भी लगा चुके हैं। बटलर ने कई अहम मौकों पर अपने दम पर टीम को जीत दिलाई और बड़े मैच विनर साबित हुए।

राजस्थान ने 2018 से बटलर को अपने साथ बनाए रखा है। हालांकि इस बार टीम ने उन्हें रिटेन किया है। भारत के विकेटकीपर बल्लेबाज संजू सैमसन, युवा सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल, ऑलराउंडर रियान पराग, विकेटकीपर ध्रुव जुरेल, वेस्टइंडीज के शिमरोन हेटमायर और गेंदबाज संदीप शर्मा को अपने साथ बनाए रखा है। राजस्थान ने 6 खिलाड़ियों को रिटेन करने के लिए कुल 79 करोड़ रुपये खर्च कर दिए। अब टीम के पास मेगा ऑक्शन के लिए पर्स वैल्यू में 41 करोड़ रुपये बाकी रह गए हैं।

ब्रिज ओलंपियाड

भारत की सीनियर ब्रिज टीम का शानदार प्रदर्शन, ओलंपियाड में रजत पदक जीता

ब्यूनस आयर्स, एजेंसी। भारतीय टीम ने 96 बोर्ड के फाइनल में शुरू में अमेरिका की टीम के सामने कड़ी चुनौती पेश की। अमेरिका की टीम ने हालांकि दो दिन तक चल फाइनल में आखिर तक अपनी लय बनाए रखी। अपने पिछले मुकाबलों में शानदार प्रदर्शन करने वाली भारत की सीनियर टीम को 16वें विश्व ब्रिज ओलंपियाड के फाइनल में अमेरिका से 165–258 से हारने के कारण रजत पदक से संतोष करना पड़ा। भारतीय टीम में कमल मुखर्जी, विभास टोडी, बादल दास, प्रणब बर्धन, अरुण बापट, रवि गोयनका और गैर खिलाड़ी कप्तान गिरीश बिजूर शामिल थे। भारतीय टीम ने 96 बोर्ड के फाइनल में शुरू में अमेरिका की टीम के सामने कड़ी चुनौती पेश की। अमेरिका की टीम ने हालांकि दो दिन तक चल फाइनल में आखिर तक अपनी लय बनाए रखी। इस बीच इसी प्रतियोगिता के साथ खेली गई युगल स्पर्धा में संजीत डे और बिनोद साव की युवा भारतीय जोड़ी ने भी अपने प्रदर्शन से प्रभावित किया।

ऑफिस में हिट किचन में फिट

मॉम मैंने आज बिरयानी बनाई, घर में सभी को पसंद आई। सब बहुत तारीफ कर रहे थे। हाल ही में शादी के बाद ससुराल में रह रही अपनी बेटी ईशा की चहकती आवाज सुनकर अमृता के कानों में जैसे शहद घुल गया। वह सोचने लगीं कि ईशा को तो किचन के काम करने की बिल्कुल आदत नहीं है।

हॉस्टल में रहने और हर वक्त पढ़ाई के दबाव में वह किचन का कोई काम कहां सीख पाई थी। फिर उसे कठिन बिरियानी बनाना किसने सिखाया? तुम्हें बिरियानी बनाने का तरीका भी पता है? जवाब मिला, 'ओह मॉम, आप भी, मैंने फोन पर रेसिपी खोज ली थी, उसे साथ में रखा और जैसा उसमें लिखा था, वैसा बनाती गई और अच्छी बिरियानी तैयार हो गई। घर में सभी को स्वाद अच्छा लगा।'

अमृताजी को लगा कि बेटी उनसे ज्यादा सयानी हो गई है। वह बेकार ही सालों तक चिंता में घुलती रहीं कि ईशा ने किचन में इंट्रेस्ट नहीं लिया, पता नहीं ससुराल में क्या करेगी? लेकिन उनकी इंजीनियर बेटी ऑफिस में भी हिट है और घर के किचन में भी फिट है। ऑफिस में उसकी रेटिंग एक्सीलेंट है और घर का हर सदस्य भी उसके व्यवहार और काम करने के तरीके की तारीफ करता है। उन्हें गर्व महसूस हुआ अपनी बेटी पर। वह जान गईं कि आज की स्मार्ट लड़कियों को पता है कि कौन-सी चीज कहां, कब और कैसे इस्तेमाल करना है। आज ईशा जैसी स्मार्ट लड़कियां टेक्नोलॉजी और कम्यूनिकेशन रिवॉल्यूशन का फायदा स्मार्ट होम मैनेजमेंट के लिए कर रही हैं। वे घर के कामों को कम टाइम में बेहतर तरीके से मैनेज कर रही हैं। मां की मोटी रेसिपी डायरी या छपी किताबों की जगह ब्लॉग, वेबसाइट और सोशल साइट्स ने ले ली है। इन पर ढेरों जानकारियां हैं और वे इसका बुद्धिमानी से फायदा उठा रही हैं। आजकल अचानक मेहमान घर पर आ जाएं तो हाथ-पैर नहीं फूलते कशिश के। वह झट से ऐसा मेनू बनाती हैं जिसमें उनके बनाए घर के आइटम के साथ होम डिलीवरी पर मंगा सकने वाली रेडिमेड चीजें भी होती हैं। सिलेक्शन में इंटरनेट भी मदद करता है। जब तक उनका ऑर्डर किया सामान आता है तब तक वह घर के स्मार्ट गैजेट्स की मदद से कुकिंग कर लेती हैं और मेहमान की खातिरदारी की तैयारी भी पूरी हो जाती है। घर का सामान, सब्जियां यहां तक कि सास-ससुर की दवाइयां तक वह होम डिलीवरी से मैनेज कर लेती हैं। इससे बाजारों के चक्कर तो बचते ही हैं साथ में समय की बचत भी हो जाती है।

'मुझे जो भी काम जिस दिन भी, जिस समय भी करना होता है तो तुरंत फोन पर रिमाइंडर लगा लेती हूं। जिससे चूक नहीं होती। घर का जो भी सामान खत्म हो जाता है या जो काम पेंडिंग हो जाते हैं उनकी लिस्ट फोन पर नोट्स में बनाती जाती हूं। जब मार्केट जाती हूं तो लिस्ट साथ ही होती है और आसानी से सारे काम हो जाते हैं''।

जी हां, अपने हर काम को बेहतर प्लानिंग और स्मार्ट तरीके से अंजाम देती हैं वंदना। उनके हाथ का स्मार्ट फोन उनके स्मार्ट होम मैनेजमेंट का हथियार है। वंदना कहती हैं-'प्लानिंग जरूरीहै और जब हम वर्किंग हैं, कई-कई घंटे काम पर रहते हैं तो एक्यूरेट प्लानिंग ही हमें सक्सेसफुल बना सकती है'। वीकएंड का स्मार्ट प्लान बनाती हैं न्यूएज गर्ल्स। इनका मानना है कि घर और ऑफिस में बैलेंस बनाने के लिए फ्रेश रहना बहुत जरूरी है ताकि ऑफिस में भी बेस्ट दे सकें और घर में भी टाइम दे सकें। घर और दफ्तर मैनेज करने के लिए वे प्लानिंग पर बराबर ध्यान देती हैं। जिसमें उनकी पर्सनल केयर की जरूरतें भी शामिल होती हैं। मूवी एंजॉय कर फैमिली के बीच समय बिताने का पूरा मजा लेना भी जानती हैं वे।

बच्चों को अलग-अलग उम्र में सिखाएं ये काम मिलेंगे ढेरों लाभ

जब आप बच्चे को छुटपन से ही अलग-अलग कौशलों से परिचित कराते हैं तो इसकी परिणति उसमें आत्मनिर्भरता और ज़िम्मेदारी के गुण लाती है।

कई बच्चे बड़े होने के बाद भी हर छोटी चीज़ के लिए दूसरों पर निर्भर रहते हैं। जैसे- उन्हें किसी भी समस्या का हल निकालना हो तो प्रयास करने के बजाय किसी बड़े से पूछना, अपने काम खुद करने के बजाय बार-बार मम्मी या किसी बड़े को आवाज़ लगाना या फिर खुद जाकर किसी से बात भी ना कर पाना। इससे वे स्वयं को भविष्य के लिए ना तो मानसिक रूप से तैयार कर पाते हैं और ना ही शारीरिक रूप से। इसलिए बच्चे को भविष्य की ज़िम्मेदारियों को निभाने और आत्मनिर्भर बनाने के लिए उम्र के अलग-अलग पड़ाव पर इन कौशलों से ज़रूर रूबरू कराएं।

जब 2-3 साल के हों बच्चे

इस उम्र में बच्चे दुनिया को समझने की शुरुआत करते हैं। इसलिए उन्हें छोटे-छोटे काम करना सिखाएं। हालांकि इस दौरान उनकी मदद भी करें।

खिलौनों से सिखाएं - बच्चों को सिखाएं कि खिलौने से खेलने के बाद उन्हें सही स्थान पर रखना है। हालांकि वे ऐसा कर पाएं इसके लिए खिलौनों की टोकरी उनकी पहुंच में रखें, ताकि वे व्यवस्था के साथ अनुशासन और ज़िम्मेदारी सीखें।

डालें सफ़ाई की आदत - उन्हें सिखाएं कि बिना दरी बिछाए नहीं बैठना है। खाना खाने के पहले/बाद हाथ धोना है, ब्रश करना है आदि। इससे वे साफ़-सफ़ाई के गुण को आदत बना पाएंगे।

सिखाएं साझा करना- बच्चों को आपस में चीज़ें साझा करना सिखाएं। मिल-बांट कर खाना या खिलौनों से मिलकर खेलना आदि। इससे वे सामंजस्य का गुण सीखेंगे।

4-5 साल के हो जाने पर

इस उम्र में बच्चे थोड़ा स्वतंत्र होना शुरू करते हैं। उन्हें अब अतिरिक्त ज़िम्मेदारियां सौंपी जा सकती हैं।

याद कराएं नाम और पता - बच्चों को अपना नाम, माता-पिता का नाम और घर का पता याद कराएं, ताकि ज़रूरत पड़ने पर वे पहचान बता सकें।

पनपाएं आत्मनिर्भरता - स्वयं चुनाव करने का अवसर दें। जैसे- वे क्या पहनना चाहते हैं या फिर किस खिलौने से खेलना चाहते हैं ये उन्हें खुद करने तय करने दें। इससे उनमें आत्मनिर्भरता और निर्णय लेने की क्षमता बढ़ेगी।

सिखाएं बुनियादी शिष्टाचार - 'धन्यवाद', 'कृपया' और 'मुझे माफ़ करें' जैसे शिष्टाचार के शब्दों का प्रयोग करना सिखाएं। सिर्फ़ बोलना नहीं है बल्कि महसूस भी करना है, ये भी समझाना ज़रूरी है।

6-7 साल के हो गए हैं तो

इस उम्र में बच्चों की तर्क और समस्या-समाधान करने की क्षमता विकसित होती है। उन्हें अब व्यावहारिक कौशल सिखाने होंगे।

सरल घरेलू काम के फ़ायदे - बच्चों को छुट-पुट कामों से परिचित कराएं। जैसे- बिस्तर ठीक करना, बर्तन सिंक में रखना या आपके साथ पौधों को पानी देना आदि। इससे वे देखभाल का गुण सीखेंगे।

सिखाएं खाने की तैयारी करना - बच्चों को रसोई से जुड़े बुनियादी काम सिखाएं। जैसे- थाली जमाना, फल धोकर टोकरी में जमाना या खाना परोसना आदि।

समय प्रबंधन की शुरुआत - उन्हें समय का महत्व सिखाएं। इसके लिए मिलकर उनके पूरे दिन की दिनचर्या बनाएं ताकि वे पढ़ाई, खेल और आराम के बीच संतुलन बना सकें।

8-9 साल के बच्चों के लिए

इस समय बच्चों में आत्मनियंत्रण की भावना विकसित होती है। इसलिए ये बढ़िया वक़्त है उन्हें सामाजिक और व्यावहारिक कौशल सिखाने का।

समझाएं पैसे का महत्व - बच्चे आर्थिक रूप से भी खुद को आत्मनिर्भर बनाए रखें, इस पर ध्यान देना ज़रूरी है। इसलिए उन्हें थोड़ा जेंबख़र्च दें और उससे बचत व उसे उपयोग करने का कौशल सिखाएं।

दें सायबर सुरक्षा का ज्ञान - वे ऑनलाइन जानकारी लेने में भी सक्षम बनें इसलिए इस समय उन्हें सायबर से जुड़े नियम सिखाए जा सकते हैं। ताकि वे ऑनलाइन ख़तरों से सुरक्षित रहें।

टीम वर्क/सहयोग की भूमिका - मिलकर काम करने से काम जल्दी और बेहतर होता है। इसलिए उन्हें इस गुण से रूबरू कराएं जिससे वे बड़े होकर सामंजस्य/नेतृत्व को बनाने में सक्षम हो पाएं।

किशोरवय में प्रवेश करने वाले हैं तो

10-13 साल के बच्चों को निर्णय लेने में सक्षम बनाना ज़रूरी है। उन्हें घर और समाज के प्रति उनकी ज़िम्मेदारी से भी अवगत कराएं।

समस्याओं का समाधान - उनकी छोटी-मोटी समस्या उन्हें खुद सुलझाने दें। इससे वे निर्णय लेने और समस्याओं के निपटान के तरीक़े सीखेंगे जिससे उनमें आत्मविश्वास भी बढ़ेगा।

लें घर के कामों में मदद - घर के कामों में उनकी मदद लें। जैसे- सफ़ाई करना, बर्तन धोना आदि। इससे उनमें ज़िम्मेदारी आएगी।

सामाजिक ज़िम्मेदारियों से कराएं रूबरू - बच्चों को समाज और परिवार के प्रति ज़िम्मेदारियों का अहसास कराएं। उन्हें छोटे-छोटे सामाजिक कार्यों में शामिल कर सकते हैं, जैसे- लोगों की मदद करना और पर्यावरण के प्रति सजग रहना।

दिनचर्या में थोड़ा-सा बदलाव कर समय के साथ चल सकेंगी

वक्त के अनुसार खुद को अपडेट करना जरूरी है, वर्ना जमाना आगे निकल जाएगा और आप सोचती ही रह जाएंगी। सकारात्मक सोच और रोजाना की दिनचर्या में थोड़ा-सा बदलाव करके आप मॉडर्न दिखने के साथ ही समय के साथ भी चल सकेंगी।

आप घर से ऑफिस और ऑफिस से घर तक ही सीमित रह गई हैं? अगर जवाब 'हां' में है तो कुछ बातों को जीवन में उतारकर अपनी पुरानी-सी और एक ही ढर्रे पर चलने वाली जिंदगी को बाय-बाय करना होगा। वक्त के अनुसार खुद को अपडेट करना जरूरी है, वर्ना जमाना आगे निकल जाएगा और आप सोचती ही रह जाएंगी। सकारात्मक सोच और रोजाना की दिनचर्या में थोड़ा-सा बदलाव करके आप मॉडर्न दिखने के साथ ही समय के साथ भी चल सकेंगी।

कुछ जरूरी टिप्स

कामकाजी स्त्री के लिए मॉर्निंग वॉक पर जाना थोड़ा कठिन जरूर होता है लेकिन अपने आप को फिट रखने के लिए एक्सरसाइज जरूरी है। दिनभर में कम से कम 30-35 मिनट अपने लिए जरूर निकालें। सुबह की सैर करने से मन में ताजगी आती है और दिनभर काम करने की ऊर्जा मिलती है। यदि मॉर्निंग वॉक पर न जा सकें तो योग और व्यायाम से भी चेहरे की चमक और रौनक हासिल की जा सकती है।

भड़कीले रंगों या ज्यादा एंब्रॉयडरी वाले कपड़ों को पार्टी या इवेंट्स के लिए ही रखें। अपने वॉर्डरोब में रोज में पहनने वाले सिंपल और कंफर्टेबल आउटफिट्स की संख्या बढ़ाएं। फैशन ट्रेंड्स को फॉलो करना सही है, लेकिन वही पहनें जिसमें सहज रह सकें।

घर हो या ऑफिस, दोनों जगह जो बात जीवंत और प्रसन्ना बनाए रख सकती है, वह है- ज्ञान या नॉलेज। खुद को समय के साथ चलने लायक बनाना है तो रोज कम से कम एक समाचार पत्र पढ़ें, पत्रिकाएं लें, साथ ही सोशल गैदरिंग का हिस्सा बनें। नौकरी करती हो या होम मैनेजर हो, खुद को हमेशा सीखने के लिए तैयार रखें। चेहरे की रौनक बनाए रखने के लिए भरपूर मात्रा में पानी और तरल पदार्थ लें। भोजन पौष्टिक हो। इसके अलावा 6 से 8 घंटे की नींद लें, ताकि चेहरा थका-थका सा न लगे।

अगर मानसिक थकान हो तो बच्चों के साथ खेलें, उनसे बात करें, संगीत सुनें या फिर बागवानी जैसे काम करें। इन कार्यों से थकान गायब होती है और कुछ क्रिएटिव करने का सुकून भी मिलता है। घर या ऑफिस में कई उलझनें अक्सर परेशान करती हैं। कई बार खुद तक सीमित रखने से मन की उलझनें बढ़ती जाती हैं। ऐसे में किसी दोस्त या भरोसेमंद व्यक्ति से अपनी बात शेयर करें। हो सकता है कि जिस समस्या का हल आपको न मिल पा रहा हो, उसका कोई हल उसके पास हो।

वीकेंड पर घर में अकेले बैठे रहने के बजाय बच्चों के साथ पार्क जाएं, पिकनिक करें, दोस्तों-रिश्तेदारों से मिलने जाएं या घर पर ही किसी को आमंत्रित करें। इससे दिनचर्या की एकरसता टूटेगी और नई ऊर्जा भी मिलेगी।

सादगी में एक खूबसूरती छिपी है लेकिन कभी-कभी हल्का मेकअप करना, खुद को अच्छी तरह संवारना भी जरूरी है। अपना पर्सनल स्पेस निकालें और महीने-दो महीने में एक बार फेशियल कराएं या स्पा लें। इससे स्ट्रेस दूर होगा और चेहरे की मसाज होने से थकान भी कम होगी।

अपने आसपास के माहौल के प्रति जागरूक रहें। पड़ोस में रहने वाले लोगों से संपर्क बनाए रखें और अपनी सोसाइटी की आरडब्ल्यूए के कार्यक्रमों में भागीदारी करें। इससे सामाजिक व्यवहार बना रहेगा और किसी मुश्किल वक्त में पड़ोस के लोग काम भी आएंगे।

अगर घर में रहते हुए कुछ करना चाहती हैं तो अपने समय से एक-दो घंटे निकालें और बच्चों को पढ़ाएं। हो सकता है, आसपास कुछ बच्चों को आपकी जरूरत हो। अपनी शिक्षा का इस्तेमाल उन्हें पढ़ाने में करें। आपका समय भी अच्छा बीतेगा, नया ज्ञान भी मिलेगा और बच्चों का भविष्य भी संवरेगा। जीवन में कभी आशा का दामन न छोड़ें। हर हाल में खुश रहें, सकारात्मक नजरिया बनाए रखें। आगे बढ़ने की यह जरूरी शर्त है।

बच्चों के लंचबॉक्स से लेकर रात की पार्टी के खाने तक पैक्ड फूड का दायरा बढ़ता जा रहा है। इस पैक्ड फूड ने जहां हमारी जिंदगी को थोड़ा-सा आसान बनाया है, वहीं हमारे खाने की आदतों को काफी हद तक बिगाड़ भी दिया है।

पैक्ड फूड ने हमारी खाने की आदतों को बिगाड़ है

खानपान के तौर-तरीकों में आते बदलाव हमारे जीवन और शरीर को किस तरह प्रभावित कर रहे हैं यह हम जान ही नहीं पाते। व्यस्तता की वजह से रोजमर्रा की चीजों के अलावा सबसे ज्यादा प्रभावित हुई हैं हमारे खानपान की आदतें। काम की थकान ज्यादा हो गई तो चलो बाहर से कुछ खा लें। जल्दबाजी में नाश्ता नहीं किया तो कुछ पैक्ड फूड ले लेते हैं। ऐसा माहौल और बातें अब आम हो चुकी हैं।

बच्चों के लंचबॉक्स से लेकर रात की पार्टी के खाने तक पैक्ड फूड का दायरा बढ़ता जा रहा है। इस पैक्ड फूड ने जहां हमारी जिंदगी को थोड़ा-सा आसान बनाया है, वहीं हमारे खाने की आदतों को काफी हद तक बिगाड़ भी दिया है। कभी-कभी हम इस ऑप्शनल फूड पर कुछ ज्यादा ही निर्भर हो जाते हैं। ऐसा करना सेहत के लिए कितना नुकसानदेह है, इस बात का हम अंदाजा भी नहीं लगा सकते। क्या हैं इसके फायदे और नुकसान।

अच्छा भी है पैक्ड फूड

पैक्ड फूड सरल और जल्दी इस्तेमाल में लाया जाने वाला खाना है। कई बार इस तरह के खाद्य पदार्थों को बहुत अच्छी तरह से पकाया जाता है, जिससे खाने की गुणवत्ता बनी रहती है। फ्रोजन फूड जैसे कि फल और सब्जियां ताजे फल और सब्जी जितना ही पोषण लिए होती हैं। पहले से तैयार और रेडी टू ईट फूड को तैयार करने में समय कम लगता है। पैक्ड फूड में कई बार विटामिन और फाइबर की अतिरिक्त मात्रा होती है।

सेहत के लिए अच्छे पैक्ड फूड

- ऐसे फ्रोजन फल और सब्जियां जिनमें शुगर, सीरप और सॉस न हों।
- नॉन फैट मिल्क
- ड्राई फ्रूट, ओटमील और आटा ब्रेड
- भुने हुए नट्स और बीज
- अनाज से तैयार नाश्ते के पदार्थ जैसे सीरियल्स और म्यूजली
- फ्रोजन सी फूड

पैक्ड फूड की खामियां

बहुत ज्यादा केमिकल इस्तेमाल होने की वजह से ऐसे खाद्य पदार्थ सेहत के लिए नुकसानदेह होते हैं। कई तरह के पैक्ड फूड जैसे सब्जियां और सूप में सोडियम की मात्रा बहुत अधिक होती है। बहुत सारी दिखावटी सामग्री का उपयोग होता है। फ्रेश न होने के कारण ऐसे खाद्य पदार्थों में पोषक तत्वों की कमी होती है। पैक्ड फूड में कार्बोहाइड्रेट की मात्रा बहुत ज्यादा होती है।

- इन पैक्ड फूड को कहें ना
- ज्यादा नमक वाले
- डिब्बाबंद फूड, रेडी टू ईट
- पैक्ड केक और कुकीज
- हाई कैलरी फूड जैसे-चिप्स और कैंडी लेबल पर जरूर दें ध्यान

पैक्ड फूड खरीदते समय कुछ जरूरी बातों का हमेशा ध्यान रखें। जिन खाद्य पदार्थों में ट्रांस फैट मौजूद हों उन्हें लेने से बचें। ऐसे पैक्ड फूड पर जरूर ध्यान दें जिनमें नमक बिल्कुल न हो। ऐसे डिब्बाबंद खाद्य पदार्थ सेहत को नुकसान नहीं पहुंचाते। अगर किसी भी सामग्री में शुगर, हाई फ्रक्टोज कॉर्न सीरप और नमक मौजूद हो तो इनका इस्तेमाल कम करें। पैक्ड फूड खाने में कोई बुराई नहीं है लेकिन हमेशा इन्हें लेने से पहले न्यूट्रीशियस फैक्ट्स जरूर चेक करें। इससे आपको उसकी गुणवत्ता का पता चल जाएगा।

संक्षिप्त समाचार

कद्दू से बनी नाव पर 70 किमी की सवारी, बोट का वजन जानकार चौंक जाएंगे आप; बना वर्ल्ड रिकॉर्ड

वाशिंगटन एजेंसी। अमेरिका के एक शख्स ने एक ऐसा कद्दू उगाया, जिसका इस्तेमाल उसने नाव के रूप में किया है। गैरी क्रिस्टेंसन नामक शख्स ने वॉशिंगटन की कोलंबिया नदी के किनारे 73.5 किलोमीटर की यात्रा की। कद्दू से बनी नाव पर यह अभी तक की सबसे लंबी यात्रा है। 46 वर्षीय इस व्यक्ति ने अपने खुद ही कद्दू को उगाया और नाव के रूप में तैयार किया। उन्होंने 26 घंटे तक कद्दू को नाव के रूप में नदी में चलाया। उन्होंने इस नाव को पंकी लोफस्टर नाम दिया। जानकारी के मुताबिक, पंकी लोफस्टर का आकार 14 फीट था। वहीं, इसका वजन 555 किलोग्राम से अधिक था। 11 अक्टूबर से ही उन्होंने कद्दू को नाव का आकार देना शुरू कर दिया था। उन्होंने नाव में एक कैमरा भी लगाया था। दिलचस्प बात है कि उन्हें नाव पर यह असली कद्दू है लिखवा दिया। गैरी क्रिस्टेंसन साल 2011 से ही कद्दू उगा रहे हैं। अमेरिका के नेब्रास्का में रहने वाले डुआने हैनसेन ने भी कद्दू की नाव पर सवारी कर चुके हैं। उन्हें भी गैरी क्रिस्टेंसन की तरह शौकिया तौर पर बड़े कद्दू, लौकी और अन्य सब्जियां उगाना अच्छा लगता है।

लेबनान के बाद सीरिया पर इजरायल की नजर, कर दिया पहला जमीनी हमला

येरूशलम, एजेंसी। इजरायली सेना ने दावा किया है कि उसने सीरिया पर जमीनी हमला करके एक सीरियाई नागरिक को पकड़ा है जो कि ईरानी नेटवर्क से जुड़ा हुआ था। पश्चिमी एशिया में तनाव के माहौल के बीच पहली बार है जब इजरायल ने सीरिया पर भी जमीनी हमले का दावा किया है। इससे पहले इजरायल कई बार सीरिया में एयरस्ट्राइक कर चुका है। हिजबुल्लाह और ईरान के अधिकारियों को निशाना बनाने के लिए इजरायल ने हवाई हमले किए थ। हालांकि सार्वजनिक रूप से आईडीएफ ने इसका ऐलान कभी नहीं किया। इजरायली सेना ने दावा किया है कि हाल के महीनों में सीरिया में भी एक स्पेशल ऑपरेशन चलाया गया है। सीरिया की सरकार ने इजरायली हमले की पुष्ट नहीं की है। हालांकि सरकार का समर्थन करने वाले एक एफएम रेडियो स्टेशन शाम एफएम ने रिपोर्ट किया है कि इजरायल ने एक किडनैपिंग ऑपरेशन चलाया था। सेना ने पकड़े गए शख्स की पहचान अली सुलेमान अल असी के रूप में की है। वह दक्षिणी सीरिया के सैदा में रहता था। कई महीनों से सेना उसपर निगरानी कर रही थी। उसपर आरोप है कि वह सीरियाई सीमा के पास इजरायल के गोलन हाइट में हमला करने में शामिल था। इजरायल ने उसे पकड़ने का बॉडी कैमरा फुटेज भी जारी किया है। पकड़े गए शख्स से सेना ने पूछताछ की। उसने कबूल भी किया है कि सीमाई इलाके में वह आतंकवादी गतिविधियों में शामिल था। बता दें कि हिजबुल्लाह के हमले के बाद इजरायल ने उसे नेस्तनाबूत करने के लिए पड़ोसी देशों में भी अभियान चलाया है। शनिवार को इजरायील सेना ने उत्तरी लेबनानी शहर में भी ऑपरेशन चलाया था। यहां से भी एक शख्स को गिरफ्तार किया गया था जो कि हिजबुल्लाह से जुड़ा हुआ था। रविवार को पीएम नेतन्याहू लेबनान की सीमा पर पहुंचे थे। वहीं ईरान से भेजे जाने वाले हथियार सीरिया के ही रास्ते से लेबनान पहुंचते हैं। लेबनान में इजरायली हमले में अब तक 2500 से ज्यादा लोग मारे गए हैं।

उत्तरी यूनान में 5.2 तीव्रता का भूकंप, कोई क्षति नहीं

थेसालोनिकी , एजेंसी। पुलिस और अग्निशमन अधिकारियों ने स्थानीय मीडिया को बताया कि इससे अभी तक किसी नुकसान की कोई सूचना नहीं है। भूकंप के झटके उत्तरी यूनान के एक बड़े हिस्से में महसूस किये गए। उत्तरी यूनान में रविवार शाम को 5.2 तीव्रता के भूकंप के झटके महसूस किए गए। प्राधिकारियों ने यह जानकारी दी। 'एथेंस इंस्टीट्यूट ऑफ जियोडायनामिक्स' ने बताया कि भूकंप यूनान के दूसरे सबसे बड़े शहर थेसालोनिकी से लगभग 40 किलोमीटर दक्षिण-पूर्व में चालकीदिकी प्रायद्वीप के तट पर आया।

उसने बताया कि भूकंप स्थानीय समयानुसार शाम 7:03 बजे आया और इसका केंद्र जमीन से 15.9 किलोमीटर की गहराई में स्थित था। उसने बताया कि चार मिनट बाद 4.2 तीव्रता के एक और भूकंप के हल्के झटके महसूस किए गए। शनिवार को इसी क्षेत्र में 3.9 तीव्रता का भूकंप आया था।

हिजाब के विरोध में कपड़े उतारने वाली लड़की कहां है? छात्रा की सुरक्षा पर बढ़ी चिंता

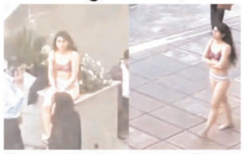

तेहरान, एजेंसी। शरिया कानून को सख्ती से लागू करने वाले ईरान में कुछ दिनों पहले एक ऐसी घटना घटी, जिसने पूरी दुनिया को हैरान कर दिया। हाल ही में सोशल मीडिया पर एक वीडियो वायरल हुआ जिसमें दावा किया गया कि ईरान के इस्लामिक आजाद यूनिवर्सिटी में एक छात्रा, इनरवियर पहनकर कैंपस में घूम रही है। दावा किया गया कि लड़की ने इस्लामिक परिधान (हिजाब) के विरोध में अपने कपड़े उतारे। बताया जा रहा है कि लड़की का नाम अहौ दारयाई है। जानकारी के मुताबिक, यूनिवर्सिटी में अर्धनग्न घूमने के आरोप में पुलिस ने उसे हिरासत में ले लिया है। बता दें कि ईरान में हिजाब न पहनने से जेल की सजा है। कुछ दिनों पहले पुलिस ने कहा था कि छात्रा गंभीर मानसिक दबाव (मेंटल हेल्थ इश्यू) से जूझ थी। महिला मानसिक स्वास्थ्य से जुड़ी समस्याओं से पीड़ित थी। भले ही ईरान की पुलिस बोल रही है कि लड़की मनोरोग अस्पताल में है, लेकिन अभी तक इस बात की पुष्टि नहीं हो पाई है कि वो कहां है। ईरान के पत्रकार मसीह अलीनेजाद ने इस घटना पर कहा कि ईरान में यूनिवर्सिटी मोरैलिटी पुलिस ने हिजाब ठीक से न पहनने के लिए अहौ दारयाई को परेशान किया था।

स्पेन के राजा-रानी पर लोगों ने कीचड़ फेंका

पीएम सांचेज की गाड़ी पर भी हमला

बाढ़ न रोक पाने से लोग नाराज

मैड्रिड, एजेंसी।
स्पेन में बाढ़ प्रभावित वेलेंसिया इलाके का दौरा करने गए किंग फिलिप और उनकी पत्नी क्वीन लेटिजिया पर लोगों ने कीचड़ फेंके। बीबीसी के मुताबिक वहां मौजूद लोगों ने 'हत्यारे' और 'शर्म करो' के नारे भी लगाए। किंग फिलिप के साथ स्पेन के प्रधानमंत्री पेड्रो सांचेज भी मौजूद थे। लोग उनसे पूछ रहे थे कि बाढ़ को रोकने के लिए नेताओं ने पहले से कुछ क्यों नहीं किया। भीड़ को रोकने के लिए पुलिस को आगे आना पड़ा। हमले में सुरक्षा में तैनात दो गार्ड्स घायल हो गए। उनके माथे से खून बहता देखा गया। इसके बाद स्पेन किंग और पीएम को अपना दौरा अधूरा छोड़कर वापस राजधानी लौटना पड़ा। इस दौरान लोगों ने पीएम की गाड़ी पर भी हमला किया। स्पेन हालिया इतिहास में आई सबसे बड़ी बाढ़ से जूझ रहा है। बाढ़ में कम से कम 217 लोगों की मौत हो गई है। 8 घंटे में 1 साल के बराबर बारिश, 50 साल का रिकॉर्ड टूटा स्पेन के पूर्वी शहर वेलेंसिया में 29 अक्टूबर को सिर्फ 8 घंटे में सालभर जितनी बारिश हो गई थी। इससे अचानक बाढ़ आ गई, जिससे कई लोगों को सुरक्षित जगहों पर जाने का मौका नहीं मिला पाया। वेलेंसिया सांसद खुआन बोर्डेरा ने कहा है कि राजा फिलिप का बाढ़ग्रस्त इलाके का दौरा करना एक बहुत बुरा फैसला था। लोग बहुत गुस्से में थे। अधिकारियों ने इसे लेकर उन्हें चेतावनी दी थी कि लेकिन उन्होंने उनकी बात नहीं सुनी। बीबीसी के मुताबिक, स्पेन में इससे पहले साल 1973 में सबसे बड़ी बाढ़ आई थी। तब 150 लोगों की मौत हुई थी। उससे पहले 1957 में वैलेंसिया शहर में भीषण बाढ़ आई थी, इसमें 81 लोगों की मौत हो गई थी। बाढ़ से निपटने के लिए सेना तैनात वेलेंसिया की प्रांतीय सरकार बाढ़ के बाद की हालत के लिए लोगों की भारी नाराजगी झेल रही है। लापता लोगों की संख्या के बारे में पूछे गए एक सवाल के जवाब में स्पेन मंत्री एंजेल विक्टर टोरेस ने कहा कि अभी यह बता पाना मुश्किल है। बाढ़ से तबाह हुए इलाकों में राहत कार्य के लिए सेना के 1,000 से ज्यादा सैनिकों को तैनात किया गया। हालांकि, लोगों का कहना है कि उन तक पर्याप्त मदद नहीं पहुंच पा रही। बाढ़ की वजह से सड़कें टूट गई हैं और कम्युनिकेशन और बिजली लाइनों को नुकसान पहुंचने से अभी कई इलाके शहरों से कटे हुए हैं। आपातकालीन सेवा के कर्मचारी लगातार कार पार्किंग और सुरंगों में फंसे हुए लोगों और शवों की तलाश के काम में जुटे हुए हैं। इतनी बारिश क्यों हुई मौसम वैज्ञानिकों के मुताबिक बाढ़ की वजह 'कट-ऑफ लो प्रेशर सिस्टम' था। ठंडी और गर्म हवाओं के मेल से घने बादल बने, जिससे भारी बारिश हुई। हाल के दिनों दुनिया में कई जगहों पर इस वजह से तेज बारिश और तबाही की घटनाएं हुई हैं। स्पेनी भाषा में इसे डाना इफेक्ट कहा जाता है। वैज्ञानिकों के मुताबिक, भूमध्य सागर का ज्यादा गर्म होना भी भारी बारिश की वजह बना। इस साल अगस्त में भूमध्य सागर का तापमान 28.47 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो अब तक का सबसे ज्यादा तापमान था। वहीं बीबीसी के मुताबिक स्पेन में बाढ़ का पिछले 50 साल का रिकॉर्ड टूट गया है। इससे पहले साल 1973 में बाढ़ से 150 लोगों की मौत हुई थी। वैलेंसिया ने 1980 के दशक में भी दो डीएएनए तूफानों का सामना किया था।

लाहौर में सांस लेना भी मुश्किल, एक्यूआई 1900 के पार; मंत्री ने भारत को लेकर दिया अजीबोगरीब तर्क

लाहौर एजेंसी। लगातार धुंध के कारण पाकिस्तानी पंजाब प्रांत की राजधानी लाहौर के निवासियों को सांस लेना भी मुश्किल हो रहा है। शहर में वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआइ) 1900 के पार पहुंच गया। इस स्थिति को देखते हुए प्रांत की सरकार ने शहर के सभी प्राथमिक स्कूलों को बंद करने की घोषणा की।

जियो टीवी के अनुसार, धुंध की स्थिति को देखते हुए कक्षा पांच तक के सरकारी और निजी स्कूल चार से नौ नवंबर तक बंद रहेंगे। 22 अक्टूबर को एक्यूआइ 394 के साथ लाहौर विश्व का सर्वाधिक प्रदूषित शहर माना गया था। इसके बाद से प्रदूषण लगातार बढ़ता रहा और शनिवार को एक्यूआई 1100 के पार पहुंच गया। एक समय ये 1900 को पार कर गया था। कई दिनों से शहर के 1.4 करोड़ लोग धुंध से प्रभावित हैं। स्विस वायु गुणवत्ता मानीटर आइक्यूएयर घातक पीएम 2.5 प्रदूषकों के स्तर 613 पर पहुंच गया। यह विश्व स्वास्थ्य संगठन द्वारा स्वास्थ्य के लिए खराब माने जाने वाले स्तर से 122.6 गुना अधिक है। पंजाब की वरिष्ठ मंत्री मरियम औरंगजेब ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान कहा कि सरकार ने एक सप्ताह के लिए प्राथमिक स्कूलों को बंद कर दिया है और अभिभावकों को सलाह दी है कि वे सुनिश्चित करें कि बच्चे मास्क पहनें, क्योंकि शहर में धुंध की मोटी चादर छाई हुई है। औरंगजेब ने कहा कि वाहनों से होने वाले प्रदूषण को कम करने के लिए 50 फीसद कार्यालय कर्मचारी घर से काम करेंगे। सरकार ने एक एडवाइजरी भी जारी की जिसमें लोगों से घर के अंदर रहने, दरवाजे और खिड़कियां बंद रखने और जब तक आवश्यक न हो यात्रा करने और घर से बाहर जाने से बचने का आग्रह किया गया। मंत्री औरंगजेब ने वायु प्रदूषण की इतनी खराब स्थिति का कारण पड़ोसी भारत को बताया। उन्होंने कहा कि इस वायु प्रदूषण का कारण भारत से आने वाली हवाएं हो सकती हैं।

ये बेहद निराशाजनक... कनाडा में हिंदुओं पर हमले को लेकर भारतीय उच्चायोग का फूटा गुस्सा

ओटावा एजेंसी। कनाडा के ब्रैम्पटन में एक हिंदू मंदिर पर हुए हिंसक हमले के तुरंत बाद ओटावा में भारतीय उच्चायोग का बयान सामने आया है। मंदिर के पास एक वाणिज्य दूतावास शिविर आयोजित किया जा रहा है और यह सब उसी दौरान हुआ। उच्चायोग ने कहा कि ये बेहद परेशान करने वाला है और नियमित वाणिज्य दूतावास कार्य के दौरान इस तरह के व्यवधान की अनुमति दी जा रही है। उच्चायोग ने कहा कि स्थानीय सह-आयोजकों के पूर्ण सहयोग से हमारे वाणिज्य दूतावासों द्वारा आयोजित किए जा रहे नियमित कांसुलर कार्य के लिए इस तरह के व्यवधानों को अनुमति देना बेहद निराशाजनक है। हम भारतीय नागरिकों सहित आवेदकों की सुरक्षा के लिए भी बहुत चिंतित हैं, जिनकी मांग पर इस तरह के कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं। बयान में कहा गया कि भारत विरोधी तत्वों के इन प्रयासों के बावजूद, हमारा वाणिज्य दूतावास भारतीय और कनाडाई आवेदकों को 1000 से अधिक जीवन प्रमाण पत्र जारी करने में सक्षम रहा है। उच्चायोग ने ये भी कहा कि इन घटनाओं और भारतीय राजनयिकों को मिल रही धमकियों के मद्देनजर अब जो भी निर्धारित वाणिज्य दूतावास शिविरों का आयोजन होगा वो केवल स्थानीय अधिकारियों द्वारा सुरक्षा व्यवस्था पर ही निर्भर करेगा। उच्चायोग ने अपने बयान में ये भी कहा कि यदि इस तरह के व्यवधानों के कारण कोई शिविर आयोजित नहीं किया जाता है, तो उन सेवाओं को प्रदान करने के लिए वैकल्पिक व्यवस्था की जाएगी। हालांकि, इन सेवाओं के स्थानीय उपयोगकर्ताओं को असुविधा पहुंचा सकती हैं। भारतीय उच्चायोग का यह बयान भारत और कनाडा के बीच खालिस्तान समर्थक आतंकी हरदीप सिंह निज्जर की हत्या पर उठे कूटनीतिक तनाव के बीच आया है। बता दें कि निज्जर हत्याकांड में कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो ने भारत पर आरोप लगाए थे, जिसके बाद भारत ने अपने उच्चायुक्त को वापस बुला लिया था और कनाडा पर कड़ा एक्शन लिया था।

10 साल की बेटी से पूरी रात करवाई उठक बैठक, फिर पीट-पीट कर तोड़ दी 25 हड्डियां ! निकल गई जान

लंदन एजेंसी। सना शरीफ मर्डर केस में हाल ही में ब्रिटेन की अदालत में सामने आया है, जहां कई चौंकाने वाले खुलासे किए गए हैं। सरकारी वकील ने बताया कि सना की मौत से पहले उसे पूरी रात उठक-बैठक करने के लिए मजबूर किया गया था। इस दौरान बच्ची पर जुल्म और बढ़ गया था।

मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, जिस दिन सना की मौत हुई, उस दिन सुबह वह चक्कर खाकर रसोई में गिर गई थी। वकील ने बताया कि सना के सौतेली मां और उनकी दो बहनों के बीच व्हाट्सएप पर हुई बातचीत से भी मामले के महत्वपूर्ण सुराग मिले हैं। सना का परिवार मूल रूप से पाकिस्तान से है। उसके पिता शरीफ, सौतेली माँ बेइनाश बतूल और भाई फैसल मलिक पर हत्या का मामला चल रहा है। सना अगस्त 2023 में अपने घर में मृत पाई गई थी। कोर्ट में बताया गया कि सना को पिछले दो वर्षों से लगातार शारीरिक प्रताड़ना का सामना करना पड़ा। साक्ष्यों के अनुसार, उसके शरीर पर जलने के निशान और अन्य चोटों के प्रमाण मिले हैं। बताया गया कि शरीफ छोटी-छोटी बातों पर उसे बुरी तरह पीटता था। हत्या के दिन बच्ची को इतनी बेरहमी से मारा गया कि उसकी जान चली गई।

जयशंकर ने ब्रिस्बेन में नए भारतीय वाणिज्य दूतावास का किया उद्घाटन

ब्रिस्बेन, एजेंसी।
विदेश मंत्री एस जयशंकर ने सोमवार को ब्रिस्बेन में भारत के नए महावाणिज्य दूतावास का उद्घाटन किया और इस बात पर जोर दिया कि इससे क्वींसलैंड राज्य के साथ भारत के संबंधों को मजबूत करने, व्यापार को बढ़ावा देने और प्रवासी समुदाय की सेवा करने में मदद मिलेगी। जयशंकर दो देशों की यात्रा के पहले चरण में रविवार को आस्ट्रेलिया पहुंचे, जहां से वे सिंगापुर जाएंगे। सोशल मीडिया मंच 'एक्स पर जयशंकर ने लिखा, ''आज ब्रिस्बेन में भारत के नए महावाणिज्य दूतावास का औपचारिक रूप से उद्घाटन करके मुझे खुशी हुई। यह क्वींसलैंड राज्य के साथ भारत के संबंधों को मजबूत करने, व्यापार को बढ़ावा देने, शैक्षणिक संबंधों को प्रोत्साहन देने और प्रवासी समुदाय की सेवा करने में योगदान देगा। उद्घाटन समारोह में शामिल होने के लिए क्वींसलैंड की गवर्नर महामहिम डॉ. जेनेट यंग और मंत्रियों रोस बेट्स एवं फियोना सिम्प्सन का धन्यवाद। यह ऑस्ट्रेलिया में भारत का चौथा वाणिज्य दूतावास है। ब्रिस्बेन के अलावा सिडनी, मेलबर्न और पर्थ में भी भारत के वाणिज्य दूतावास हैं। विदेश मंत्री ने सोमवार को ब्रिस्बेन के 'रोमा स्ट्रीट पार्कलैंड्स में महात्मा गांधी को श्रद्धांजलि भी अर्पित की। जयशंकर ने 'एक्स पर लिखा, ''शांति और सद्भाव का उनका (महात्मा गांधी का) संदेश दुनिया भर में गूंजता है। जयशंकर ने क्वींसलैंड की गवर्नर से भी सोमवार को ब्रिस्बेन में मुलाकात की। उन्होंने 'एक्स पर लिखा, ''क्वींसलैंड की गवर्नर महामहिम डॉ. जेनेट यंग से आज ब्रिस्बेन में मिलकर प्रसन्नता हुई। क्वींसलैंड राज्य के साथ आर्थिक, व्यापारिक और निवेश सहयोग को मजबूत करने के अवसरों और तरीकों पर चर्चा की। जयशंकर कैनबरा में ऑस्ट्रेलियाई विदेश मंत्री पेनी वोंग के साथ 15वीं विदेश मंत्री रूपरेखा वार्ता (एफएमएफडी) की सह-अध्यक्षता भी करेंगे। वह ऑस्ट्रेलियाई संसद भवन में आयोजित होने वाले द्वितीय 'रायसीना डाउन अंडर के उद्घाटन सत्र में मुख्य संबोधन देंगे।

लोकप्रिय यूट्यूबर नट्टी इंडोनेशिया से गिरफ्तार, हज़ारों लोगों को लगा चुकी है करोड़ों का चूना

जर्काता एजेंसी।
लोकप्रिय थाई यूट्यूबर नत्थामोन खोंगचक, जो अपने स्क्रीन नाम नट्टी से प्रसिद्ध हैं, को वित्तीय घोटाले में दो साल तक फरार रहने के बाद इंडोनेशिया में गिरफ्तार किया गया।

सूत्रों के अनुसार, 31 वर्षीय प्रभावशाली व्यक्ति को 18 अक्टूबर, 2024 को रियाउ प्रांत के दुमई शहर में उसकी मां थानिया खोंगचक के साथ गिरफ्तार किया गया था। उनके पकड़े जाने से जुलाई 2022 में दोनों के भागने की नाटकीय घटना समाप्त हो गई, जब वे एक वित्तीय घोटाले के सिलसिले में थाईलैंड में कई गिरफ्तारी वारंट का सामना कर रहे थे।

वहीं भगोड़े यूट्यूबर ने अपने फॉलोअर्स को तीन महीने में 25त्न, छह महीने में 30त्न और एक साल में 35त्न का उच्च रिटर्न देने का वादा करते हुए एक विदेशी मुद्रा निवेश योजना शुरू की थी, जिसमें लाभ का मासिक वितरण किया गया था। यह योजना जुलाई 2022 में शुरू की गई थी। हालांकि, निवेशकों को वादे के अनुसार रिटर्न नहीं मिला और वह अपनी मां और उनके सचिव निचाफत रतनुक्रोम के साथ देश छोड़कर फरार हो गई। बता दें कि नथथमोन अपने यूट्यूब चैनल नट्टीज़ डायरी के माध्यम से प्रमुखता में आई, जहां उन्होंने नृत्य और गायन किया, विशेष रूप से ब्लैकपिंक और बीटीएस के दृश्यों का रीमेक बनाया।

उस समय उनके 800,000 से ज़्यादा सब्सक्राइबर थे, उन्होंने एक दर्शक वर्ग बनाया, जिसका इस्तेमाल उन्होंने निवेश गुरु बनने के लिए किया। उनके फ़ॉरेक्स ट्रेडिंग प्रोग्राम में 6,000 से ज़्यादा निवेशकों ने लगभग 2 बिलियन बाहट या लगभग 59 मिलियन डॉलर खो दिए, और उन्हें अपना पैसा कभी वापस नहीं मिला। वहीं कंपनी में विसंगतियों के बारे में बताते हुए नथथमॉन ने कहा कि गायब हुई धनराशि ट्रेडिंग रणनीतियों के कारण खो गई थी और बाद में वह देश छोड़कर फरार हो गई।

कल्पना नहीं है राम की गाथा, चीन ने भी खोजे प्रभु श्री राम के पदचिन्ह

बीजिंग, एजेंसी।
चीन के विद्वानों का कहना है कि यहां सदियों से बौद्ध धर्मग्रंथों में रामायण की कहानियों के निशान मौजूद हैं। संभवत- पहली बार इस बात का खुलासा हुआ है कि देश के उतार-चढ़ाव भरे इतिहास में हिंदू धर्म का प्रभाव भी रहा है। बीजिंग में भारतीय दूतावास द्वारा ''रामायण-ए टाइमलेस गाइड विषय पर शनिवार को आयोजित एक संगोष्ठी में धार्मिक प्रभावों पर लंबे समय से शोध कर रहे कई चीनी विद्वानों ने उन ऐतिहासिक मार्गों का पता लगाने वाली स्पष्ट प्रस्तुतियां दीं, जिनके माध्यम से रामायण चीन तक पहुंची और चीनी कला एवं साहित्य पर इसका प्रभाव पड़ा।

सिंघुआ विश्वविद्यालय के अंतरराष्ट्रीय एवं क्षेत्रीय अध्ययन संस्थान के प्रोफेसर एवं डीन डॉ. जियांग जिंगकुई ने कहा, ''धार्मिक और धर्मनिरपेक्ष दुनिया को जोड़ने वाली सदाबहार कृति के रूप में रामायण का प्रभाव अंतर-सांस्कृतिक प्रसार के माध्यम से और भी अधिक महत्वपूर्ण रूप से बढ़ गया है। उन्होंने कहा, ''चीन ने भी इस महाकाव्य के तत्वों को आत्मसात किया है, जिसने न केवल चीनी (बहुसंख्यक) हान संस्कृति में निशान छोड़े हैं, बल्कि चीनी शिजांग (तिब्बती) संस्कृति में भी इसकी पुनर्व्याख्या की गई है और इसे नया अर्थ दिया गया है। चीन आधिकारिक तौर पर तिब्बत को शिजांग के नाम से संदर्भित करता है।

जियांग ने कहा, ''यह सांस्कृतिक प्रवास और अनुकूलन एक सदाबहार और सांसारिक ग्रंथ के रूप में रामायण के खुलेपन और लचीलेपन को प्रदर्शित करता है। उन्होंने कहा कि चीन में रामायण से संबंधित सबसे प्रारंभिक सामग्री मुख्य रूप से बौद्ध धर्मग्रंथों के माध्यम से हान सांस्कृतिक क्षेत्र में पेश की गई थी। जियांग ने कहा कि इसे हान सांस्कृतिक क्षेत्र में एक संपूर्ण कृति के रूप में शामिल नहीं किया गया, लेकिन महाकाव्य के कुछ हिस्सों को बौद्ध धर्मग्रंथों में जगह दी गई है। उन्होंने बौद्ध लिपियों के चीनी अनुवाद का हवाला दिया, जिनमें ''दशरथ और हनुमान को बौद्ध पात्रों के रूप में उल्लेखित किया गया है।

जियांग ने कहा, ''एक प्रसिद्ध उदाहरण यह है कि हनुमान को वानर राजा में बदल दिया गया, जिन्होंने बौद्ध शिक्षाओं का पालन किया और क्लासिक बौद्ध नैतिक कथाओं में घुलमिल गए। मानवीय विशेषताओं वाले वानर राजा सन वुकोंग को सबसे प्रिय और सबसे स्थायी चीनी साहित्य और लोककथाओं में शामिल किया गया है। चीनी सामाजिक विज्ञान अकादमी के राष्ट्रीय अंतरराष्ट्रीय रणनीति संस्थान के प्रोफेसर लियू जियान ने अपनी प्रस्तुती में कहा कि कई चीनी विद्वान इस बात से सहमत हैं कि सन वुकोंग का संबंध हनुमान से है, हालांकि कुछ विद्वानों का कहना है कि वह चीन के ही थे। उन्होंने कहा, ''चीनी विद्वान आम तौर पर इस बात पर सहमत हैं कि सन वुकोंग की छवि हनुमान से प्रेरित है। इसलिए, सन वुकोंग यहां का किरदार नहीं है, बल्कि भारत का एक किरदार है।

इंडोनेशिया में ज्वालामुखी विस्फोट से कई मकान जलकर खाक, कम से कम नौ लोगों की मौत

फ्लोरेस, एजेंसी। प्राधिकारियों ने पिछले सप्ताह हुए ज्वालामुखी विस्फोटों के बाद सोमवार को माउंट लेवोटोबी लाकी लाकी के लिए खतरे का स्तर तथा जोखिम संभावित क्षेत्र का आकार बढ़ा दिया। इंडोनेशिया के फ्लोरेस द्वीप में ज्वालामुखी विस्फोट के कारण कम से कम नौ लोगों की मौत हो गई है। इंडोनेशिया की आपदा प्रबंधन एजेंसी ने सोमवार को यह जानकारी दी।

प्राधिकारियों ने पिछले सप्ताह हुए ज्वालामुखी विस्फोटों के बाद सोमवार को माउंट लेवोटोबी लाकी लाकी के लिए खतरे का स्तर तथा जोखिम संभावित क्षेत्र का आकार बढ़ा दिया। देश की ज्वालामुखी विज्ञान एजेंसी ने ज्वालामुखी विस्फोट बढ़ने के साथ ही चेतावनी की स्थिति को उच्चतम स्तर तक बढ़ा दिया है और निषिद्ध क्षेत्र के दायरे को सोमवार को आधी रात के बाद दोगुना से अधिक बढ़ाकर सात किलोमीटर (4.3 मील) कर दिया। ज्वालामुखी विस्फोट के कारण बृहस्पतिवार से रोजाना 2,000 मीटर (6,500 फुट) की ऊंचाई तक राख उठ रही है। माउंट लेवोटोबी लाकी लाकी के एक अधिकारी फिरमान योसेफ ने बताया कि सोमवार को आधी रात के बाद हुए विस्फोट के कारण 2,000 मीटर ऊंचाई तक राख हवा में फैल गई।

इस साल कार्तिक माह के शुक्ल पक्ष की षष्ठी तिथि 7 नवंबर की देर रात 12.41 बजे से शुरू होगी और इसका समापन 8 नवंबर की देर रात 12.34 बजे होगा। ऐसे में 7 नवंबर, गुरुवार के दिन ही संध्याकाल का अर्घ्य दिया जाएगा। सुबह का अर्घ्य अगले दिन 8 नवंबर को दिया जाएगा।

लोक आस्था का महापर्व छठ

कार्तिक मास की शुक्ल पक्ष की षष्ठी को सूर्य षष्ठी का व्रत करने का विधान है। प्राचीन काल में इसे बिहार और उत्तर प्रदेश में ही मनाया जाता था। लेकिन आज इस प्रान्त के लोग विश्व में जहाँ भी रहते हैं वहाँ इस पर्व को उसी श्रद्धा और भक्ति से मनाते हैं। यह व्रत बडे नियम तथा निष्ठा से किया जाता है। इसमे तीन दिन के कठोर उपवास का विधान है । इस व्रत को करने वाली स्त्रियों को पंचमी को एक बार नमक रहित भोजन करना पडता है। षष्ठी को निर्जल रहकर व्रत करना पडता है । षष्ठी को अस्त होते हुए सूर्य को विधिपूर्वक पूजा करके अर्घ्य देते हैं। सप्तमी के दिन प्रातःकाल नदी या तालाब पर जाकर स्नान करती हैं। सूर्योदय होते ही अर्घ्य देकर जल ग्रहण करके व्रत को खोलती हैं।

कार्तिक मास की शुक्ल पक्ष की षष्ठी तिथि पर भारत वर्ष में छठ पूजा का पर्व बड़ी धूमधाम से मनाया जाता है। इस दिन सूर्योपासना का विशेष महत्व है, लेकिन इसे छठ पूजा के नाम से ही जाना जाता है। ऐसी मान्यता है कि छठी मैया को प्रसन्न करने के लिए महिलाएं छठ गीतों और भजनों के साथ प्रार्थना करती हैं और संतान सुख की प्राप्ति करती हैं। छठ मैया की आराधना करने से श्रद्धालुओं को निरोग रहने का आशीर्वाद भी प्राप्त होता है।

सभी सुखों और सुविधाओं को प्रदान करने वाले सूर्य देव के कारण ही धरती पर जीवन संभव है और संतति प्रदाता और जीवनदाता सूर्य देव को रिझाने के लिए छठ पूजा को मान्यता मिली हुई है।

'देवी भागवत पुराण' में उल्लेखित एक कथा के अनुसार राजा प्रियव्रत को विवाह के कई वर्ष बीतने के बाद भी संतान सुख प्राप्त नहीं हुआ था। संतान प्राप्त करने के लिए उन्होंने सूर्योपासना की। सूर्योपासना से राजा के घर पुत्र का जन्म तो हुआ, लेकिन कुछ देर बाद ही उसकी मृत्यु हो गई। इससे राजा और उनका पूरा परिवार शोकाकुल हो गया। जब राजा अपने नवजात पुत्र को लेकर श्मशान पहुंचे तो अपने ही हाथों से अपने पुत्र की अंतिम क्रिया करने की विवशता के कारण अत्यंत भावुक हो गए और जीवन के प्रति उनका मोहभंग हो गया। दुखी राजा जब अपनी देह त्यागने का विचार कर ही रहे थे, उसी दौरान उनके समक्ष एक देवी प्रकट हुईं। राजा ने देवी की आराधना की और अपने बालक को जीवीत करने की प्रार्थना की। राजा प्रियव्रत की भक्ति और पूजा से प्रसन्न होकर देवी माता ने सूर्य देव की कृपा से राजा के पुत्र को पुनर्जीवित कर दिया। राजा ने कहा कि वे ब्रह्माजी की मानस पुत्री देवसेना हैं और कुमार कार्तिकेय उनके पति हैं। मूल प्रकृति के छठवें अंश से उत्पन्न होने के कारण उन्हें षष्ठी माता के नाम से भी संबोधित किया जाता है। देवी माता ने राजा के पुत्र को जिस तिथि पर पुनर्जीवित किया था वह कार्तिक शुक्ल पक्ष की षष्ठी की तिथि ही थी। देवी मां ने राजा से कहा कि तुम मेरी पूजा करो और अपनी प्रजा से भी मेरी उपासना करने को कहो। इसके बाद राजा प्रियव्रत ने विधिवत और नियमित रूप से माता की पूजा आरंभ कर दी और इस दिन को छठ पर्व के रूप में सभी के साथ मिलकर मनाने लगे। चूंकि, सूर्यदेव की कृपा से माता ने राजा के पुत्र को पुनर्जीवन प्रदान किया, इसलिए इस दिन सूर्य भगवान को अर्घ्य देकर उनकी भी छठी माता के साथ पूजा किए जाने की परंपरा है। एक अन्य कथा के अनुसार शिव-पार्वती के ज्येष्ठ पुत्र कार्तिकेय का जन्म होने के बाद उन्हें असुरों से सुरक्षित रखने के लिए अग्निदेव ने कुमार कार्तिकेय को गंगा की गोद में रख दिया था। गंगा मैया ने कार्तिकेय को सरकंडे के वन में रख दिया। इस वन में छह्न कृतिकाएं निवास करती थीं। कृतिकाएं कुमार कार्तिकेय को पाकर काफी प्रसन्न हो गईं और कार्तिकेय को पुत्र मानकर उसका लालन-पालन करने लगीं। ऐसी मान्यता है कि ये छह्न कृतिकाएं ही कालांतर में छठी माता के रूप में पुजन लगी। ऐसा कहा जाता है कि जब तक छोटे बच्चे अपने पैरों के अंगूठों को मुंह में नहीं डालते तब तक छठी माता बच्चों के साथ रहती हैं और खेल-खेल में कभी उन्हें हंसाती हैं और कभी रुलाती हैं।

सूर्य षष्ठी व्रत पूजा

सूर्य षष्ठी व्रत भगवान सूर्य की उपासना का पर्व है. इस पर्व का आयोजन कार्तिक माह के आरंभ के साथ ही शुरू हो जाता है इस पर्व के उपलक्ष में भगवान सूर्य की पूजा का विशेष महत्व होता है. सूर्य षष्ठी व्रत में भगवान सूर्य की पूजा उपासना की जाती है इस दिन व्रती अपने सभी कार्यों को पूर्ण कर भगवान आदित्य का पूजन करता है. उन्हें जल द्वरा अर्घ्य दिया जाता है. पूजा की विधी में फल, विभिन्न प्रकार के पकवान एवं मिष्ठान को शामिल किया जाता है इस दिन सूर्य की किरणों को अवश्य ग्रहण करना चाहिए. पूजन तथा अर्घ्य देने के समय सूर्य की किरणें अवश्य देखनी चाहिए.

सूर्य षष्ठी व्रत महत्व

सूर्य षष्ठी पर्व के अवसर पर परिवार के सभी सदस्य स्वच्छता का विशेष ध्यान रखते हैं. सूर्य षष्ठी पर्व के दिन पूजा का सामान तैयार किया जाता है जिसमें सभी प्रकार के फल, केले की पूरी गौर, नारियल, मूली, सुथनी, अखरोट, बादाम इत्यादि को रखा जाता है. इस व्रत का बहुत महत्व रहा है इसे करने से घर में धन धान्य की वृद्धि होती है. तथा परिवार में सुख समृद्धि का आगमन होता है. इस व्रत को करने से चर्म तथा नेत्र रोगों से मुक्ति मिलती है. सूर्योपासना का यह पर्व अत्यंत प्राचीन है। महाभारत काल में माता कुंती ने सूर्योपासना के द्वारा अत्यंत तेजस्वी पुत्र कर्ण की प्राप्ति की थी। इससे भी पूर्व इस व्रत को च्यवन मुनि की पत्नी सुकन्या ने अपने जराजीर्ण पति के लिए किया था। स्कन्द पुराण के अनुसार राजा शर्याति की प्रिय कन्या सुकन्या अपने पिता के साथ सैनिकों सहित वन में गई और वहां अपनी सखियों सहित उपवन में क्रीड़ा करते हुए वहां तपस्यारत च्यवन मुनि के दोनों नेत्रों को फोड़ दिया। जिसके फलस्वरूप राजा शर्याति व उनके सैनिकों पर भारी विपत्ति आई। अस्वस्थ हो सभी मरणासन्न की स्थिति को प्राप्त होने लगे। च्यवन मुनि से क्षमा याचना कर उनका अभिप्राय जानकर राजा ने अपनी पुत्री सुकन्या का विवाह उनसे कर दिया। अंधे, अस्वस्थ अपने पति को प्राप्त कर वह अश्विनी कुमारों का आवाहन कीं और उनकी प्रेरणा से 12 वर्ष तक सूर्य षष्ठी व्रत का पालन कीं। इस व्रत के प्रभाव से च्यवन मुनि को नेत्र ज्योति प्राप्त हुई और वे वृद्धावस्था से युवावस्था को प्राप्त हो गए। मान्यता है कि भगवान राम ने अपने राज्याभिषेक के उपरान्त माता सीता सहित इस व्रत को किया था। यदि कोई इस व्रत को नियमपूर्वक 12 वर्ष तक करता है तो वह सौभाग्यशाली हो जाता है।

सूर्य आराधना का पर्व

भगवान सूर्यदेव के प्रति भक्तों के अटल आस्था का अनूठा पर्व छठ हिन्दू पंचांग के अनुसार कार्तिक मास के शुक्ल पक्ष के चतुर्थी से सप्तमी तिथि तक मनाया जाता है। मार्कण्डेय पुराण में छठ पर्व के बारे में विस्तारपूर्वक वर्णन किया गया है।

यदि इस पर्व के नाम पर विचार करें तो स्पष्ट होता है कि इस पर्व के तिथिसूचक के अपभ्रंस या देशज रूप को ही इस पर्व की संज्ञा के रूप में अपनाया गया है. जैसे कि इसे मुख्य रूप से इसकी षष्ठी तिथी को होने वाली सूर्यदेव की अर्घ्य के लिए जाना जाता है. इस प्रकार षष्ठी तिथी के विशेष महत्व के कारण उसका अपभ्रंस छठ के रूप में हमारे सामने आता है. यूं तो इस पर्व में देवता के रूप में सूर्यदेव की ही प्रतिष्ठा है, पर तिथी के कारण ये छठ नाम से प्रसिद्ध हो गया है. चार दिन तक चलने वाले इस पर्व में मुख्यतः षष्ठी और सप्तमी के अर्घ्य का ही विशेष महत्व माना जाता है वैसे तो यह पर्व वर्ष में दो बार चैत्र और कार्तिक मास में मनाया जाता है. पर इनमें तुलनात्मक रूप से अधिक प्रसिद्धि कार्तिक मास के छठ की ही है. हिंदू कैलेण्डर के अनुसार कार्तिक मास में दीपावली बीतने के बाद इस चार दिवसीय पर्व का आगाज हो जाता है. कार्तिक शुक्ल चतुर्थी से शुरू होकर ये पर्व कार्तिक शुक्ल सप्तमी को भोर की अर्घ्य देने के साथ समाप्त होता है. इस चार दिवसीय पर्व का आगाज 'नहाय खाय' नामक एक रस्म से होता है. इसके बाद खरना, फिर सांझ की अर्घ्य व अंततः भोर की अर्घ्य के साथ इस पर्व का समापन हो जाता है. यूं तो ये पर्व चार दिवसीय होता है, पर मुख्यतः षष्ठी और सप्तमी के अर्घ्य का ही विशेष महत्व माना जाता है. व्रती व्यक्ति द्वारा पानी में खड़े होकर सूर्य देव को ये अर्घ्य दिए जाते हैं. इसी क्रम में उल्लेखनीय होगा कि संभवतः ये अपने आप में ऐसा पहला पर्व है जिसमे कि डूबते और उगते दोनों ही सूर्यों को अर्घ्य दिया जाता है; उनकी वंदना की जाती है. सांझ-सुबह की इन दोनों अर्घ्यों के पीछे हमारे समाज में एक आस्था काम करती है. वो आस्था ये है कि सूर्यदेव की दो पत्नियां हैं- ऊषा और प्रत्युषा. सूर्य के भोर की किरण ऊषा होती है और सांझ की प्रत्युषा, अतः सांझ-सुबह दोनों समय अर्घ्य देने का उद्देश्य सूर्य की इन दोनों पत्नियों की अर्चना-वंदना होता है. छठ के गीत तो धुन, लय, बोल आदि सभी मायनों में एक अलग और अत्यंत मुग्धकारी वैशिष्ट्य लिए हुए होते हैं. 'कांच ही बांस के बहन्गियां', 'मरबो जे सुगवा धनुष से', 'केलवा के पात पर', 'पटना के घाट पर' आदि इस पर्व के कुछ सुप्रसिद्ध गीत हैं, जिन्हें तमाम गायकों द्वारा गाया भी जा चुका है. आलम यह कि जिसका वास्ता छठ से न हो, वह भी अगर इन गीतों को सुने और समझ सके तो इनके आकर्षण से नहीं बच सकता. केला, सेब, अन्नानस, आदि अनेक फलों के अतिरिक्त गन्ना और घर में बने ठेकुआ आदि चीजें इसके प्रसाद को भी विविधतापूर्ण और विशेष बनाती हैं.

प्रसाद में घर में बने ठेकुआ का विशेष महत्व है

इस पर्व का प्रभाव भारतीय राजनीति में भी व्यापक रूप से देखने को मिलता है. अब यूपी-बिहार तो खैर इस पर्व के गढ़ ही हैं, तो वहां तो नेताओं द्वारा इसके लिए घाटों पर साफ-सफाई और सुरक्षा आदि की चाक-चौबंद व्यवस्था की ही जाती है, साथ ही राजधानी दिल्ली, महाराष्ट्र जैसे तमाम राज्यों जहां यूपी-बिहार के लोगों की बड़ी संख्या में मौजूदगी है, में भी सरकारें छठ के पूरी तैयारी करती हैं. बिहार में तो अक्सर मुख्यमंत्री खुद ही सपरिवार छठ घाट पहुंचकर पूजन-अर्घ्य आदि करते हैं. बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री लालू यादव के यहां होने वाला छठ का भारी भरकम आयोजन तो खैर देश भर में ही प्रसिद्ध है. मोटे तौर पर जनसामान्य की मान्यता है कि ये सिर्फ स्त्रियों का पर्व है और काफी हद तक ये मान्यता सही भी है. पर इसके साथ ही ये भी एक सत्य है कि पुरुष के बिना इस पर्व की कई रस्मे अधूरी ही रह जाएंगी. उदाहरणार्थ इस पर्व की एक अत्यंत महत्वपूर्ण रस्म जिसमे कि घर के पुरुष द्वारा पूजन सामग्री का डाल सिर पर उठाकर छठ के घाट तक ले जाया जाता है. पुरुष के होने की स्थिति में ये रस्म पुरुष द्वारा ही किया जाना आवश्यक और उचित माना गया है. लिहाजा इसे सिर्फ स्त्रियों का पर्व कहना किसी लिहाज से सही नहीं लगता.

ये रस्म पुरुष द्वारा ही किया जाना आवश्यक और उचित माना गया है

भारत के अधिकाधिक पर्वो की एक विशेषता ये भी है कि वो किसी न किसी पौराणिक मान्यता से प्रभावित होते हैं. छठ के विषय में भी ऐसा ही है. इसके विषय में पौराणिक मान्यताएं तो ऐसी हैं कि अब से काफी पहले रामायण अथवा महाभारत काल में ही छठ पूजा का आरम्भ हो चुका था. कोई कहता है कि सीता ने तो कोई कहता है कि कुंती या द्रोपदी ने सर्वप्रथम ये छठ व्रत और पूजा की थी. एक मान्यता यह भी है कि सर्वप्रथम महाभारत कालीन सूर्यपुत्र कर्ण ने सूर्य का पूजन किया था, जिसके बाद यह परम्परा चल पड़ी. अब जो भी हो, पर इतना अवश्य है कि अगर आपको भारतीय श्रृंगार, परम्परा, शालीनता, सद्भाव, और आस्था समेत सांस्कृतिक समन्वय की छटा एकसाथ देखनी हो तो अर्घ्य के दिन किसी छठ घाट पर चले जाइए. आप वो देखेंगे जो आपके मन को प्रफुल्लित कर देगा.

माता सीता ने भी रखा था छठ व्रत

दीपावली को पर्वों की माला माना जाता है जो कुल पांच दिन चलता है लेकिन पर्वो का यह माहौल सिर्फ भैयादूज तक ही नहीं थमता बल्कि यह छठ पर्व तक चलता है. छठ पर्व भी सिर्फ एक पर्व नही बल्कि महापर्व है जो कुल चार दिन तक चलता है. नहाय खाय से लेकर उगते हुए भगवान भास्कर को अर्घ्य देने तक चलने वाला यह पर्व बिहार और यूपी का एक बेहद अहम पर्व है जो आज पूरे देश में समान हर्षोल्लास के साथ मनाया जाता है. माना जाता है कि छठ पर्व बहुत ही पुराना है. इसका वर्णन रामायण काल से लेकर महाभारत काल तक में होता है. किंवदंति के अनुसार ऐतिहासिक नगरी मुंगेर के सीता चरण में कभी मां सीता ने छह दिनों तक रह कर छठ पूजा की थी. पौराणिक कथाओं के अनुसार 14 वर्ष वनवास के बाद जब भगवान राम अयोध्या लौटे थे तो रावण वध के पाप से मुक्त होने के लिए ऋषि-मुनियों के आदेश पर राजसूर्य यज्ञ करने का फैसला लिया. इसके लिए मुग्दल ऋषि को आमंत्रण दिया गया था, लेकिन मुग्दल ऋषि ने भगवान राम एवं सीता को अपने ही आश्रम में आने का आदेश दिया. ऋषि की आज्ञा पर भगवान राम एवं सीता माता स्वयं यहां आए और इसके पूजा-पाठ के बारे में बताया गया. मुग्दल ऋषि ने मां सीता को गंगा छिड़क कर पवित्र किया एवं कार्तिक मास के शुक्ल पक्ष षष्ठी तिथि को सूर्यदेव की उपासना करने का आदेश दिया. यही रह कर माता सीता ने छह दिनों तक सूर्यदेव भगवान की पूजा की थी.

छठ पूजा के इतिहास की ओर दृष्टि डालें तो इसका प्रारंभ महाभारत काल में कुंती द्वारा सूर्य की आराधना व पुत्र कर्ण के जन्म के समय से माना जाता है. छठ को महापर्व इसलिए भी कहा जाता है क्योंकि सूर्य ही एकमात्र प्रत्यक्ष देवता हैं और छठ पूजा का वर्णन पुराणों मे भी मिलता है. अथर्ववेद में छठ पर्व का उल्लेख है जो इसकी महानता और प्राचीनता को दर्शाता है. यह एकमात्र पर्व है जिसमें उदयमान सूर्य के साथ-साथ अस्ताचलगामी सूर्य को भी अर्घ्य दिया जाता है. यह पर्व हमें यह संदेश देता है कि जीवन में हमें सिर्फ उन्हें ही सम्मान नहीं देना चाहिए जो आगे बढ़ते हैं बल्कि समय आने पर उनका भी साथ देना चाहिए जो हमसे पीछे छूट गए हैं या जिनका महत्त्व कम हो गया हो. छठ पर्व के पहले दिन को खाए नहाय खाय कहा जाता है यानि लोग उस दिन खा लेते है और उसके बाद दो दिन का व्रत रखते हैं जिसमें आखिरी दिन निर्जला व्रत होता है. पर्व के पहले दिन महिलाएं स्नानादि करने के बाद चावल, लौकी और चने की दाल का भोजन करती है और देवकरी में पूजा का सारा सामान रख कर दूसरे दिन आने वाले व्रत की तैयारी करती हैं. छठ पर्व पर दूसरे दिन यानि खरना पर पूरे दिन का व्रत रखा जाता है और शाम को गन्ने के रस की बखीर (कुछ जगह लोग गुड़ से खीर बनाते हैं वह भी बखीर ही मानी जाती है) बनाकर देवकरी में पांच जगह कोशा (मिट्टी के बर्तन) में बखीर रखकर उसी से हवन किया जाता है. बाद मे प्रसाद के रूप में बखीर भोजन किया जाता है व सगे संबंधियों में इसे बांटा जाता है. इस दिन का प्रसाद यानि खीर और रोटी बेहद स्वादिष्ट और सेहतमंद होता है. षष्ठी यानि के दिन सुबह से ही नदी या तालाबों के घाटों को सजाने-संवारने का काम शुरू हो जाता है. केले के थम्ब, आम के पल्लव, अशोक के पत्ते को मूंज की रस्सी के साथ बांधकर पूरे व्रत स्थल की सजावट करते हैं. व्रत सामग्री में खासकर बांस से बने दऊरा-सुपली, ईख, नारियल, फल-फूल, मूली, पत्ते वाले अदरक, बोरो, सुथनी, केला, आटे से बने ठेकुआ आदि होते हैं जिन्हें एक लकड़ी के डाले में रखा जाता है जिसे लोग दऊरा या ढलिया या बंहगी भी कहते हैं. शाम के अर्घ्य के दिन दोपहर बाद से ही बच्चे, महिलाएं, बुजुर्ग और नौजवान नए वस्त्रों में सुशोभित होकर घाट की ओर प्रस्थान करते हैं. घर के पुरुष सिर पर चढ़ावे वाला दऊरा लेकर आगे-आगे चलते हैं, पीछे-पीछे महिलाएं गीत गाती व्रत स्थल को जाती हैं. वहां पहुंचकर पहले गीली मिट्टी से बनाती हैं. अक्षत-सिंदूर, चंदन, फूल चढ़ाकर वहां एक अर्घ्य रखकर छठी मइया की सांध्य पूजा का शुभारम्भ करती हैं. फिर व्रती नदी में पश्चिम की ओर मुंह करके खड़े होते हैं और भगवान दिवाकर की आराधना करते हैं. वैसे तो लोग इस दिन घाट पर अपनी मर्जी और सामर्थ्य से फल ले जाते है लेकिन विधिवत रूप से एक सूप मे नारियल कपड़े में लिपटा हुआ नारियल, पांच प्रकार के फल, पूजा का अन्य सामान ही काफी होता है. शाम को पूजा करने के बाद घर वापस आया जाता है और अगली सुबह की तैयारी की जाती है. अगले दिन सुबह-सुबह सूर्य निकलने से पहले ही घाट पर पहुंचा जाता है और भगवान सूर्य के निकलते ही उन्हें अर्घ्य दिया जाता है. इसके बाद वहीं पर प्रसाद ग्रहण कर व्रत को तोड़ा जाता है और भगवान सूर्य को यह व्रत रखने की क्षमता प्रदान करने के लिए धन्यवाद दिया जाता है.